3 राजधानी
महंगाई से फीका पड़ा कुम्हारों का त्योहार

6 अभिमत
पराली ही नहीं प्रदूषण की एकमात्र वजह

10 स्पोर्ट्स
सिंधू भी फ्रेंच ओपन से बाहर

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 7 अंक 347
नई दिल्ली, रविवार, 27 अक्टूबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

झुमदियावली

अमेरिकी सांसदों ने मनाई दिवाली

विदेश-12

www.dailypioneer.com

सरयू तट पर जले पांच लाख दीये, जगमग हुई अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तीसरे दीपोत्सव की भव्यता और दिव्यता की साक्षी बनी अयोध्या जिसमें रामायण काल के प्रसंगों पर आधारित 11 चलित झांकियों का शुभारंभ फिजी की उपसभापति वीना कुमार भटनागर ने झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर पांच लाख से अधिक दीयों से रामनगरी जगमग हुई।

मुख्य अतिथि वीना कुमार भटनागर, प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल राम जन्म भूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास वा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

तीसरा दीपोत्सव

भगवान श्रीराम के स्वरूप का राज्याभिषेक किया। इसके पूर्व योगी आदित्यनाथ ने हेलीकॉप्टर रूपी पुष्पक विमान से आए भगवान के स्वरूप श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की अगवानी की। सूर्यास्त के उपरांत योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि राज्यपाल और अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ मां सरयू की आरती की और राम की पैड़ी पर तीन लाख 21 हजार विश्व रिकॉर्ड के लिए और पूरी अयोध्या में 5 लाख 51 हजार जलाए जा रहे दीपों का औपचारिक शुभारंभ किया। सांझ ढलते ही पूरी अयोध्या रोशनी में जगमग आने लगी ऐसी मनोरम छटा त्रेता युग इन यादों को ताजा कर दिया। राम राज्याभिषेक के अवसर पर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में 154 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण और 219 करोड़ की परियोजना का शिलान्यास करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को पूरी दुनिया में पहचान दिलाने में 70 साल लग गए। आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान विश्व गुरु में उभर कर सामने आई है। उन्होंने कहा कि राम राज्य में जाति, धर्म, पंथ, संप्रदाय का कोई भेदभाव नहीं था। किसी को किसी प्रकार का दुख नहीं था। जब से केंद्र में मोदी सरकार बनी है, देश में नए रामराज्य की परिकल्पना के रूप में सरकार चल रही है। हमारे सरकार की परियोजनाओं में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता। हमने अब तक तीन करोड़ लोगों को छत, 10 करोड़ लोगों को इज्जत घर, 4 करोड़ लोगों को निशुल्क विद्युत कनेक्शन, 8 करोड़ लोगों को उज्ज्वला योजना, 12 करोड़ लोगों को किसान सम्मान निधि, 50 करोड़ों लोगों को आयुष्मान भारत जैसी योजना देश में बिना किसी भेदभाव के लागू किया है। यही नए रामराज्य की परिकल्पना है। मुख्यमंत्री ने कहा (शेष पेज 9)

अवकाश सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में **पायनियर** प्रेस एवं कार्यालय में 27 व 28 अक्टूबर, 2019 को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 30 अक्टूबर, 2019 को प्रकाशित होगा।

मौसम

अधिकतम 30.9°C (-1)
न्यूनतम 18.2°C (+2)

बाजार

सेंसेक्स	37,531	▼ 141	
निफ्टी	11,125	▼ 49	
सोना	39,210	▼ 30	/10g
चांदी	46,390	▼ 90	/kg

क्विक न्यूज

भारत और चीन की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में मुलाकात की

जम्मू। दीपावली के अवसर पर भारत और चीन की थल सेनाओ के सीमा पर तैनात सैनिको की शनिवार को पूर्वी लद्दाख मे एक रस्मी बैठक हुई। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि इस अवसर पर बैठक के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और उसमे भारतीय सांस्कृतिक एवं परंपरा के वैभव को प्रदर्शित किया गया। उन्होने बताया कि यह बैठक पूर्वी लद्दाख के चाशुल-मोलदो और डीबीओ-टीडब्ल्यूडी मुलाकात स्थलो पर स्थित भारतीय बीपीएम शिविरो मे हुई।

आधी हिस्सेदारी पर अड़ी शिवसेना छोटे दलों के संपर्क में फड़णवीस

- उद्धव ने सहयोगी दल से मांगा लिखित आश्वासन, भाजपा बोली-नहीं है ऐसे किसी फार्मूले की जानकारी- पार्टी विधायक दल की बैठक 30 को

महाराष्ट्र में सत्ता का खेल

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/नई दिल्ली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पहले के मुकाबले भाजपा के खराब प्रदर्शन से सहयोगी पार्टी शिवसेना का हौसला बढ़ गया है और वह सरकार में अपनी हिस्सेदारी को लेकर कड़ी सौदेबाजी कर रही है। राज्य में नई सरकार बनाने का दावा पेश करने पर बातचीत से पहले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को, भाजपा से सत्ता में समान हिस्सेदारी का फार्मूला (50-50) लागू करने का लिखित आश्वासन मांगा।

शिवसेना विधायक प्रताप सरनाइक ने उद्धव ठाकरे से बैठक के बाद उनके कड़े तेवर की जानकारी दी। उन्होंने उद्धव के हवाले से कहा कि भाजपा का आश्वासन मिलने पर ही अगली सरकार के गठन पर चर्चा हो सकती है।

इस बीच, महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस समर्थन के लिए निर्दलीय के अलावा छोटे दलों के 15 विधायकों के संपर्क में हैं। दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना द्वारा प्रस्तावित सत्ता में बराबर की हिस्सेदारी के किसी फार्मूले से अवगत नहीं है। दिवाली के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस सरकार गठन के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे के साथ बातचीत करेंगे। भाजपा ने 30 अक्टूबर को नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलाई है जिसमें नेता विधायक दल चुना जाएगा। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि विधान भवन में दोपहर बाद एक बजे यह बैठक होगी।

इससे पहले, नवनिर्वाचित शिवसेना विधायकों ने मातोश्री पहुंचकर उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और आदित्य ठाकरे को नई सरकार में मुख्यमंत्री बनाने पर जोर दिया। बैठक के बाद, ठाकरे को उद्धृत करते हुए सरनाइक ने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शिवसेना कम सीटों पर चुनाव लड़ी। भाजपा को सत्ता साझेदारी के फार्मूले को लागू करने के बारे में लिखित में आश्वासन देना होगा। उद्धव ने कहा कि सीटों और सत्ता में समान हिस्सेदारी के बारे में उनके आवास पर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की मौजूदगी में इसे (फार्मूले को) तैयार किया गया था। गत अप्रैल-मई में हुए लोकसभा चुनाव 2019 के लिए गठबंधन पर मुहर लगाने के वास्ते शिवसेना प्रमुख के आवास पर शाह ने ठाकरे से मुलाकात की थी।

सरनाइक के मुताबिक, भाजपा द्वारा इस तरह का आश्वासन दिए जाने पर ही अगली सरकार के गठन पर चर्चा हो सकती है। शिवसेना प्रमुख ने उन लोगों से कहा कि उनके पास अन्य विकल्प खुले हुए हैं (संभवत: सरकार गठन के लिए) लेकिन उसमें उनकी रूचि नहीं है क्योंकि भाजपा और शिवसेना हिंदुत्व की विचारधारा की डोर से एक दूसरे के साथ बंधी हुई हैं। सरनाइक ने बताया कि नए विधायकों के शपथ ग्रहण करने के बाद शिवसेना का नेता विधायक दल चुना जाएगा। शिवसेना के लिखित में आश्वासन मांगने को उसकी दबाव बनाने की तरकीब के तौर पर देखा जा रहा है।दरअसल, भाजपा को 2014 की तुलना में इस चुनाव में 17 सीटों का नुकसान हुआ है (शेष पेज 9)

भाजपा को सरकार बनाने का न्योता आज शपथ लेंगे खट्टर और दुष्यंत

तिहाड़ में बंद जजपा नेता के पिता अभय चौटाला की दो हफ्ते की फरलो मंजूर

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने शनिवार को मनोहर लाल खट्टर को प्रदेश में अगली सरकार बनाने का न्यौता दिया। इससे पहले भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद खट्टर ने जजपा और सात निर्दलीय विधायकों के समर्थन के साथ प्रदेश में सरकार गठन का दावा पेश किया था। खट्टर ने बताया कि 57 विधायकों, जिनमें भाजपा के 40, जजपा के 10 और सात निर्दलीय विधायक शामिल हैं, के समर्थन के साथ सरकार गठन के लिए राज्यपाल के समक्ष दावा पेश किया।

हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 46 सीटें होना जरूरी है। खट्टर ने बताया कि हरियाणा के राज्यपाल ने हमें रविवार को सरकार गठन का न्योता दिया है। खट्टर ने कहा, राज्यपाल ने हमारे दावे को स्वीकार कर हमें रविवार को सरकार बनाने का न्योता दिया है। खट्टर ने कहा कि दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। खट्टर ने बताया कि वह रविवार दोपहर सवा दो बजे राजभवन में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि उनके साथ जो मंत्री शपथ लेंगे उनके नामों की जानकारी रविवार को दी जाएगी। दूसरी ओर दुष्यंत चौटाला के पिता अजय चौटाला का दो हफ्तों का फरलो मंजूर किया गया है। अजय चौटाला शिक्षक भर्ती घोटाले में दोषी करार दिए जाने के बाद से तिहाड़ जेल में बंद हैं।

चड़ीगढ़ में राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य के समक्ष सरकार बनाने का दावा करते भाजपा विधायक दल के नेता मनोहर लाल खट्टर। साथ में जजपा नेता दुष्यंत चौटाला

भाजपा ने हालांकि कहा है कि वह सरकार गठन के लिए विवादित नेता और सिरसा से विधायक गोपाल कांडा का समर्थन नहीं लेगी, जो आत्महत्या के लिए उकसाने के दो मामलों में आरोपी हैं। विधायक दल की बैठक में यहां भाजपा महासचिव अरुण सिंह के साथ मौजूद केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि भाजपा कांडा का समर्थन नहीं लेने जा रही है। दुष्यंत ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा और जजपा ने पांच सालों तक स्थाई सरकार देने का फैसला लिया है। जजपा के जनता के मत का सम्मान नहीं करने के कांग्रेस के आरोप के बारे में पूछे जाने पर दुष्यंत ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं: क्या हमने यह चुनाव कांग्रेस के साथ लड़ा? लोगों ने यह जनादेश हमें कांग्रेस के खिलाफ भी दिया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस वह पार्टी है जो देवीलाल ने 1977 से पहले छोड़ दी थी। हरियाणा में कांग्रेस का नेतृत्व वो लोग कर रहे थे जिन्होंने 10 सालों तक देश को लूटा, 63 हजार एकड़ जमीन बेची, राज्य में सीएलयू (शेष पेज 9)

कश्मीर घाटी में दोबारा लागू हो सकती हैं कड़ी पाबंदियां

मोहित कंधारी। जम्मू

- 31 से बतौर केंद्र शासित प्रदेश काम करने लगेंगे जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, इस ऐतिहासिक दिन पर शांति बनाए रखने की है ठोस तैयारी
- श्रीनगर और लद्दाख में होंगे दो समारोह, नवनियुक्त उपराज्यपाल तिरंगा फहराकर करेंगे नए दौर की शुरुआत

महीने की 31 तारीख को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख बतौर केंद्र शासित प्रदेश काम करने लगेंगे। यह एक ऐतिहासिक दिन होगा जिसका जश्न बगैर किसी व्यवधान के मनाने को प्रतिबद्ध सरकार एक बार फिर कड़े सुरक्षा इंतजाम कर सकती है। ऐहतियातन संचार सेवाओं (फोन, मोबाइल, इंटरनेट) को उसी प्रकार ठप किया जा सकता है जैसा कि 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अनचाही घटनाओं को टालने के लिए किया गया था।

दोबारा कड़ी पाबंदी लागू किए जाने की संभावना के बाबत कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन कश्मीर घाटी के स्थानीय लोगों का मानना है कि अगले हफ्ते उन्हें फिर से तमाम तरह के प्रतिबंध झेलने पड़ सकते हैं। घाटी में इंटरनेट और मोबाइल एसएमएस सेवाएं बीते पांच अगस्त से लगातार निलंबित हैं। 31 अक्टूबर को श्रीनगर और लद्दाख में दो सरकारी समारोह होंगे जिनमें नवनियुक्त उपराज्यपाल तिरंगा फहराकर नए दौर की शुरुआत करेंगे।

जोर पकड़ती अफवाहों और आशंकाओं के (शेष पेज 9)

एफएटीएफ में हारा पाक एलओसी पर निकालेगा खीज

राहुल दत्ता। नई दिल्ली

वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (एफएटीएफ) से चार महीने के निलंबन की सजा मिलने से बौखलाया पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अपनी खीज निकालेगा। जम्मू-कश्मीर में हिंसा को बढ़ावा देने और ज्यादा से ज्यादा आतंकियों को घुसपैठ कराने के लिए वह सीज फायर उल्लंघन का सहारा लेगा। सुरक्षा प्रतिष्ठानों को आशंका है कि आने वाले दिनों में सीजफायर उल्लंघन की घटनाओं में बढ़ोतरी हो सकती है।

नियंत्रण रेखा के पार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित लांच पैड पर करीब 250 आतंकी घुसपैठ की फराक में बैठे हैं। पाकिस्तानी सेना पर पूरा दबाव है कि ये आतंकी जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर में दाखिल हो जाएं। यदि पड़ोसी देश की सेना ऐसा करने में कामयाब नहीं हुई तो गुस्साए आतंकी पाकिस्तान के आंतरिक हिस्सों में हिंसक वारदात कर सकते हैं। इस साल अगस्त में जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद से विभिन्न वैश्विक मंचों पर कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयासों में विफल रहने के बाद पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ रिजल्ट देने के घरेलू दबाव में है। इसी के मद्देनजर एलओसी पर पहले से ही बढ़े तनाव को पाक सेना और बढ़ा सकती है।

जम्मू में सीमा पर चौकस बीएसएफ जवान

पिछले साल 328 बार आतंकी घुसपैठ की कोशिश की गई

नई दिल्ली। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों ने 2018 में जम्मू-कश्मीर में 328 बार घुसपैठ की कोशिश की, जो बीते पांच साल में सबसे अधिक है। इनमें से 143 प्रयासों में वे सफल रहे। गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

मंत्रालय शुक्रवार को उपलब्ध 2018-19 की रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में बीते साल 257 आतंकवादी मारे गए और 91 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए, जो बीते पांच साल में सर्वाधिक है। रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि के दौरान 39 आम लोगों की भी मौत हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों ने 2018 में 328 बार जम्मू-कश्मीर में घुसने की कोशिश की, जिनमें से 143 प्रयासों में वे सफल रहे। रिपोर्ट के अनुसार 2017 में घुसपैठ के 419 प्रयास किए गए, जिनमें से 136 सफल रहे। 2016 में ऐसी 371 कोशिशें की गईं, जिनमें से 119 सफल रहीं। वहीं 2015 में 121 बार घुसपैठ का प्रयास किया गया, जिनमें से 33 में उन्हें सफलता मिली। 2014 में 222 बार घुसपैठ की कोशिश हुई और 65 कोशिशें सफल रहीं। रिपोर्ट के अनुसार 2018 में जम्मू-कश्मीर में हुई 614 आतंकी घटनाओं में कुल 257 आतंकवादी मारे गए, 91 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और 39 लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार जम्मू-कश्मीर में 2018 में सुरक्षाकर्मियों की शहादत, आतंकवादियों के ढेर होने और आतंकी घटनाओं के आंकड़े बीते पांच साल में सबसे ज्यादा रहे।

राजधानी में दो नहीं, एक ही बंगला रख सकेंगे देवगौड़ा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बतौर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को लुटियन दिल्ली में एक ही सरकारी आवास रखने की अनुमति दी है। उनसे बंगला खाली करने के लिए कह दिया गया है।

आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने नियमों का हवाला देकर पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में देवगौड़ा को एक ही सरकारी बंगले का हकदार बताया है। उल्लेखनीय है कि 16वीं लोकसभा के दौरान वरिष्ठ सांसद के तौर पर देवगौड़ा को सरकारी बंगला आवंटित किया गया था। हालांकि, 17वीं लोकसभा का चुनाव हारने के बाद पूर्व सांसदों से सरकारी बंगला खाली कराने की प्रक्रिया के तहत देवगौड़ा को भी मंत्रालय के संपदा निदेशालय ने गत सितंबर में बंगला खाली करने का नोटिस जारी किया था। सूत्रों के अनुसार इस नोटिस के जवाब में देवगौड़ा ने पूर्व प्रधानमंत्री के रूप में खुद को लुटियन दिल्ली में सरकारी आवास का हकदार बताते हुए अपने सफ्दर जंग लेन स्थित बंगले का आवंटन बरकरार रखने का अनुरोध किया था।

निदेशालय ने उनके इस अनुरोध को तो स्वीकार कर लिया, लेकिन प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान उन्हें कार्यालयी उपयोग के लिए वीपी हाउस में आवंटित किया गया आवास खाली करने को कहा है। निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियमानुसार पूर्व प्रधानमंत्री सिर्फ एक ही सरकारी आवास (टाइप 7) के हकदार हैं। लिहाजा देवगौड़ा को दूसरा आवास छोड़ना होगा। (शेष पेज 9)

यूपी में बदल गया इमरजेंसी नंबर अब 100 नहीं 112 पर करें कॉल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मुख्यमंत्री योगी ने लांच किया 112 ऐप

नोएडा समेत पूरे यूपी में इमरजेंसी सेवा के लिए डायल 100 पर नहीं बल्कि 112 पर कॉल करना होगा। शनिवार से पूरे प्रदेश में पुलिस इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर 100 को 112 में परिवर्तित कर दिया गया।

दरअसल, दुनिया भर के करीब 80 देशों में इमरजेंसी सेवा के हेल्पलाइन नंबर के तौर पर 112 ही स्थापित है। ऐसे में भारत सरकार ने भी 112 नंबर को पूरे देश में पुलिस हेल्पलाइन नंबर के तौर पर स्थापित करने का फैसला लिया है। कई राज्यों में यह योजना लागू हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ से प्रदेश के सभी जिलों में इसकी शुरुआत कर दी।

बता दें कि यह योजना प्रदेश के 4 जिलों लखनऊ, कानपुर, मुजफ्फरनगर और कन्नौज में बीते एक हफ्ते से ट्रायल बेस पर चल रही थी। नोएडा एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि लोग 112 पर कॉल करके पुलिस के अलावा एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और जीवन रक्षक एजेंसियों की मदद ले सकेंगे।

इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ से इस सेवा का 112 इंडिया ऐप भी लॉन्च किया। इस सेवा से एंबुलेंस सेवा 108, महिला विमन पावर हेल्पलाइन 1090 और सीएम हेल्पलाइन को भी इंटीग्रेट किया जाएगा। 112 सेवा के माध्यम से पीड़ित को पीआरवी की एकदम सही लोकेशन मिलेगी। पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मी इस सेवा के माध्यम से की गई कॉल को क्लोज नहीं कर सकेंगे। संबंधित थाना प्रभारी को वह कॉल अपने स्तर पर क्लोज करनी होगी।

पुलिस अधिकारियों की मानें तो शनिवार से भले ही 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस हेल्पलाइन सेवा का शुभारंभ किया जा रहा है, लेकिन डायल 100 सेवा भी फिलहाल काम करती रहेगी। दरअसल नई सेवा के बारे में अभी व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ऐसी स्थिति में कुछ समय के लिए 100 नंबर को भी चालू रखा जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दुनिया के करीब 80 देशों में इमरजेंसी सेवा के लिए 112 नंबर प्रचलन में है। टेलीफोन के शुरुआती दौर में 112 नंबर डायल करने में सबसे कम समय लगता था।

गोबर से बने लक्ष्मी गणेश की बढ़ी मांग

नोएडा। दिवाली पूजन के लिए लोग गाय के गोबर से बनी लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां घर ला रहे हैं। ऐसा कर लोग दिवाली को ईको फ्रेंडली बनाने का संदेश दे रहे हैं। वहीं लोगों को यह प्रयास भी पसंद आ रहा है। जिसकी वजह से बाजार से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग ऐप पर भी गोबर से बनी लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की डिमांड बढ़ गई है।

इसके अलावा भी लोग चाइनीज मूर्तियों व दीयों के मुकाबले स्वदेशी मिट्टी से बने दीयों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस बार बाजार में यह नया प्रयोग है। वहीं स्थानीय स्तर पर कुम्हारों के द्वारा बनाए जा रहे स्वदेशी मिट्टी के दीयों व मूर्तियों को भी तवज्जो दी जा रही है। व्यापारियों की यह पहल लोगों को भी रास आ रही है।

प्रताप विहार स्थित ब्लूम पब्लिक स्कूल में दिवाली की पूर्व संध्या पर रंगोली बनाते छात्र।

बच्चों ने रंगोली से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

गाजियाबाद। प्रताप विहार स्थित ब्लूम पब्लिक स्कूल में दिवाली की पूर्व संध्या पर विशेष सभा आयोजित की गई। इस मौके पर बच्चों ने रंगोली बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

स्कूल के प्रबंधक यशवीर नागर ने कहा कि हमें दिवाली का त्योहार उत्सव के रूप में मनाना चाहिए, लेकिन आधुनिकता की चकाचौंध में बच्चे पटाखे फोड़कर प्रदूषण फैलाते हैं और उसे ही अपना स्टेटस सिबल मानते हैं। डायरेक्टर रितिन नागर ने दिवाली का त्योहार मनाने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रिंसिपल शकुंतला राय, सुषमा त्रिपाठी व नरेश शर्मा आदि रहे।

हथियारों के बल पर लुटेरे घर से ले गए नकदी और आभूषण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

विरोध पर परिवार को कर दिया कमरे में बंद

जिले के मिर्जापुर गांव में एक ठेकेदार के घर से शुक्रवार देर रात नौ लुटेरे हथियार के बल पर कथित रूप से पांच लाख रुपए से अधिक की नकदी और लाखों रुपए के आभूषण एवं मोबाइल फोन लूट ले गए। पुलिस उपाधीक्षक शरद चंद शर्मा ने बताया कि इस घटना की सूचना शनिवार तड़के पुलिस को मिली।

थाना खबूपुरा क्षेत्र के मिर्जापुर गांव के ठेकेदार सूरज पाल ने बताया कि हथियारों से लैस नौ बदमाश देर रात डेढ़ बजे के करीब उनके घर में घुस आए। उनका परिवार उस वक्त सोया हुआ था। उन्होंने बताया कि विरोध करने पर बदमाशों ने हथियार के बल पर उनके एवं उनके परिवार के अन्य लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया।

उन्होंने बताया कि बदमाश घर में रखी 5 लाख 20 हजार रुपए की नकदी, बड़ी मात्रा में आभूषण तथा मोबाइल फोन आदि लूट ले गए। घर वालों ने घटना की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है।

बीजेपी नेता सहित 5 पर एफआइआर दर्ज

नोएडा। सेक्टर-78 हाइट पार्क सोसाइटी में कुत्ते को जाल में बंद कर बेरहमी से पीटा गया। कुत्ते की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब मामले में सेक्टर 49 थाने में खुद को भाजपा नेता बताने वाले व्यक्ति सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीपुल्स फॉर एनिमल संस्था के पदाधिकारी की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है।

सेक्टर-78 में हाइट पार्क सोसाइटी में रहने वाले अभिषेक तिवारी खुद को भाजपा नेता बताते हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले सोसाइटी के व्हाट्सएप ग्रुप पर वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में एक कुत्ते को जाल में बंद कर पीटा जा रहा था।

खुले ट्रांसफार्मर की चपेट में आकर शतरंज कोच की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

तमाम शिकायतों के बाद भी विद्युत विभाग द्वारा खुले में रखे ट्रांसफार्मर पर सुरक्षा के बन्दोबस्त ना किए जाने का खामियाजा चैस खिलाड़ी और कोच राजकुमार को अपनी जान से हाथ धोकर चुकाना पड़ा है। शुक्रवार देर रात राजकुमार की ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों ने उनकी मौत के लिए विद्युत विभाग को दोषी ठहराते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ थाना कविनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मृतक राजकुमार

जानकारी के मुताबिक गोविंदपुरम के जी ब्लॉक में रहने वाले झारखंड के धनबाद जिले के 42 वर्षीय राजकुमार चैस के खिलाड़ी थे और यहां अपनी एकेडमी चलाते थे। शुक्रवार रात वह अपने घर की छत पर रखे सरिये को मजदूर की मदद से उतरवा रहे थे। इनके घर के पास ही 11केवीए का खुला ट्रांसफार्मर रखा हुआ है और उसमे विद्युत लाइन गुजर रही है। मजदूर रस्सी से बांधकर सरिये को नीचे उतार रहा था।

नीचे खड़े राजकुमार ने सरिये को एहतियातन पकड़ लिया था कि किसी के ऊपर गिर ना जाये। उसी दौरान मजदूर ने ऊपर से रस्सी छोड़ दी। जिससे सरिया झुक कर ट्रांसफार्मर से छू गया और उसे पकड़े खड़े राजकुमार उसकी चपेट में आ गए और करंट लगने से उनकी मौत हो गयी। उनको करंट की चपेट में आया देख वहां हड़कंप मच गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने रात डेढ़ बजे उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

सरेआम खेलने वाले जुआड़ी गिरफ्तार, नकदी व ताश की गड्डी बरामद

नोएडा। सेक्टर आठ के पास सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे 14 लोगों को पुलिस ने शुक्रवार रात को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने एक लाख से अधिक रुपए की नकदी बरामद की है। इसके अलावा सदरपुर कॉलोनी में भी दर्जन भर लोगों को शुक्रवार रात जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया।

थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह चौहान ने बताया कि शुक्रवार रात को गश्त पर निकली पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सेक्टर आठ के पास से सार्वजनिक जगह पर जुआ खेल रहे 14 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि उनके पास से पुलिस ने 1.08 लाख रुपए नकद, ताश की गड्डी आदि बरामद की है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग काफी दिनों से इस जगह पर जुआ खेल रहे थे।

बीमा कंपनी को निर्देश-महिला को दे ब्याज समेत 10 लाख रु

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

इलाज पर व्यय के भुगतान से किया था मना

निजी कंपनी से बीमा कराने के बाद भी इलाज के लिए कंपनी द्वारा भुगतान न देने पर एक महिला की बीमारी के दौरान गुर्दा प्रत्यारोपण न होने से मौत हो गई थी। इस मामले में जिला उपभोक्ता फोरम ने शुक्रवार को बीमा कंपनी को महिला के पति को ब्याज समेत दस लाख रुपये देने का आदेश दिया है।

दिल्ली के शक्ति नगर निवासी अमित कुमार अरोड़ा ने मई 2014 को एचडीएफसी इरगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ जिला उपभोक्ता फोरम में मामला दर्ज कराया था कि उन्होंने उक्त कंपनी से दस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कराया था। पालिसी की नियम व शर्तों के अनुसार पति-पत्नी व परिवार के किसी भी सदस्य के बीमार होने की स्थिति में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए पूरा भुगतान कंपनी की तरफ से किया जाएगा। पीड़ित का आरोप है कि उनकी पत्नी साक्षी अरोड़ा का गुर्दा खराब होने पर उन्होंने उसको नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि जब उन्होंने पत्नी के इलाज में खर्च रकम के क्लेम के लिए कंपनी के अधिकारियों से धनराशि की मांग की तो कंपनी ने भुगतान नहीं किया, जिसके चलते उनकी पत्नी की मौत हो गई।

सुनवाई के दौरान कंपनी को दोषी पाया गया। जिला उपभोक्ता फोरम ने कंपनी को आदेश दिया कि पीड़ित को तीस दिन के अंदर दस लाख रुपये दस फीसद साधारण ब्याज के साथ भुगतान करना होगा।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

ध्यान दें!

पटाखों की बिक्री तथा उपयोग के लिए
माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देश

- परिसरों में पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा निर्धारित एवं अनुमोदित सेफ वाटर एंड एयर स्प्रिंकलर्स (एसडब्ल्यूएएस) के अनुसार कम प्रदूषण वाले पटाखों (उन्नत पटाखे) और कम धुआँ छोड़ने वाले हरित पटाखों के अतिरिक्त किसी भी अन्य प्रकार के पटाखे नहीं बेचे जायेंगे।
- प्रतिबंधित/अस्वीकृत पटाखों की श्रेणियां
  - जुड़े हुए पटाखे (सीरीज पटाखे या लड़ियां)
  - बेरियम साल्ट्स/लिथियम/आर्सेनिक/एंटीमॉनी/सीसा/पारा से युक्त पटाखे
  - माननीय उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त आदेश के अनुसार प्रतिबंधित पूर्व में निर्मित पटाखे
- केवल वैसे पटाखों को बेचने की अनुमति है जिसकी डेसीबल (ध्वनि) स्वीकृत सीमा (फटने के स्थान से 4 मीटर पर 125 डेसीबल (एआई) या 145 डेसीबल (सी) पीके) के अंदर हो।
- साइलेंस जोन में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं: अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, न्यायालयों, धार्मिक स्थलों से न्यूनतम 100 मीटर का दायरा साइलेंस जोन में शामिल है या कोई अन्य क्षेत्र जिसे सक्षम प्राधिकरण ने साइलेंस जोन घोषित किया है।
- माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पटाखे चलाने का समय:

रात 08:00 बजे से 10:00 बजे तक — दिवाली के दिन
प्रात: 04:00 बजे से 05:00 बजे तक
रात 09:00 बजे से 10:00 बजे तक — गुरपुरब के दिन
रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक — क्रिसमस एवं नव वर्ष की पूर्व संध्या

- सामूहिक रूप से पटाखे यथासम्भव पूर्व-चिन्हित क्षेत्रों/स्थानों पर चलाये जा सकते हैं।

सभी संबंधित व्यक्ति इसका ध्यान रखें और पालन करें

दिल्ली पुलिस की ओर से
आप सभी को दिवाली की शुभकामनायें

DP/9166/19

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

प्रहरी

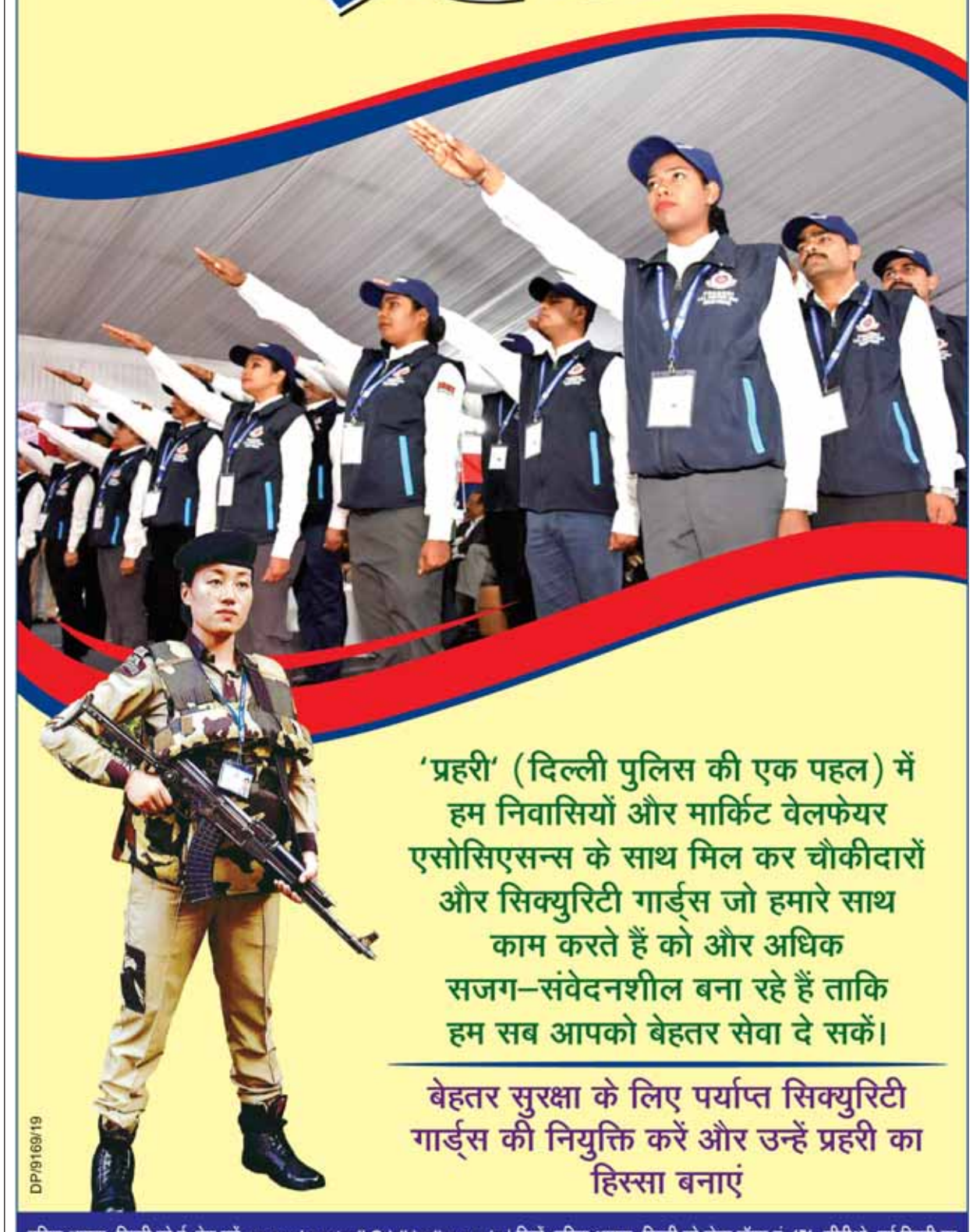

'प्रहरी' (दिल्ली पुलिस की एक पहल) में हम निवासियों और मार्किट वेलफेयर एसोसिएसन्स के साथ मिल कर चौकीदारों और सिक्युरिटी गार्ड्स जो हमारे साथ काम करते हैं को और अधिक सजग-संवेदनशील बना रहे हैं ताकि हम सब आपको बेहतर सेवा दे सकें।

बेहतर सुरक्षा के लिए पर्याप्त सिक्युरिटी गार्ड्स की नियुक्ति करें और उन्हें प्रहरी का हिस्सा बनाएं

DP/9169/19

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in | लिखें: पुलिस आयुक्त, दिल्ली को पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 नंबर पर कॉल करें
पुलिस को सूचना देने के लिए 1090 पर कॉल करें

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 27 अक्टूबर 2019

सेंट्रल पार्क में दिवाली की धूम, उमड़ी भीड़

पटाखे जलाना छोड़कर लेजर शो देखने पहुंचे दिल्ली वाले, देर रात तक मेले जैसा माहौल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कई दिन से सज-संवर रहे कनॉट प्लेस की रौनक शनिवार को देखते बन रही थी। गीत, संगीत, मेला, बच्चों का झूला, विदेशी तर्ज पर पेड़ों, सड़कों और इमारतों की सजावट मन मोह रही थी। शाम होते होते सेंट्रल पार्क फुल हो गया और शुरू हुआ दिल्ली का पहला अनोखा दिवाली मेला।

दिवाली मेले के पहले दिन पटाखे त्यागकर बड़ी संख्या में लोग लेजर शो देखने पहुंचे। सिंगर जावेद अली के गीतों के साथ अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांध दिया। कनॉट प्लेस में प्रदूषण मुक्त दिवाली का यह कार्यक्रम चार दिन तक चलेगा। हर रोज शाम 6 बजे के बाद यहां एक-एक घंटे के अंतराल पर लेजर शो होगा।

साथ ही कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। आउटर और इनर सर्कल में आने-जाने के लिए भव्य गेट बनाए हैं। सजावट ऐसी की विदेश में होने का अनुभव हो।

पूरे इलाके को रंगीन रोशनी से सजाया गया है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट के भी व्यापक इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम के पहले दिन शाम चार बजे से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। छह बजते-बजे वहां मेले जैसा माहौल बन चुका था। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मेले का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत दिल्ली के मंत्री और विधायक अपने परिवार के सदस्यों के साथ पहुंचे। नेताओं के साथ आम लोगों में भी जबरदस्त उत्साह रहा। मेला देखने आए कई लोगों ने बताया कि यह शानदार है।

कृष्णा नगर के राजीव पूरे परिवार के साथ पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि यह अनोखा कार्यक्रम है। बच्चे बेहद खुश हैं, उन्हें पटाखे याद ही नहीं आ रहे। सीलमपुर के राशिद ने बताया कि आज वह अकेले आए हैं, लेकिन कल परिवार को घुमाने लाएंगे।

कार्यक्रम में प्रवेश हर किसी के लिए बिल्कुल मुफ्त है। इसलिए आम लोगों का जुड़ाव बना है। फूड कोर्ट, खरीदारी के लिए नए-नए आईटम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चों के खेलने के लिए पर्याप्त चीजें हैं।

गाड़ियों पर पाबंदी का विरोध कर रहे व्यापारियों ने खोलीं दुकानें

दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित किए जा रहे इस भव्य कार्यक्रम का विरोध कर रहे स्थानीय व्यापारियों का रवैया शनिवार को कुछ नरम रहा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान दुकानें खोले रखने का निर्णय लिया है। नई दिल्ली, ट्रेडर्स एसोसिएशन ने शनिवार को कहा कि शाम को पूजन और अन्य वजहों से कारोबारी अपनी दुकानें खोलेंगे। यह फैसला अगले नोटिस तक लागू रहेगा। हालांकि, एसोसिएशन के सदस्य रविवार शाम छह बजे सी ब्लॉक में जुटेंगे और अपना विरोध दर्ज कराएंगे। पहले इस कार्यक्रम के खिलाफ दुकानें बंद रखकर प्रदर्शन का फैसला लिया गया था। उनका कहना था कि कनॉट प्लेस कारोबारी स्थल है न कि मेला ग्राउंड। उन्होंने यह भी कहा कि कनॉट प्लेस में वाहनों की आवाजाही न रोकी जाए। प्रदूषण मुक्त दिवाली का वे स्वागत करते हैं लेकिन इस कार्यक्रम की वजह से यहां भारी भीड़ तो जुटेगी लेकिन जाम और अव्यवस्था के चलते उनके कारोबार पर असर पड़ने की आशंका है।

दिवाली के मद्देनजर दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था चौकस

नई दिल्ली। दिवाली के मद्देनजर दिल्ली के बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को उनके इलाकों में आतंकवाद रोधी उपायों को मजबूत बनाने का निर्देश दिया है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) जसमीत सिंह ने कहा, गाजीपुर बाजार में भारी चहल-पहल के चलते अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है। सादी वर्दी में अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव के अनुसार पुलिस आयुक्तों और अतिरिक्त पुलिस आयुक्तों समेत दक्षिणी दिल्ली के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने जिले में गश्त शुरू कर दी है। बाजारों और अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की मौजूदगी पहले ही बढ़ाई जा चुकी है। रिहायशी इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ा दी गई है और उनकी फुटेज पर पैनी नजर रखी जा रही है।

सुरक्षा गार्डों ने दो लोगों को मौत के घाट उतारा, पकड़े गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के स्वरूप नगर में दो सुरक्षा गार्डों ने हाथापाई के बाद दो व्यक्तियों की कथित रूप से हत्या कर दी। मृतकों की पहचान सुनील (25) और रवि कुमार (29) के रूप में हुई है। यह घटना शुक्रवार को एक स्कूल के पास एक निर्माण स्थल पर हुई।

पुलिस के अनुसार रवि के पिता राम सिंह एक मकान का निर्माण कर रहे थे और सुरक्षा गार्ड जय कुमार (27) और धर्मेंद्र निर्माण स्थल पर तैनात थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को रवि शराब के नशे में निर्माण स्थल पर पहुंचा और धर्मेंद्र से उसका विवाद शुरू हो गया। हाथापाई के बाद धर्मेंद्र ने जय को मदद के लिए बुलाया जबकि रवि ने अपने परिचित सुनील को फोन किया। बाद में चारों के बीच जमकर मारपीट हुई।

राम सिंह अपने दूसरे बेटे शशि के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बाताया कि जय और धर्मेंद्र ने रवि और सुनील पर चाकू से हमला किया।

कुतुबगढ़ में गोलीबारी तीन लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। कुतुबगढ़ इलाके से दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने गोलीबारी के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि तीनों आदमी कथित तौर पर दो व्यापारियों को मारने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सचिन, विशाल और प्रवेश के रूप में हुई है। तीनों आरोपी गोगी गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस ने अनुसार तीन आरोपियों में से दो के हाथ और पैर में गोली लगी है।

पुलिस उपायुक्त (बाह्य उत्तर) गौरव शर्मा ने कहा कि सुनील की मौके पर ही मौत हो गई। घायल रवि को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

जय कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है और उसका साथी फरार हो गया। उसे पकड़ने के लिए पुलिस टीमें तैनात की गई हैं।

पटाखों पर रोक, फिर भी अधिक फायरकर्मी तैनात

नई दिल्ली। राजधानी में पटाखे छोड़ने पर प्रतिबंध के बावजूद अग्निशमन विभाग ने दिवाली के मद्देनजर पुख्ता तैयारी की है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए शहर के विभिन्न इलाकों में 2000 कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

आग लगने संबंधी किसी भी सूचना को दर्ज करने के लिए कंट्रोल रूम में 25 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। एक वरिष्ठ अग्निशमन अधिकारी के मुताबिक विभाग की आग बुझाने की सभी गाड़ियों की मरम्मत की गई है। मौके पर धोखा न दे जाएं, इसलिए अच्छी तरह उनका परीक्षण कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार पिछली दिवाली पर 15,00 कर्मचारी तैनात किए गए है। इस बार 500 ज्यादा कर्मचारी ड्यूटी पर लगाए हैं।

चीनी लाइट व महंगाई से फीका पड़ा कुम्हारों का त्योहार

प्रमुख बाजारों कुम्हार ग्राम, हौजरानी, सरोजनी नगर में मिट्टी के दीयों की मांग घटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महंगाई और सस्ती चीनी लाइट की वजह से कुम्हारों की दिवाली बेहद फीकी हो गई। उनका कारोबार उम्मीद के मुताबिक चल ही नहीं पाया। राजधानी के उत्तम नगर स्थित मशहूर कुम्हार ग्राम में दिवाली की रौनक दिखाई नहीं दे रही है। मिट्टी के दीये-बर्तन बेचने वालों के चेहरे मुरझाए हैं। यहां कुम्हार परिवार दिवाली से पहले पूरी तैयारी में थे और वे इस त्यौहारी सीजन में होने वाली बिक्री का लाभ उठाना चाहते थे लेकिन इस बार कारोबार कमजोर है।

कॉलोनी में तीसरी पीढ़ी के कुम्हार 52 वर्षीय हरिओम इसके लिए महंगाई को जिम्मेदार ठहराते हैं। हरिओम कहते हैं कि दीयों की कीमत बढ़ने से ग्राहक सस्ती चीनी लाइट अधिक पसंद कर रहे हैं। उन्होंने 2,000 दीयों के ऑर्डर की पुष्टि करने के बाद कहा कि हमें होली और दिवाली के दौरान अच्छा कारोबार मिलता था लेकिन पिछले साल से बिक्री में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है और ग्राहक चीनी लाइट जैसे सस्ते विकल्प पसंद करते हैं।

हरिओम का परिवार कुम्हार ग्राम में रहने वाले 700 परिवारों में से एक है। इन परिवारों में से अधिकांश मूल रूप से हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के गांवों से ताल्लुक रखते हैं। वर्ष के बाकी समय में ये लोग मिट्टी के घड़े, बर्तन, फव्वारे और अन्य सजावटी सामान बेचते हैं लेकिन इनकी आय बहुत कम है।

कुम्हार ग्राम के एक अन्य कुम्हार दीपक कुमार भी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्षरत हैं और परिवार में कई सदस्य हैं जिनका भरण पोषण करना है लेकिन आमदनी बहुत कम है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र 18 वर्षीय दीपक कुमार कहते हैं कि किसी सजावटी सामान के निर्माण में करीब 70 रुपए की लागत आती है और हम उसे 100 रुपए में बेचते हैं। चूंकि परिवार के सभी आठ सदस्य यह काम करते हैं, इसलिए लाभ के नाम पर बहुत अधिक नहीं बचता। त्योहार के सीजन में मिट्टी के उत्पादों के अन्य बाजार जो रौनक होते हैं, उनमें मालवीय नगर में हौज रानी बाजार और सरोजनी नगर में मटका बाजार शामिल है। इन बाजारों में भी ग्राहकों की संख्या कम है।

इन कुम्हारों से लोग फुटकर में मिट्टी के बरतन खरीदते हैं, लेकिन मुख्य रूप से रेहड़ी वाले इनसे मिट्टी के बने सामान बड़े पैमाने पर ले जाते हैं जो आवासीय इलाकों में जा कर बेचते हैं। थोक खरीदारी में भी काफी गिरावट दर्ज की गई है। कुम्हार और विक्रेता दोनों के दावे हैं कि नगर निगमों द्वारा शहर में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए जाने से फेरीवालों के लिए इन उत्पादों को बेचना मुश्किल हो गया है।

छठ घाटों की सफाई को लेकर मनोज तिवारी ने तीनों निगमों को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने छठ पूजा के दौरान छठ घाटों एवं रास्तों पर विशेष सफाई व्यवस्था एवं मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने के लिए तीनों निगमों के महापौर को पत्र लिखा है।

उन्होंने छठ घाटों के आसपास सफाई व्यवस्था एवं घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों पर सफाई व्यवस्था के साथ-साथ मरम्मत कार्य को छठ पूजा से पहले पूरा करने की बात कही है। तिवारी ने कहा कि दिल्ली में 40 लाख से अधिक श्रद्धालु छठ व्रत रखकर आराध्य देव भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करते हैं और इस दौरान यमुना नदी के साथ-साथ डीडीए सहित तमाम विभागों के पार को खाली पड़ी जमीनों तालाबों में छठ घाट बनाए जाते हैं जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

कई व्रत धारी घर से छठ घाट तक दंडवत करते हुए पहुंचते हैं, जिनकी अटूट श्रद्धा और विश्वास की पवित्रता बनाए रखने के लिए दिल्ली के तीनों नगर निगम हर वर्ष अपना विशेष योगदान देते हैं इसलिए इस बार भी उस क्रम को जारी रखते हुए हर वर्ष से बेहतर व्यवस्था देने के लिए तीनों निगमों को पत्र लिखा गया है। उन्होंने बताया कि दीपावली के बाद वह स्वयं घाटों पर जाकर छठ पर्व की तैयारियों का जायजा लेंगे और सांकेतिक श्रमदान कर कार्य में लगे निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करेंगे।

बाबर रोड पर अधेड़ ने पेड़ से लटककर दी जान

नई दिल्ली। बंगाली मार्केट इलाके में बाबर रोड पर 50 वर्षीय एक व्यक्ति ने पेड़ से लटककर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान बसंत लाल के तौर पर हुई है। वह प्रगति मैदान में किसी निर्माण स्थल पर मजदूरी का काम करता था।

शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे पुलिस को घटना की सूचना मिली। पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारी बताया, बाबर रोड पर एक व्यक्ति को पेड़ से लटका पाया गया। उसने कथित रूप से आत्महत्या की है। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा कि मृतक के परिजन ने पुलिस को बताया कि लाल कुछ समय से अवसाद में था। पोस्टमॉर्टम कर शव को परिवार के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

पेंशन न मिलने से 700 घरों में नहीं मनेगी दीपावली

शनिवार को सैकड़ों पेंशनधारकों को डाकघर से बैरंग लौटना पड़ा

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

शनिवार को सोहना के डाकघर परिसर में पेंशन लेने के लिए लाइन में लगीं महिलाएं।

शहर में रहने वाले वृद्धा और विधवा पेंशनधारक 700 घरों में इस बार दीवाली नहीं मनाई जाएगी। पिछले दस दिनों से डाकघर के चक्कर लगाने के बावजूद पेंशन नहीं मिल सकी। शनिवार को सैकड़ों पेंशनधारकों को डाकघर से बैरंग लौटना पड़ा। सोहना के मुख्य डाकघर में पिछले 15 दिनों से चल रहा वृद्ध-विधवा पेंशन वितरण का कार्य पूरा नहीं हो सका। जबकि स्थानीय डाकघर में करीब 2500 पेंशनधारकों को पेंशन मिलती है। पेंशनधारक पोस्टमास्टर पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं। एक दिन में सिर्फ 100 से 150 पेंशनधारकों को ही पेंशन बांटने का कार्य किया गया।

सोहना के वार्ड-6 निवासी 70 वर्षीय चन्द्रा ने बताया कि वह 15 दिन से अस्पताल में उपचाराधीन है। उसने पोस्टमास्टर से फोन करके पेंशन अस्पताल में ही भिजवाने का कहा था। क्योकि उसे उपचार के लिए बहुत जरूरत है। वह अब दो दिन की छुट्टी लेकर अस्पताल से घर आई है, लेकिन आज पेंशन देने से इंकार कर रहे हैं। जबकि वह बीमारी की हालात में अभी भी है। रामचन्द्र सैनी का कहना है कि वह पिछले आठ दिन से डाकघर के चक्कर लगा रहा है। उसे पेंशन नहीं मिली है। जोकि डाकघर मास्टर अपनी मनमर्जी से पेंशनधारकों की कापियां ले कर चुपके से पेंशन घर पहुंचा रहा है।

क्या कहना है पोस्टमास्टर का

डाकघर पोस्टमास्टर लक्ष्मण सिंह का कहना है कि शनिवार को बैंक बंद होने के कारण पैसे निकल नहीं पाए है। अब करीब 700 पेंशनधारकों को दीवाली के बाद पेंशन वितरण की जाएगी।

दीपावली आनंद मेला एवं सांझी उत्सव आयोजित

गुरुग्राम। प्रदेश की संस्कृति व सभ्यता के प्रचार-प्रसार में जुटी सामाजिक संस्था संस्कार भारती की उत्तर एवं पश्चिम इकाई द्वारा शीतला कालोनी स्थित टू विजन पब्लिक स्कूल में दीपावली आनंद मेला एवं सांझी उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया।

संस्था के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य अतिथि नगर निगम की वरिष्ठ उप महापौर प्रमिला कबलाना व अनुराग बख्शी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कलाकारों ने गणेश वंदना पर सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति भी दी। बच्चों द्वारा तैयार की गई सांझी, दीप सज्जा, रंगोली एवं दीपावली निमत्रण कार्ड प्रदर्शनी का कार्यक्रम में शामिल लोगों ने काफी सराहना की। गायिका भूमिका व डॉली द्वारा प्रस्तुत गीतों पर दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। अतिथियों ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के जोगेंद्र, शैलेंद्र, सीमा शर्मा, मनोज, राम बहादुर, ज्योति, हरित, अनिल शर्मा और सचिन पाल आदि का सहयोग रहा।

दीपावली पर गेंदे के फूलों की कीमतों में उछाल

गुरुग्राम। दीपावली से संबंधित पांचों पर्वों पर फूलों का विशेष महत्व होता है। धनतेरस हो या फिर छोटी दीपावली, बड़ी दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज व विश्वकर्मा पूजा में फूलों की मांग बहुत अधिक बढ़ जाती है।

यहां के फर्रुखनगर, पटौदी, हेलीमंडी आदि क्षेत्रों में फूलों की खेती बड़े स्तर पर की जाती है। किसान इन पर्वों का काफी बेसब्री से इंतजार करते हैं। क्योंकि इन्हीं पर्वों पर वे अपने फूलों को शहर में ले जाकर उनकी बिक्री करते हैं। शहर के महावीर चौक, सेक्टर 4/7 चौक, न्यू कॉलोनी मोड़, भूतेश्वर मंदिर, डीएलएफ, साऊथ सिटी, पालम विहार आदि दर्जनों क्षेत्रों में फूलों की

शनिवार को 150 रुपये प्रति किलो तक बिके गेंदे के फूल

बिक्री होती दिखाई दी। सामान्य रूप से आम दिनों में गेंदे के फूलों की बिक्री 40 से 50 रुपये प्रतिकिलो होती रही है, लेकिन त्योहारों पर गेंदे के फूलों की दरों में भी भारी वृद्धि होती दिखाई दी। 100 रुपये से 150 रुपये प्रतिकिलो की दर से गेंदे के फूलों की बिक्री हुई। खरीदारों का उत्साह देखते ही बनता था। फूलों की वृद्धि भी लोगों की धार्मिक भावनाओं को नहीं रोक सकी। फूल उत्पादकों का कहना है कि बढ़ती महंगाई का असर फूलों की खेती पर भी पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

युवक की हत्या का प्रयास करने का आरोपी बरी

गुरुग्राम। युवक को जान से मारने के प्रयास के मामले की सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमएम धींचक की अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के अभाव में आरोपी को बरी कर दिया है। जानकारी के अनुसार सात जुलाई 2018 को शक्ति नगर स्थित झुग्गी के परमजीत ने शिवाजी नगर थाना पुलिस को बयान दर्ज कराए थे कि बीती देर रात वह पड़ोस के ही सागर उर्फ रमन के साथ बैठ कर शराब का सेवन कर रहा था। दोनों में कहासुनी हो गई, जिस पर सागर ने उस पर गोली चला दी। जो नाक को छूती हुई निकल गई। वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। रमन गोली चलाकर फरार हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले गए, जहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रैफर कर दिया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध होना न पाते हुए अदालत ने आरोपी को बरी कर दिया है।

रंगोली बनाकर छात्राओं ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

गुरुग्राम। पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के लिए सामाजिक व शिक्षण संस्थाएं पर्यावरण जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश देती आ रही हैं। इसी क्रम में मदनपुरी स्थित रॉयल पब्लिक स्कूल में प्रकृति संरक्षण पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुई। संस्था के प्रधानाचार्य नरेश गुलाटी ने बताया कि छात्राओं ने प्रकृति से संबंधित विभिन्न रंगोली बनाई, जिसमें पौधारोपण, जीव-जंतु संरक्षण के अलावा भगवान श्रीकृष्ण, मां सरस्वती, गणेश आदि की शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के अतिरिक्त निदेशक एसएस मलिक कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली का अवलोकन भी किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन भी किया। वरिष्ठ वर्ग में प्रेरणा, पूजा, खुशी, लवली और कनिष्ठ वर्ग में स्वेता, ऋचा, कोमल, आंचल ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ममता बतरा, प्रियंका आदि शिक्षिकाओं का बड़ा सहयोग रहा।

संदिग्ध हालात में 45 वर्षीय महिला लापता

सोहना। भोंडसी की कृष्णा कुंज कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय महिला नौ दिन पहले संदिग्ध हालात में लापता हो गई। उसका अभी तक कहीं कोई सुराग नहीं मिला। बिहार के समस्तीपुर मूलनिवासी सुरेश राय पुत्र मोहनराय ने अपनी संदिग्ध हालत में लापता हुई 45 वर्षीय पत्नी की भोंडसी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। सुरेश राय ने पुलिस को बताया कि वह हाल में भोंडसी की कृष्णा कुंज कॉलोनी में अपने दो बेटे और पत्नी के साथ रह रहा है। उसकी पत्नी 17 अक्टूबर को जानकार अनुज के साथ घर से बाजार सामान लेने के लिए गई थी। जो आज तक वापस नहीं आई है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी है।

दीपावली को लेकर बाजारों में भीड़, पुलिस अलर्ट

गुरुग्राम। दीपावली उत्सव पर पिछले पांच दिनों से शहर के मुख्य सदर बाजार, सोहना चौक, जैकबपुरा, ओल्ड व न्यू रेलवे रोड स्थित बाजारों सहित शहर के एमजी रोड स्थित दर्जनभर शॉपिंग मॉल्स में लोगों की भीड़ खूब है। शनिवार को भी इन बाजारों व मॉल्स में भारी भीड़ दिखाई दी। इस पर्व पर सुरक्षा को लेकर पुलिस भी अलर्ट पर है। हर जगह पर निगरानी की जा रही है। दीपावली का पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को सजाया हुआ है। शहर के सभी ज्वेलर्स के यहां भी ज्वेलरी खरीदने वालों का तांता लगा रहा। मिठाइयां व ड्राई फ्रूट्स की दुकानों पर भी खरीदारों की भारी भीड़ दिखाई दी। शहर के मंदिरों में भी दीपावली के अवसर पर खूब चहल पहल दिखाई दे रही है। मंदिरों को ही नहीं अपितु गुरुद्वारों को भी दुल्हन को तरह सजाया गया है। मंदिरों में पूजा-अर्चना करने वालों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। उधर पुलिस प्रशासन ने भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हुए हैं। शहर के मुख्य सदर बाजार सहित सार्वजनिक स्थानों पर भी पुलिस की पीसीआर तैनात की गई है। पुलिसकर्मियों को भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किया गया है, ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके। सिविल अस्पताल में भी चिकित्सकों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, ताकि आग से झुलसे मरीजों का ईलाज किया जा सके। बम-पटाखों पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगाई हुई है और जिला प्रशासन भी अदालत के आदेश का पालन कराने के लिए प्रयासरत दिखाई दे रहा है।

हनुमान के गुणों का करना चाहिए अपने जीवन में आत्मसात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हनुमान जी की पूजा करते समय श्रद्धालु उनकी स्तुति में उनके गुणों का स्मरण तो करते हैं लेकिन उनके गुणों को अपनाने का प्रयास नहीं करते। हनुमान के भक्त इधर-उधर की व्यर्थ पूजाओं में क्यों भटक रहे हैं। यह बात तपोवन हरिद्वार के गीता ज्ञानेश्वर डा. स्वामी दिव्यानंद महाराज ने हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में ज्योति पार्क स्थित श्रीगीता आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में प्रवचन करते हुये कही।

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या है कि हमारे धर्म गुरु हमें डराए जा रहे हैं। हनुमान जी बड़े महत्वपूर्ण देव हैं, वह स्वयं हर क्षेत्र में विद्यमान हैं। उनकी पूजा अर्चना कर हमें लौकिक व अलौकिक दोनों प्रकार से जीवन का उत्थान करना है। उन्होंने कहा कि हनुमान कथा को सुनना-सुनाना उनके गुणों को प्रकट कर अपने जीवन में आत्मसात कर लेना है। वैदिक पूजा पद्धति के रुप में हमें उनके समक्ष धूपबत्ती, पुष्प व नैवेद्य के द्वारा पूजा अर्चना करनी चाहिए, किंतु इतना ही कर लेना अधूरी पूजा होती है। स्वयं प्रभू श्रीराम ने अवध के उद्यान में महर्षि अगस्त्य से हनुमान कथा का श्रवण किया, ताकि उनके गुणों को अवध के नागरिक धारण करें और सही रुप में रामराज्य की प्रतिष्ठा हो। क्योंकि रामराज्य की प्रतिष्ठा केवल संपत्ति और सुविधा प्राप्त करना नहीं, अपितु सदगुणों को जीवन में धारण कर लेने से होती है। कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्ति व क्षेत्र की महिला, पुरुष, बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए।

राजन नंदा की स्मृति में पांच रक्तदान शिविर आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एस्कॉर्ट्स औद्योगिक समूह ने अपने पूर्व चेयरमैन स्व. राजन नंदा के जन्म दिवस पर उनकी स्मृति में पांच रक्तदान शिविरों का आयोजन किया, जिनमें कुल 778 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

प्रथम शिविर का चेयरमैन निखिल नंदा द्वारा कॉरपोरेट सेंटर में किया गया। इसके बाद आरईडी प्लांट, प्लांट दो और तीन, सेक्टर 58 स्थित ईसीईएल तथा कंपोनेंट प्लांट में शिविर लगाए गए। ग्रुप हैड (ईआर) बीएस डागर ने कहा कि इस प्रकार के कैंप भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर लगाए जाएंगे। सभी कैंप में प्रोजेक्ट निदेशक डॉ. एससी अग्रवाल ने उचित मार्गदर्शन किया। सभी ने शिविर में रोटरी ब्लड बैंक के सहयोग की प्रशंसा की। रोटरी ब्लड बैंक के पूर्व प्रधान एवं रोटरी जिला 3011 के रक्तदान चेयरमैन एचएल भूटानी ने एस्कॉर्ट्स समूह की रक्तदान शिविर की मुहिम की प्रशंसा करते हुए आशा वयक्त की कि यह समूह भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर बिपिन शर्मा, मनोज जैन, मुदित भान, एससी त्यागी, गुलाब सैनी, अरुण कुमार, डॉ. मुकेश मेहरा, राघवेंद्र सिंह, मुदित भान, मीनाक्षी अरोड़ा, संगीता अरोड़ा आदि ने भागेदारी निभाई।

गुरुग्राम में धूमधाम से मनाई छोटी दीपावली

गुरुग्राम। दीपावली पर्व को लेकर शहरी ही नहीं, अपितु ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह दिखाई दे रहा है। शनिवार को छोटी दीपावली यानि कि नरक चतुर्दशी का पर्व लोगों ने धूमधाम से मनाया। मान्यता है कि इस दिन घरों में यमराज की पूजा की जाती है। छोटी दीपावली पर सायं के समय लोगों ने अपने घरों के बाहर दीये जलाकर रखे, जिन्हें यम का दीपक कहा जाता है।

कहा जाता है कि यमराज के लिए तेल का दीपक जलाने से अकाल मृत्यु भी टल जाती है। छोटी दीपावली को सौन्दर्य और आयु प्राप्ति का दिन भी माना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण, यमराज और शुक्र विग्रह की उपासना भी लोगों द्वारा की गई। आज के दिन ही भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी नरकासुर का संहार कर 16 हजार 100 कन्याओं को बंदी गृह से मुक्त कराया था।

दीपावली मिलन में श्याम प्रेमियों ने खूब किया मनोरंजन

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

लैमन रेस में भाग लेतीं श्याम प्रेमी प्रतिभागी।

समस्त श्याम प्रेमी परिवार कुरुक्षेत्र द्वारा निजी होटल में दीवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। श्याम प्रेमी अजय गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के अलावा अन्य शहरों से भी श्याम प्रेमी परिवार सहित पहुंचे। इस दौरान सभी श्याम प्रेमियों का आपसी परिचय कराया।

साथ ही कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए महिला व पुरुषों की अलग-अलग नृत्य प्रतियोगिता भी करवाई गई। यही नहीं, लैमन रेस, सैक रेस, बैंगल अरेंज, कैंडल लिट और कपल डांस भी कराया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। जिन प्रतिभागियों ने इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से मना किया, उन्हें दंड भी दिया। दंड स्वरूप उन्हें पशु-पक्षियों की आवाज निकालने के साथ-साथ बड़ी हस्तियों की नकल भी उतारनी पड़ी। प्रतियोगिता के बीच-बीच में जलपान चलता रहा। सभी श्याम प्रेमियों ने दीवाली की शुभकामनाएं एक-दूसरे को देकर उपहार भी भेंट किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम समापन पर यादगारी चित्र खिंचवाया और प्रीति भोज दिया गया।

कार्यक्रम में श्याम प्रेमी अरुण गोयल, दिनेश गोयल, पवन शर्मा, सुरेंद्र काठपाल, मनीष अग्रवाल, पियांशु तायल, मोहित तायल, अशोक आश्री, पंकज सिंगला, अनिल मित्तल, सतपाल बंसल, सुमित गोयल, गौरव गुप्ता, योगेंद्र अग्रवाल, शुभम, साहिल, हर्ष गोयल, प्रथम गोयल, संजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं।

वात्सल्य वाटिका में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

विद्यार्थियों ने बनाई आकर्षक रंगोली

शहर की वात्सल्य वाटिका में दीपों का पर्व शनिवार को धूमधाम से मनाया। आश्रम संचालक स्वामी हरिओम दास परिव्राजक के सांनिध्य में विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोली बना कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्वामी दास ने कहा कि दिवाली खुशियों का पर्व है, इसे आपसी प्रेम प्यार से मनाना चाहिए।

प्रदूषण मुक्त व बिना पटाखों के ही दिवाली मनाएं। हमें अपने देश में बने सामान का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीवाली हिंदू धर्म का सबसे बड़ा त्योहार होता है और यह पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। इस पर्व पर भगवान लक्ष्मी गणेश की पूजन व पूजा अर्चना की जाती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि यह त्योहार रोशनी का पर्व है इस दिन लोग अपने घरों व संस्थानों के बाहर रात के समय दिये आदि जलाते हैं। रंगोली प्रतियोगिता में छात्र मोनू, गोलू, अजय, चांद और सोनू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस मौके पर संत राजिंद्र सिंह, प्रशांत अरोड़ा सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

यह जीत जनता को समर्पित, सेवा में नहीं छोड़ूंगा कमी : सुधीर सिंगला

विधायक सुधीर सिंगला ने दी दीपावली की बधाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की नीतियों पर जनता ने जो भाजपा को समर्थन दिया है, उसके लिए दिल से बधाई। अपनी इस जीत को वे जनता को समर्पित करते हैं। विकास के मामले में वे कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की दोबारा से सरकारें बनी हैं। इसलिए विकास और भी रिकॉर्ड तोड़ व तेजी से होंगे।

सुधीर सिंगला ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से जो पिछले कार्यकाल में विकास के कार्य कराये हैं, गुरुग्राम की जनता ने उन पर मुहर लगाते हुये फिर से बीजेपी को यहां से चुना है। देश में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनी तो विकास और भी तेज गति से हुये। अब प्रदेश में भी मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में फिर से सरकार बनने जा रही है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने जनता द्वारा दिये गये समर्थन पर कहा कि जनता ने भरपूर समर्थन दिया है। अपनी जीत की और दीपावली पर्व की गुरुग्रामवासियों को बधाई देते हुये सुधीर सिंगला ने कहा कि विधानसभा के चुनाव में गुड़गांव की जनता ने उन्हें पूर्ण समर्थन दिया है। हर संस्था, हर सांस्कृतिक मंच, हर सामाजिक दल समेत पूरी जनता ने उन्हें चुनाव प्रचार से लेकर मतदान में अपनी पूरी जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। यह अपने आप में बड़ी बात है। चाहे स्थानीय निवासियों की बात हो या फिर परदेस से आकर यहां रह रहे मतदाताओं की, प्रचार में पूर्ण समर्थन देकर जो आशीर्वाद उन्हें दिया, वह ईवीएम से साबित हो गया। बेशक विरोधियों ने कुछ भी प्रचार किया हो, लेकिन गुरुग्राम की जनता ने विकास के मुद्दे पर अपना वोट दिया और विरोधियों को करारा जवाब दिया। सुधीर सिंगला ने आम जनता के साथ बीजेपी के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद हुये कहा कि उनकी जमीन पर मेहनत के बिना भी यह जीत संभव नहीं थी। चुनाव के आखिरी दौर में आकर हर किसी ने चुनाव में मदद शुरू की। रूठे हुओं को मनाकर उन्होंने चुनाव की कमान सौंपी और सभी ने मिलकर पार्टी हित में काम किया। उन्होंने कहा कि यह उन नेताओं, कार्यकर्ताओं की मेहनत का भी परिणाम है कि गुरुग्राम से बीजेपी ने जीत दर्ज की है। अगर वे मेहनत नहीं करते तो शायद जीतने में कठिनाई आती। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार की तरह बीजेपी ने यहां पर मन से काम किया। जनता ने भी बीजेपी की एकता को देखा और उन्हें वोट किया।

शिविर में थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए किया रक्तदान

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को समर्पित 251वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में प्रोफेसर राम रतन शर्मा मुख्य अतिथि पधारे, जबकि कृषि अधिकारी डा. विनोद कुमार वर्मा ने शिविर की अध्यक्षता की। अध्यापक एवं समाजसेवी डा. भारतेन्दु हरीश और लेखा अधिकारी सत्यनारयण वर्मा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डॉ विनोद तंवर की अध्यक्षता में नरेश सैनी, सीमा और करनैल ने रक्त संग्रह किया।

प्रोफेसर राम रतन शर्मा ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दीपावली के पावन पर्व पर जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करना सच्ची प्रभु भक्ति है। इससे बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। शिविर संयोजक डा. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि कोई भी त्योहार हो या खुशी का पल वह सादगी से और जरूरतों की सहायता करके ही मनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिवाली पर मिट्टी के दीपक जला कर ही त्योहार मनाएं न कि आतिशबाजी कर पर्यावरण को दूषित करें। शिविर में नन्द लाल, प्रदीप कुमार, विनय कुमार, राजेश कुमार, खुर्शिद, गुरुचरण सिंह, डॉ. विनोद कुमार, वरुण दत्त, राहुल, कमल कुमार, खुशी राम, सत्यनारायण वर्मा ने रक्तदान किया।

शिविर में रक्तदाता को प्रोत्साहित करते अतिथिगण।

रोटरी हेल्थ कार्निवाल में रोटेरियंस ने हेल्थ के प्रति किया जागरूक

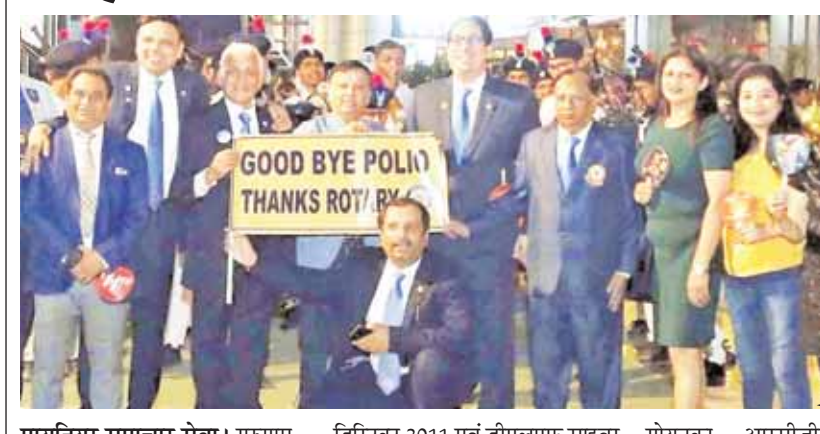

गुरुग्राम स्थित साइबर सिटी में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते रोटरी क्लब के सदस्य।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत में पल्स पोलियो अभियान में मुख्य भूमिका निभाने वाले रोटरी क्लब संस्था का दुनिया में नाम है। संस्था ने इस अभियान में व्यापक पैमाने पर जागरुकता भी फैलाई है और पल्स पोलियो अभियान में अहम भागीदारी भी की है। लोगों के हेल्थ के प्रति जागरूक करने के लिए भी यहां अभियान चलाया गया।

यहां डीएलएफ साइबर सिटी में वर्ल्ड पोलियो-डे के मौके पर रोटरी हेल्थ कार्निवाल का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ जोन-15, आरआई डिस्ट्रिक्ट 3011 एवं डीएलएफ साइबर सिटी ने एक साथ मिलकर किया। इस मौके पर कैंप में लगाया गया, जिसमें नि:शुल्क मैमोग्राफी एवं कैंसर जांच, सामान्य हेल्थ चेकअप, डेंटल चेकअप, डायबिटीज चेकअप, आंखों का चेकअप के साथ ब्लड डोनेशन कैंप भी लगाया गया। यह कैंप मेदांता क्लीनिक पर लगाया गया। जोन 15 के असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन डा. मनदीप कुमार गोयल, आरसीजीएससी प्रेजीडेंट रोटेरियन मुनीष खुल्लर, आरसीजीसी प्रेजीडेंट रोटेरियन सर्वेश दत्त, आरसीजी प्रेजीडेंट सुरिंद्र खुल्लर, आरजीक्यूई प्रेजीडेंट रोटेरियन कृष्ण गोयनका, आरसीजीएम प्रेजीडेंट रोटेरियन कुनाल जैन आदि मौजूद रहे।

असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन डा. मनदीप कुमार गोयल ने कहा कि रोटरी क्लब ने अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देकर देश में सेवा की है। रोटेरियन का आज हर ओर समाज सेवा के क्षेत्र में बड़ा नाम है। यह नाम हर रोटेरियन की निस्वार्थ मेहनत के दम पर ही हुआ है। अपने इस क्षेत्र में काम के लिए हर रोटेरियन हमेशा तैयार रहता है। सभी रोटेरियन पर गर्व है और भविष्य में भी समाजसेवा के क्षेत्र में इसी तरह से योगदान देते, रहेंगे, यह कामना उन्होंने की।

एनआईटी : मतदाताओं ने दूसरी बार भी विपक्ष के हाथ सौंपी बागडोर

राजेश दास। फरीदाबाद

पिछले पांच सालों से विभिन्न तरह की समस्याओं से जूझ रहे एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने बदलाव की चाह में कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा पर भरोसा जताते हुए उन्हें बागडौर सौंपी हैं, लेकिन कम सीटें आने और जजपा द्वारा भाजपा को समर्थन देने से कांग्रेस सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो पाई। इसलिए इस बार फिर इलाके की बागडोर विपक्ष के विधायक के हाथों में है।

इलाके के लोगों को अंदेशा है कि कहीं इस बार भी इलाके में विकास कार्य नहीं हो पाएंगे, लेकिन विधायक नीरज शर्मा का दावा है कि वे इलाके की जनता की परेशानी दूर करवाने के लिए पूरा जोर लगा देंगे।

जनता को नहीं होगी परेशानी

विधायक नीरज शर्मा के बड़े भाई मुकेश शर्मा ने कहा कि बेशक प्रदेश में भाजपा और जजपा की गठबंधन सरकार बनने जा रही है, लेकिन कांग्रेस किसी तरह से कमजोर नहीं है। भाजपा अल्पमत में है और विपक्ष काफी मजबूत है। इसलिए विधानसभा में विपक्ष पूरी मजबूती के साथ अपना हक हासिल करेगा। एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के निवासी उनके परिवार के सदस्य हैं, उन्हें किसी भी हालत में परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

हर बार किया बदलाव

नए परिसीमन के बाद एनआईटी 86 का पहला विधानसभा चुनाव वर्ष 2009 में हुआ था। उस समय कांग्रेस से पूर्व एसी चौधरी मंत्री थी। इस चुनाव में कांग्रेस के मंत्री को स्वर्गीय शिवचरण लाल शर्मा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनौती दी थी। परिसीमन से पहले इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार होता था। इलाके के लोगों ने बदलाव की चाह में इलाके की बागडोर शिवचरण लाल शर्मा के हाथों में सौंप दी थी। कांग्रेस के अल्पमत में होने के कारण उन्हें मंत्री बनाया गया और उन्होंने बेतहाशा काम भी करवाए, लेकिन वर्ष 2014 में इनेलो के नागेंद्र भड़ाना जीत गए। नागेंद्र विकास कार्य करने में नाकामयाब हुए। इसलिए जनता ने शिवचरण लाल शर्मा द्वारा करवाए गए विकास कार्यों को याद करते हुए उनके छोटे पुत्र नीरज शर्मा पर भरोसा जताया है।

विधायक के लिए चुनौती

वर्ष 2014 के बाद यहां विपक्षी विधायक होने की वजह से इलाके के साथ सौतेला व्यवहार होने लगा। बाद में नागेंद्र भडाना भाजपा की गोद में जा बैठे थे। इसके बावजूद वे इलाके में संतुष्टिपूर्ण विकास कार्य करवाने में कामयाब नहीं हुए। पिछले करीब पांच सालों में इलाके की कई कॉलोनियों की हालत नारकीय हो गई। इलाके की जवाहर कॉलोनी, पर्वतीय कॉलोनी, नंगला एन्कलेव के तमाम इलाकों में सीवर का पानी सड़कों पर बहता रहता है। इलाके के लोग पानी, सफाई, टूटी सड़कें व गलियां और अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन समस्याओं को दूर करवाना वर्तमान विधायक नीरज शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

बिजली की तारों से युवक चिपका मौत, नाराज लोगों ने लगाया जाम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ के गांव हीरापुर में खेतों में काम करने के दौरान लटकती बिजली की तारों की चपेट में आकर एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया। अस्पताल ले जाने पर इलाके के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के विरोध में गांव के लोगों ने बल्लभगढ़ मोहना रोड पर जाम लगा दिया। ग्रामीण बिजली निगम के दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक गांव हीरापुर में रहने वाला मणीराम खेतीबाड़ी करने का काम करता है। शनिवार सुबह मणीराम अपने 24 वर्षीय बेटे मनोज के साथ खेतों में काम करने के लिए गया था। बताया गया है कि बिजली निगम की लापरवाही के कारण खेतों में बिजली की तारें काफी नीचे तक झूल रही हैं। काम करने के दौरान सुबह करीब साढ़े आठ बजे मनोज का हाथ नीचे लटक रही बिजली की नंगी तार से छू गया। इस घटना में मनोज करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। मनोज को तुरंत सेक्टर आठ स्थित सर्वोदय अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान दोपहर को मनोज ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मनोज की मृत्यु की सूचना मिलते ही हीरापुर के ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुस्साए ग्रामीणों ने बल्लभगढ़ मोहना रोड पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में लटकती तारों की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। वे इन तारों को दुरुस्त करने के लिए कई बार बिजली निगम को लिखित शिकायत दे चुके हैं, लेकिन निगम की तरफ से ध्यान न दिए जाने की वजह से मनोज की जान चली गई है।

ग्रामीण मामले में दोषी निगम के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस और बिजली निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों को समझाने के प्रयास शुरू कर दिए, लेकिन गुस्साए लोग अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक जाम लगा हुआ है।

घरेलू विवाद में पत्नी ने पति को चाकू मारा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

घरेलू विवाद को लेकर शहर की इंदिरा कॉलोनी में रहने वाली एक महिला ने अपने पति पर चाकू से ताबड़ तोड़ वार कर दिए। इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पीड़ित को बीके अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डाक्टरों ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक 55 वर्षीय गुरमीत सिंह रेलवे लाइन के निकट स्थित इंदिरा कालोनी में अपने परिवार के साथ रहता है। वह मेहनत-मजदूरी कर किसी तरह परिवार का गुजारा चला रहा है। बताया गया है कि पिछले कुछ समय से गुरमीत और उसकी पत्नी किरण के बीच घरेलू कारणों को लेकर विवाद चल रहा है। इसलिए उनके घर में आए दिन झगड़े होते रहते हैं। अन्य दिनों की तरह बीती शाम भी गुरमीत काम से लौट आया था। रात को किसी बात को लेकर गुरमीत और किरण के बीच फिर झगड़ा होने लगा। तभी तैश में आकर किरण ने चाकू उठा लिया और गुरमीत पर वार करने शुरू कर दिए। पेट में चाकू लगने से वह बुरी तरह घायल हो गया। उसे तुरंत बीके अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

एनएबी की उपाध्यक्ष ने मजदूर बस्ती में मनाई दिवाली

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड्स (एनएबी) की उपाध्यक्ष एवं रेडक्रास सोसायटी की कार्यकारी सदस्य सुषमा गुप्ता ने दीपोत्सव का त्योहार मजदूर बस्ती में मनाया। वे आईएमटी स्थित मजदूर बस्ती के बच्चों व महिलाओं के साथ करीब दो से तीन घंटे रहीं। इसके बाद उन्हें आईएमटी सेक्टर-70 स्थित आगमन सोसायटी प्रांगण में लेकर पहुंचीं। बच्चों व उनकी माताओं को वस्त्र, मिठाई व उपहार बांटे। उनके साथ समाजसेविका पूजा भी थीं।

पूजा इन गरीब बच्चों को शिक्षित बनाने के उद्देश्य से बस्ती से निकालकर न केवल आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाती है, बल्कि शाम के समय उन्हें निशुल्क पढ़ाती भी है। सुषमा गुप्ता ने महिलाओं को समझाया कि भले ही वे आज संघर्ष का जीवन व्यतीत कर रही हैं लेकिन यदि वे अपने बच्चों को शिक्षित बनाएंगी तो न केवल बच्चों का भविष्य संवरेगा बल्कि माता-पिता का जीवन बदलेगा। उन्होंने महिलाओं को बताया कि जो महिला स्वावलंबी बनकर कुछ नया करना चाहती है, ऐसी महिलाओं के लिए मैंने मुजेड़ी गांव में निशुल्क सिलाई कढ़ाई केंद्र खोला हुआ है। वे हुनरमंद बनने के लिए समय निकालकर केंद्र तक पहुंचे। बच्चों को शिक्षित बनाने और महिलाओं को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए एनएबी और रेडक्रास भी हमेशा प्रयासरत है।

टैक्स बार ने मनायी दीवाली

फरीदाबाद। जिला टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा सेक्टर 12 सैल टैक्स ऑफिस बार रूम में दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिला टैक्स बार के प्रधान संदीप सेठी, सचिव संजय डिन्डे, सत्यवान नारवाल, डीआर चौधरी, बीएस शेखावत, सत्येन्द्र यादव, एसएच भाटी, विजय शर्मा, एसएन त्यागी, आरएस गौड़, केके मिश्रा, राजेन्द्र शर्मा, अजीत भाटी एडवोकेट, आईएन चतुर्वेदी, आईएस भट्टी, महेश शर्मा आदि मुख्य रूप से शामिल रहे। अशोक वर्मा कविताएं सुनाई।

नागेंद्र भड़ाना के कार्यालय में तोड़फोड़ करने का केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मतदान मतदान से एक दिन पूर्व रात को जवाहर कालोनी की 60 फुट रोड पर स्थित भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भडाना के कार्यालय पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया था। हमले के दौरान आरोपियों ने कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ कर दी थी। जांच पड़ताल के बाद अब तोड़फोड़ करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। हमला करने वाले आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है।

थाना सारन में दर्ज मामले के मुताबिक पर्वतीय कालोनी में रहने वाले विरेंद्र सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि वह 60 फुट रोड पर स्थित पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रत्याशी रहे नागेंद्र भडाना के कार्यालय में चौकीदार के पद पर काम करता है। अन्य दिनों की तरह 20 अक्टूबर की रात को भी वह कार्यालय में अपनी ड्यूटी कर रहा था। अगले दिन चुनाव होने की वजह से कार्यालय में कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे। तभी तड़के करीब साढ़े तीन बजे अचानक दो गाड़ियां कार्यालय के सामने आकर रुकीं। गाड़ियों से करीब आठ दस हथियारबंद लोग नीचे उतरे। सभी आरोपियों के हाथों में लाठी-डंडे थे। सभी आरोपी गाली-गलौच करते हुए कार्यालय में घुस आए। आरोपियों ने आते ही कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देने लगे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। उसने मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दे दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। उस समय चुनाव की व्यस्तता के कारण पुलिस मामले की जांच नहीं कर पाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस कई स्थानों से सीसीटीवी फुटैज जुटा रही है। ताकि हमलावरों की शिनाख्त की जा सके। लोगों को शक है कि चुनावी रंजिश के कारण इस कार्यालय पर हमला किया गया है। लोगों को जांच रिपोर्ट का बेसब्री से प्रतीक्षा है।

एयर इंडिया ने जीता रावल टी-20 टूर्नामेंट

फरीदाबाद। भूपानी स्थित रावल क्रिकेट मैदान में रावल टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच एयर इंडिया ने 51 रन से जीत लिया।

फाइनल में इनकम टैक्स ने टॉस जीत कर गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। एयर इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 162 रन बनाए। बल्लेबाज अभिमन्यु ने 53 रन, एकांश ने 39 रन, राजेश शर्मा ने 36 रन बनाए। इनकम टैक्स के रणजी खिलाड़ी आशीष हुड्डा ने तीन विकेट, भारतीय टीम के खिलाड़ी जयंत यादव, प्रदीप सांगवान और योगेश नागर ने 1-1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इनकम टैक्स को 18 ओवर में 10 विकेट पर 111 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। उसके गौरव डुडेजा ने 23 रन, जयंत यादव ने 20 रन, पुनीत ने 16 रन बनाए। एयर इंडिया के गेंदबाज विष्णु ने चार, प्रिन्स और ललित यादव ने 2-2, रजत भाटिया और सागर ने 1-1 विकेट लिया। बेस्ट बैट्समैन एकांश डोबाल, बेस्ट बॉलर भारतीय टीम के खिलाड़ी युजवेंद्र चहल और प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट योगेश नागर को चुना गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि रावल ग्रुप के चैयरमेन सीबी रावल, प्रो. चैयरमेन अनिल रावल, इंडिया ए टीम कोच विजय यादव, बेलमैक्स ग्रुप के डायरेक्टर रजत भाटिया, केपी तेवतिया, मनोज भरद्वाज, रविंदर मक्कड़ उपस्थित थे।

Public Notice

To be it known to all that I Maya Devi W/o Sh. Prem Chand is the owner/purchaser of DDA Flat no A-2/97 A, Ground Lawrence Road Delhi-35 applied for conversion of the aforesaid property from leasehold to freehold in DDA. The original Demand Letter, Possession Letter, Site Letter Slip and NOC for water and electricity of above said property have been lost. An FIR LR No.1073865/2019 to this effect have been lodgged in Police Station dt. 20/05/19. Any person claiming any right, interest having any objection may write/ contact with above named person at above address/phone no 9811085877 within 15 days from the date of publication of this notice and can personally inform or write to:

Deputy Director (LAB) or Director (LAB) H, D Block 3rd Floor, Vikas Sadan, INA New Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that we Barbra Kapra and Aamir Ali Reshi sold our dwelling unit no 1015, Tower 3, Ashiana Upvan, Indirapuram, Ghaziabad to Mr. Rajan Vaish, Rinki Vaish, Girija Shanker Vaish and Krishna Vaish through sale deed no. 6041, Bahi No.1, Jilld no. 9365 dated 01-10-2019. That the previous sale deed no. 535, Bahi No 1, Jild No. 1399 dated 21-02-2009 possessed by me was partially mutilated with water but still readable. Now Mr. Rajan Vaish has created equitable mortgage in favour of SBI. If anyone has any objection regarding the said transaction, may file their objection with relevant documents within 7 days from the date of publication to us at the addresses given below or SBI RACPC Branch Ghaziabad.

Seller: Barbra Kapra & Aamir Ali Reshi
R/o: Glass House, Khagi Mohalla, Nishat Srinagar, J&K
Buyer: Rajan Vaish, Rinki Vaish, Girija Shankar Vaish, Krishna Vaish
R/o 1120, Tower 4, Ashiana Upvan, Indirapuram, Ghaziabad
SBI RACPC
105, New Arya Nagar, Ghaziabad, UP-201001

Name Change

I, Monis Rashid Ansari S/O Mr. Mohammed Rashid Ansari R/O C-29/184, Behind Post Office, Zakir Nagar, New Delhi-110025 do hereby solemnly Declare that my name in High School Certificate is Monis Rashid and in all other documents like Aadhar Card, Pan Card, Voter ID and Bank Account etc my name is Monis Rashid Ansari. It is declare that I am Monis Rashid Ansari and want to be known by this name only for all purposes.

PUBLIC NOTICE

To be Known to all that my Clients **Subhash Chander Jindal** S/o Late Sh.Ramdhari Jindal & his wife **Sneh Lata Jindal** W/o Subhash Chander Jindal **R/o- B-1/9, Mian Wali Nagar, New Delhi-110087** declared that their Son **Prince Jindal** is the beneficiary/ legal heir of all their movable and immovable assets of my clients.

Ramesh Chander(Advocate), G-137A, Paschim Vihar

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भरत कुमार पुत्र श्री मुरलीराम भाटिया निवासी मकान नं. डी.-11 एन. आई.टी. फरीदाबाद के रहने वाले हैं श्री भरत कुमार ने दिनांक 25.01.2001 को एक बूथ नं. 48, साईज 12 गुणा 27.5 नई सब्जी मंडी डबुआ में खुली बोली पर श्री जगन नाथ पुत्र श्री सुखराम 2 एफ.-25 एन.आई.टी. फरीदाबाद साझे पर खरीदा था, श्री भरत कुमार का देहांत दिनांक 24.11.2016 को हो चुका है, श्री भरत कुमार के वारिसान पत्नी श्रीमती सुनीता भाटिया व पुत्र श्री सुनील कुमार ने इस प्रापर्टी के आधे भाग को अपने नाम ट्रांसफर कराने का आवेदन किया है, सर्वजन को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वारिसानों के अलावा इस प्रापर्टी का कोई दावेदार अथवा कोई अन्य नाम से वसीयत या कोई अन्य प्रपत्र हो तो अपना दावा/शिकायत इस इश्तिहार छापने के 30 दिन के भीतर कार्यालय मार्केट कमेटी फरीदाबाद में लिखित में दें, लिखित में शिकायत दर्ज न होने पर कार्यालय को प्राप्त रिकार्ड को आधार मानते हुए इस प्लॉट को कार्यालय मार्केट कमेटी फरीदाबाद द्वारा उपरोक्त वारिसान के नाम दर्ज कर देगी, इसक पश्चात कोई दावा होता है, तो यह कार्यालय इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी, मार्केट कमेटी, फरीदाबाद

THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri New Delhi - 110058
Phone : 011-25611041, 25611042, 25611043, 25611044
e-mail: leagal@kangrabank.com, legal1@kangrabank.com Website : www.kangrabank.com

APPENDIX IV
[See rule 8(1)]

POSSESSION NOTICE
(For immovable property)

Whereas,
The undersigned being the Authorised officer of **"The Kangra Co- operative Bank Ltd."**, Head office at,C-29,Community Centre, Pankha Road, Janak Puri, New Delhi - 110058, having its registered office at 1916, Chuna Mandi, Pahar Ganj, New Delhi-110055, under the Securitisation and Reconstruction of the Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002, and in exercise of powers conferred under section 13(12) read with rule 9 of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, the Bank had issued a demand notice on dated: 27-02-2019, calling upon the borrower Sh. Anar Singh S/o. Sh. Hori Lal, R/o. D-754/7, Khasra No.3/19, Nathu Pura, Delhi-110084, and D-664, Nathupura, Delhi-110084, and calling upon the Mortgagor Smt. Asha W/o.Sh. Anar Singh R/o. D-754/7, Khasra No.3/19, Nathupura, Delhi-110084, to repay the amount mentioned in the notice being ₹9,54,151/- (Rupees Nine Lakhs Fifty Four Thousand One Hundred Fifty One Only), together with further interest, penal interest and other charges as are applicable to this Loan account from time to time, from the date of the notice till the date of payment, with in 60 days from the date of receipt of the notice.
The above mentioned borrower/mortgagor/surety having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the Bank has taken possession of the property described here in below in exercise of powers conferred under section 13(4) of the said Act read with rule 9 of the said rules, on this 23rd day of October' 2019.
The borrower/mortgagor/surety in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the mortgaged property and any dealings with the property will be subject to the charge of **"The Kangra Co-operative Bank Ltd."**, for an amount of ₹9,54,151/- together with further interest, penal interest and other charges as are applicable to this Loan account from time to time, from the date of notice till the date of realization together with all the costs incurred by the Bank in realizing the said amount.

DESCRIPTION OF THE PROPERTY

The property under consideration is built up property with roof rights area 41 sq. yds.	All the part and parcel of the built up property with roof rights upto sky rights area measuring 41sq.yds., i.e 34.2801 sq.mtrs. constructed ground floor, situated in the abadi of extended Lal Dora of Village Nathupur Burari, Delhi-110084.

All the part and parcel of the built up property with roof rights upto sky rights area measuring 41sq.yds., i.e34.2801 sq.mtrs. constructed ground floor, situated in the abadi of extended Lal Dora of Village Nathupur Burari, Delhi-110084. Falling under the Registration of Sub-Registrar -1, New Delhi.

Bounded as under:-
East : Other's Property,
West : Other's Property,
North : Road 15 ft. Wide,
South : Other's Plot.

HARISH SHARMA
AUTHORISED OFFICER
THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
HEAD OFFICE AT, C-29, COMMUNITY CENTRE, PANKHA ROAD, JANAKPURI, NEW DELHI-58.

DELHI.
DATED: 23-10-2019.

भौतिक कब्जा सूचना

ICICI Bank Limited
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., सरफासी सेल, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर्स, झंडेवालान, नई दिल्ली-110055

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नवर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की बकाया राशि के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं	कर्जदार का नाम/ऋण खाता संख्या	सम्पत्ति का वर्णन/भौतिक कब्जा की तिथि	मांग सूचना की तिथि/मांग सूचना में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1	संतोष कुमार/गीतू झा/एलबीएनओडी00001327110	जी-3, प्लॉट नंबर -416, सेक्टर-4, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश/22-10-2019	29-दिसम्बर-2012 रू 1,74,792.81/-	दिल्ली/एनसीआर

उपरोक्त कर्जदारों)/गारंटरों) को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उपरोक्त राशि 30 दिन के भीतर चुकता कर दें, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि व्यतीत होने पर उक्त बंधक रखी सम्पत्तियां प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार बेच दी जाएंगी।

तिथि : 25-10-2019
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड
Capri Global Capital Limited पंजीकृत एवं कार्पोरेट कार्यालय :- 502, टावर-ए, पेनिन्सूला बिजनेस पार्क, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई-400013
सर्किल कार्यालय :- कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड, द्वितीय तल, 3बी पूसा रोड, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110005

परिशिष्ट IV कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) को नीचे दिए विवरण के अनुसार मांग सूचना(ए) जारी की थीं, जिनमें उनसे सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा प्राप्त कर लिया है। कर्जदार का ध्यान, प्रत्याभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है। कर्जदारों को विशेष रूप से तथा जनसाधारण को सामान्य रूप से इस संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार कर्जदारों पर सीजीसीएल की बकाया राशि तथा उस पर ब्याज का भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

क्र. सं	कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) का नाम	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	मांग सूचना तिथि और राशि	कब्जा की तिथि
1.	ऋण खाता संख्या LNCGCDELTL0000003276 कश्यप्स (कर्जदार) श्री संजय सैगल, श्री सिद्धार्थ सैगल, श्रीमती मधु सैगल (सह-कर्जदार)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड औद्योगिक प्लॉट/यूनिट नंबर 498, परिमाप 250 वर्ग मीटर कवर्ड एरिया 4697 वर्ग फीट, इंडस्ट्रियल एस्टेट, उद्योग विहार, फेज-5, गुरूग्राम-122001, हरियाणा उसके ऊपर निर्माण सहित।	30-07-2019 रू. 2,40,99,553.18/-	23-10-2019
2.	ऋण खाता संख्या LNCGCNSPTL0000003008 अनिल शर्मा (कर्जदार) सीमा शर्मा (सह-कर्जदार)	सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड 1. सम्पत्ति सं. 9/4340 (दक्षिण पूर्वी भाग), परिमाप 66.1/3 वर्ग गज अर्थात 55.45 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 156, 157, 158 तथा 161, गली नंबर 8, अजीत नगर, गांधी नगर, ग्राम सीलमपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110031. सम्पत्ति सं. 9/4340 (दक्षिण पूर्वी भाग) 2. सम्पत्ति सं. 9/4340 (दक्षिण पश्चिमी भाग), परिमाप 66.1/3 वर्ग गज अर्थात 55.45 वर्ग मीटर, खसरा नंबर 156, 157, 158 तथा 161, गली नंबर 8, अजीत नगर, गांधी नगर, ग्राम सीलमपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110031. सम्पत्ति सं. 9/4340	30-07-2019 रू. 1, 44, 55,494.69/-	25-10-2019

स्थान : नई दिल्ली तिथि : 27-10-2019
हस्ता./-, (प्राधिकृत अधिकारी) वास्ते कैपरी ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल)

सांकेतिक कब्जा सूचना

ICICI Bank Limited
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110055

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नवर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की बकाया राशि के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम/ऋण खाता संख्या	सम्पत्ति का वर्णन/सांकेतिक कब्जा की तिथि	मांग सूचना की तिथि/मांग सूचना में राशि (रू.)	शाखा का नाम
1.	अनिल कुमार चौधरी/आशा कुमारी/एलबीडीईएल00003457175	फ्लैट नंबर 2105, 21वां तल, मैरियट टावर 168 का अर्बटेक जेवियरर्स सेक्टर-168, नोएडा, उत्तर प्रदेश/23 अक्टूबर, 2019	06 अगस्त, 2019 रू. 11,14,591/-	दिल्ली/एनसीआर
2.	आनंद शेखर सिंह/शिवानी सिंह/एलबीएनओडी00001738021	फ्लैट नंबर 21, द्वितीय तल, ब्लॉक सी-2, सेक्टर-71, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, उत्तर प्रदेश/23 अक्टूबर, 2019	03 अप्रैल, 2019 रू. 10,12,923/-	दिल्ली/एनसीआर
3.	पी जे मैथ्यू/एलबीजीएचजैड00001613222	फ्लैट नंबर टी-एच/1401, 14वां तल, आम्रपाली प्लैटीनम, प्लॉट नंबर जीएच-01, सेक्टर-119, नोएडा-201301/23 अक्टूबर, 2019	02 मार्च, 2019 रू. 34,77,221/-	दिल्ली/एनसीआर
4.	रविन्दर सिंह सयाल/आर एस सयाल/एलबीएनओडी00002006960	फ्लैट नंबर केडी09-201, शौर्य- केडी3, जेपी ग्रीन्स, सेक्टर-129 एवं 134, नोएडा, उत्तर प्रदेश/23 अक्टूबर, 2019	06 अगस्त, 2019 रू. 40,20,554/-	दिल्ली/एनसीआर

उपरोक्त कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि उपरोक्त राशि 30 दिन के भीतर चुकता कर दें, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि व्यतीत होने पर उक्त बंधक रखी सम्पत्तियां प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002, के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार बेच दी जाएंगी।

तिथि : 25-10-2019
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पराली ही नहीं प्रदूषण की एकमात्र वजह

दिल्लीवासियों को समझना होगा कि पराली जलाने का काम वर्षभर नहीं चलता फिर भी हम वायु प्रदूषण के शिकार होते हैं। अब समय आ गया है कि हम अपना कचरा साफ करें और दिल्ली को प्रकृति और जीवन से परिपूर्ण बनाएं।

इंद्र शेखर सिंह
(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ के निदेशक हैं)

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जलते खेतों से निकलता धुआं दिल्ली की पारिस्थितिकी के साथ मिश्रित होकर प्रत्येक वयस्क के फेफड़ों में प्रतिदिन 11,000 लीटर विषैली हवा जाने का कारण बनता है। हालांकि, जलाई जाती फसलों से निकलने वाला धुआं हमारी समस्याओं को बढ़ाता है और वो भी समय-समय पर जबकि अन्य बड़े प्रदूषणकारी स्रोत आटोमोबाइल, उद्योग, धूल एवं निर्माण गतिविधियां हैं। सफलता की हमारी अवधारणा के गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव होते हैं। हमारी संपत्ति के पैमाने अनेक हैं यथा कार, ट्रैक्टर, बड़े वातानुकूलन उपकरण एवं प्रकृति पर जीत हासिल करने की प्रशंसा, जिसको बदलना बहुत कठिन है। दीवाली कार्ड पार्टियां प्राय: निकट में प्रत्येक नई कार, मॉल और मकान के लिए प्रसारण करती हैं। हम इस तरह पारिस्थितिकीय विध्वंस के विचार से प्रभावित हो गए हैं।

इसी प्रकार, दिल्ली के इर्द-गिर्द किसान भी जैव ईंधन आदि जलाने के आदी हो गए हैं। यह युगों पुरानी परिपाटी है जो तब पैदा हुई जब किसानों को कृषि विशेषज्ञों द्वारा हरित क्रांति के पश्चात अपनी देशीय फसलों को दरकिनार कर धान की खेती करने की सलाह दी गई थी। ये संकर धान प्रजातियों ने पराली की समस्या को जन्म दिया क्योंकि मवेशियों ने उससे बने चारे को नकार दिया। क्योंकि फसल के अवशेषों ने अनापेक्षित समस्या पैदा कर दी, किसानों से पराली जलाने को कहा गया क्योंकि उसकी राख मिट्टी के लिए लाभप्रद होती है। धीरे-धीरे मवेशी लुप्त होने लगे और यह परिपाटी दिल्ली के इर्दगिर्द स्थापित हो गई।

किसान पराली इसलिए जलाते हैं क्योंकि वे इस लागत-प्रभावी पद्धति के आदी हो गए हैं, जैसा कि लुधियाना के टोटा सिंह का कहना है। वो पिछले कुछ सालों से पंजाब में पराली जलाए जाने से रोकने के लिए काम कर रहे हैं। उनके अनुभव के मुताबिक, उनका मानना है कि इसे बदला जा सकता है। मैं उनसे सहमत हूं। पराली जलाने का सबसे सरल समाधान है, गीली घास बनाना। राख से राख और पराली को गीला करना, किसानों का उद्देश्य बन सकता है। धान को गीली घास बनाने का अर्थ है डंडी को उखाड़ना, उसे फैलाना और खेत में सड़ने देना। ऐसा करने से मृदा में महत्वपूर्ण सावयवी पदार्थ मिश्रित होंगे, जिससे उसकी उर्वरता बढ़ेगी, जल रोकने की क्षमता बढ़ेगी और अगली फसल के लिए कम उर्वरकों की आवश्यकता होगी। इससे घासफूस गीले धान के भूसे को खोत में फैलने से रोका जा सकेगा। सभी कृषि लाभों के अलावा, यह पारिस्थितिकीय प्रक्रिया दिल्ली को आवश्यक पारिस्थितिकीय प्रणाली की सेवाएं मुहैया कराती है। पंजाब से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक घास को गीला कर सड़ाने की प्रक्रिया से कई टन कार्बन पैदा पैदा हो सकता है जो राष्ट्रीय राजधानी का दम घोटने वाले अतिशय उत्सर्जनों को अवशोषित करने में मददगार हो सकता है।

मगर कोई भी बदलाव अथवा अच्छा काम चुनौतियों से रहित नहीं होता। अधिकतर किसानों के पास या तो लघु अथवा मध्यम जोतें होती हैं और वित्तीय एवं तकनीकी संसाधन सीमित होते हैं। वे पहले ही गिरती कृषि आमदनी एवं ऊंची आगत लागत से आहत हैं अत: श्रमिकों को लगाना अथवा गीली घास के लिए मशीनरी खरीदना अथवा खेतों से पराली हटाना उनके साधनों से परे होता है। उन्हें प्रशिक्षण की आवश्यकता है और पराली जलाने को लेकर गहन अभियान चलाना होगा जिससे उन्हें व्यावहार्य विकल्पों की जानकारी दी जा सके।

यहीं पर आकर दिल्ली सरकार और उद्योग क्षेत्र कदम बढ़ा सकते हैं। उद्योग क्षेत्र जैव ईंधन अर्थात बायोमास को कच्चा माल बनाकर अगुवाई कर सकता है। उदाहरण के लिए, चावल का भूसा, जैसा कि पहले ही आईकेइए ने घोषणा की थी, लैम्पशेड व अन्य घरेलू उपयोग की चीजें बनाने में इस्तेमाल हो सकता है। फिर ऊर्जा उद्योग चावल की भूसी को गोलियों व बगास में बदल सकता है और उसका इस्तेमाल कोयला अथवा बिजली संयंत्रों के ब्वायलर में किया जा सकता है। उसी भूसे का इस्तेमाल जैव सीएनजी अथवा गैस बनाने में किया जा सकता है। अच्छी खबर यह है कि यह सबकुछ भारतीय उद्योग क्षेत्र में वर्तमान में उपलब्ध तकनीकी के बगैर किया जा सकता है। इस तरह भूसे का कचरे से कच्चे माल में रूपांतरण किसानों को अतिरिक्त आमदनी देगा और दिल्ली जैसे शहरों की प्रदूषण से बचत होगी।

यह स्थिति सभी के लिए अच्छी होगी, क्योंकि उद्योग को सस्ते में कच्चा माल मिलेगा, किसान को कचरे के बदले पैसा मिलेगा और दिल्ली-एनसीआर दमघोटूं धुएं से निजात पाएगा। सरकार प्रचालन समग्री को न्यून करने के लिए इन क्षेत्रों में विशेष औद्योगिक क्षेत्र निर्धारित कर इसे प्रोत्साहित कर सकती है। पराली जलाना बंद करने में किसानों की मदद करने वाली कम्पनियों के लिए कर में छूट पर भी विचार किया जा सकता है। हालांकि, यह सब करने की भारी भरकम जिम्मेदारी, संबंधित राज्यों एवं केंद्र में सरकार की है। फसल अवशिष्ट जलाने का मुद्दा, वर्तमान मुसीबत के बजाए, संपूर्ण क्षेत्र को टिकाऊ बनाने में इस्तेमाल हो सकता है। क्योंकि भारत बड़ी मात्रा में अतिरिक्त चावल उत्पादित करता है, पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को अब अन्य फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। एक देश के तौर पर हमें एग्रो-पारिस्थितिकीय कृषि एवं फसल विविधता पर जोर देकर धान-गेहूं चक्र को तोड़ना होगा।

परम्परागत कृषि को वापस लाने एवं सावयवी गुच्छों को बढ़ावा देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना को सबसे पहले दिल्ली के इर्द-गिर्द लागू किया जाना चाहिए। किसानों को भी ज्वार, बाजरा, दलहन, अथवा फल उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। एक बार यदि वे सावयवी पद्धतियां अपना लेंगे, तो वे अपने उत्पादों के लिए प्रीमियम धन प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनका मुनाफा दोगुना हो सकता है।

हम जर्मनी से सीख सकते हैं। उसके पास एक प्रणाली है जो किसानों को शहरों के लिए इको-सेवाएं मुहैया कराने हेतु प्रोत्साहन देती है (एग्रो-पारिस्थितिकीय खेती एवं एग्रो-वानिकी के द्वारा)। सावयवी कृषि का अर्थ है रसायनों व औद्योगीकृत खेती का इस्तेमाल न किया जाना, जो उत्सर्जन कम करती है, रसायनों के विषैले उत्पादों को कम करती है एवं जल प्रणाली को स्वच्छ बनाती है। ऐसे गुच्छ बर्लिन जैसे शहरों के इर्दगिर्द कार्बन सिंक का काम करते हैं। दिल्ली देहात, हरियाणा, एवं उत्तर प्रदेश में किसानों को मिलकर काम करना चाहिए और उन्हें अपने खेतों को सावयवी खेतों में बदलने अथवा कृषि-वानिकी अपनाने में सहायता की जानी चाहिए। यदि संभव हो, तो बड़े किसानों को दिल्ली के चारों ओर पादपों के बाग लगाने के लिए प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। समय की मांग है कि दिल्ली के चारों ओर पेड़ों की हरित दीवार बना दी जाए।

निजी कारपोरेट कम्पनियां भी उपचारी भूमिका निभा सकती हैं। भारतीय उद्योग महासंघ ने कहा है कि उसने शून्य फसल अवशिष्ट जलाने के लिए पंजाब और हरियाणा में 100 गांवों तथा एक लाख एकड़ कृषि भूमि गोद ले ली है। उद्योग निकाय ने पंजाब में लुधियाना, बरनाला, पटियाला जिलों तथा हरियाणा में रोहतक, सिंरसा एवं फतेहाबाद जिलों को गोद लिया है।

अगली बड़ी नीति के तहत सरकार को नगरीय छतों पर बागवानी की एक मजबूत नीति पर जोर देने की आवश्यकता है। दिल्ली विकास प्राधिकरण के अपार्टमेंटों से प्रारम्भ करके, सभी सरकारी इमारतों में या तो सौर पैनल अथवा निम्न लागत वाले नगरीय बगीचे होने चाहिए जिनमें सब्जियां व फल उगाए जा सकें। यदि फ्रांस, सिंगापुर, जर्मनी जैसे देशों ने ऐसा किया है, तो दिल्ली क्यों नहीं कर सकती? उन्होंने व्यापक कंक्रीट के जंगलों को सावयवी खाद्य बगीचों में बदल दिया है जो ताजी सब्जियां, खाद्य अपने शहरों के लिए मुहैया कराते हैं, जिससे अधिक रोजगार पैदा होते हें और कार्बन उत्सर्जन घटता है। दिल्ली सरकार के सभी विद्यालय सब्जियां उगाकर प्रदूषण को मात देने के मामले में दुनिया के रोल मॉडल बन सकते हैं। हमें दिल्ली की मिट्टी को पुन: सांस लेने योग्य बनाना होगा, अन्यथा हमारा दम घुटता रहेगा।

दिल्ली सरकार को दिल्ली एनसीआर में आने वाली प्रत्येक कार तथा वाहनों पर एयर सेस लगाना चाहिए। इस टैक्स का इस्तेमाल कृषि वानिकी एवं नगरीय बागवानी को सहयोग देने में किया जा सकता है। दिल्ली सरकार को दिल्ली में अनियंत्रित ओला-नगरीकरण पर भी अंकुश लगाना होगा। मेरे पास कार नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि वाहनों की राशनिंग पर आधारित सम-विषम योजना बेहतर काम करेगी यदि सरकार उबर और ओला को असीमित रूप से शहर में न चलने दे। अब दक्षिण दिल्ली जैसे इलाकों में साइकिल पथ बनाए जाने की आवश्यकता है।

अंत में, दिल्ली के सभी निवासियों को यह अवश्यक महसूस करना होगा कि पराली जलाने का काम वर्षभर नहीं चलता फिर भी हम वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के शिकार होते हैं। सरकार, उद्योग एवं किसान सीमाओं के भीतर काम कर सकते हैं। हमें सामूहिक रूप से अति आत्मविश्वास को त्यागना होगा और वायु प्रदूषण को अपने जीवन को नष्ट करने से रोकना होगा। हमारी कारें, धन और एयर प्यूरीफायर हमें और हमारे बच्चों को बचाने के लिए पर्याप्त नहीं है। हमें अपने मस्तिष्कों तथा वायु के औपनिवेशीकरण का प्रतिरोध करने की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि हम कचरे को साफ कर दिल्ली को प्रकृति एवं जीवन से परिपूर्ण बनाकर अपने शहर को पारिस्थितिकीय दास बनने से बचाएं।

हमें कदम उठाना होगा, अथवा अपनी खुद की गलतियों से विषाक्त होते रहेंगे। मैं दिल्ली को सांस लेने का अधिकार अक्षुण्ण रखने के लिए जीवन एवं पारिस्थितिकीय प्रतिरोध को चुनता हूं, क्या आप चुनेंगे?

भारत को नई साझीदारियों की आवश्यकता

भारत को कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों के साथ संपर्क बनाते हुए तेल सुरक्षा संबंधी दूरदृष्टि को व्यापक बनाना होगा जो देशीय उत्पादन बढ़ाने से परे हो।

उत्तम गुप्ता
लेखक नीति विश्लेषक हैं।

उत्तरोत्तर सरकारों द्वारा ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जोर-शोर से तेल व गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने संबंधी बातें किए जाने के बावजूद, हम अपनी आवश्यकताओं से 20 प्रतिशत कम उत्पादन कर रहे हैं। 80 प्रतिशत से ऊपर का संतुलन आयात के द्वारा होता है। इससे हमारी कमजोरी उस स्तर तक पहुंच जाती है जहां आयातों के बड़े स्रोतों में से किसी में भी मामूली सा व्यवधान बड़ी समस्याएं पैदा कर देता है जो देश की अर्थव्यवस्था में अस्थिरता पैदा करने के लिए काफी होता है। समस्या संसाधनों के अभाव की नहीं है। भारत में 26 अवसादी घाटियां हैं जो 3.24 मिलियन वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैली हुई हैं। लेकिन, अनुकूल नीतिगत माहौल का अभाव एवं जटिल विनियामक प्रक्रियाओं ने तकनीकी, विशेषज्ञता एवं पूंजी से परिपूर्ण वैश्विक कम्पनियों को खनन, विकास एवं वाणिज्यीकरण में निवेश करने से हतोत्साहित किया है। वर्तमान समय में, केवल 0.518 मिलियन वर्ग किलोमीटर छह अवसादी बेसिन अथवा कुल क्षेत्र का मात्र 16 प्रतिशत हिस्सा वाणिज्यिक दोहन के अंतर्गत आता है। यहां तक कि इन छह बेसिनों का दोहन भी पर्याप्त नहीं हो रहा है।

अंतरवाही प्रक्रिया का एक बहुत बड़ा हिस्सा बांबे हाई तथा दक्षिण बेसिन मैदानों आदि, चार वर्षपूर्व खेजे गए क्षेत्रों से आता है, और हालिया समय में कोई बड़ी खोजें नहीं हुई हैं। एकमात्र अपवाद 2000 के दशक के पूर्वार्द्ध में पाया गया कृष्णा-गोदावरी बेसिन था, जिसे देश के कुल गैस उत्पादन में 50 प्रतिशत योगदान के लिए जाना जाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा संचालित हाई प्रोफाइल केजी-डी6 के साथ वह भी बहुत मामूली साबित हुआ जहां 10 टीसीएफ के शुरुआती अनुमान के विपरीत मात्र 2 ट्रिलियन घन मीटर के भंडार निकले थे। मोदी सरकार ने कठिन गहरे व अतिशय गहरे जल क्षेत्र में खुदाई के लिए एक तरफ तो ऊंचे दाम देकर बड़ी-बड़ी ऊर्जा कम्पनियों को आकर्षित करने का प्रयास किया है तो दूसरी ओर 2017 हाइड्रोकार्बन उत्खनन एवं लाइसेंसिंग नीति के अंतर्गत कीमत निर्धारण एवं विपणन की स्वतंत्रता देने की पेशकश भी की है। इसने मंजूरी के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने एवं नौकरशाही बाधाएं दूर करने का भी प्रयास किया है। लेकिन, आपूर्ति, वितरण एवं उपयोग पर नियंत्रण बने हुए हैं, जबकि बहुल कीमत व्यवस्थाएं, आपूर्ति स्रोत तथा हाइड्रोकार्बन टाइप पर निर्भर करते हुए, भ्रामक संकेत देती हैं।

क्षेत्रों से होने वाले उत्पादन में उछाल प्राप्त करने के मामले में किसी भी बड़ी सफलता की अनुपस्थिति में जो 1999 की नई अन्वेषण एवं लाइसेंसिंग नीति के तहत एवं तीन दौर की लगी बोलियों के प्रति ठंडी प्रतिक्रिया के चलते, यह संभव नहीं है कि भारत मोदी सरकार के वादे के मुताबिक रियायतों पर 10 प्रतिशत निर्भरता कम करने में सफल हो पाएगा। इसलिए, केंद्र को देश की तेल एवं गैस आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिए अन्य विकल्प खोजने की आवश्यकता है।

पहले विकल्प में शामिल है निर्यातकों के साथ दीर्घकालीन जुड़ाव के अंतर्गत आवश्यकताओं के एक बड़े हिस्से की सोर्सिंग किया जाना, छोटा अंतराल छोड़ते हुए, कीमतों में उतार चढ़ाव का लाभ उठाने के लिए, किसी स्थल को खरीदने हेतु, जो किसी दिए हुए समय पर वैश्विक मांग-आपूर्ति पर निर्भर करता है।

भारत तेल का तीसरा सबसे बड़ा आयातक है, हम बेहतर कीमतों पर मोलभव करने के लिए इसका लाभ उठा सकते हैं। किसी अन्य बड़े खरीददार, यथा चीन, के साथ हाथ मिलाकर देश की मोलभाव की शक्ति को सुधारा जा सकता है मगर यह कहना सरल है करना कठिन। हालांकि, ऐसे संबंधों में एक क्लाज के कारण व्यवधान का खतरा सदैव बना रहता है।

दूसरा विकल्प भारतीय कम्पनियों के लिए है विदेशी तेल एवं गैस परिसंपत्तियों में धारिता हिस्सा प्राप्त करना जिसमें पुन: खरीद की व्यवस्था हो। उदाहरण के लिए, एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, का 20 देशों में सहभागिता हित जुड़ा हुआ है। आरआईएल, ने भी कुछ क्षेत्राधिकारों में परिसंपत्तियां हासिल की हैं। लेकिन यह मार्ग निवेश के मूल्य में भारी अपरदन जोखिम का विषय है, जैसा कि आरआईएल और ओवीएल ने पहले ही अनुभव किया है।

तीसरा विकल्प है जिसमें 'अरामको' जैसी विशाल वैश्विक कम्पनी, जो सऊदी अरब सरकार के स्वामित्व वाली विशाल पेट्रोलियम कम्पनी है और दुनिया की सबसे बड़ी तेल आयातक है, उन भारतीय कम्पनियों में हिस्सेदार बने जो तेल उत्पादों के शोधन एवं विपणन का कार्य करती हैं। यह रास्ता उपरोक्त दो विकल्पों के अंतर्गत आने वाली कमजोरियों से मुक्त है। पहले से ही, भारत के इस नीचे गिरते क्षेत्र में, शोधन, पेट्रोकेमिकल्स, खुदरा व्यापार, आदि में 100 अरब डॉलर का निवेश करने को इच्छुक सऊदी अरब के इरादों के साथ, अरामको ने 60 अरब डॉलर की वेस्ट कोस्ट रिफायनरी में 25 प्रतिशत धारिता हेतु प्रस्ताव रखा है और अन्य 25 प्रतिशत अबु धाबी राष्ट्रीय तेल कम्पनी 'एडनोक' से आएगा और महाराष्ट्र में एक पेट्रोकेमिकल परियोजना है जिसमें अन्य 50 प्रतिशत में इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड का स्वामित्व होगा।

यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के तेल एवं गैस संसाधनों में भी 20 प्रतिशत की हिस्सेदारी पाने पर विचार कर रही है। इस साझीदारी/संयुक्त उद्यम का सर्वाधिक अहम पहलू है वेस्ट कोस्ट रिफायनरी की आवश्यकता का 50 प्रतिशत पूरा करने के लिए अरामको द्वारा कच्चे तेल की आपूर्ति का आश्वासन दिया जाना। यह व्यवस्था पारस्परिक रूप से लाभकारी है। जबकि, एक ओर, भारत को वह मिलेगा जिसकी उसे सर्वाधिक आवश्यकता है, वह है वांछित मात्रा में कच्चा तेल दीर्घकालिन आधार पर किसी व्यवधान के बगैर प्राप्त होना, दूसरी ओर, सऊदी अरब को वह मिलेगा जिसकी उसे सर्वाधिक आवश्यकता है, जो है अपने आय स्रोतों का विविधीकरण करना, और इस तरह कच्चे तेल पर अपनी अत्यधिक निर्भरता को कम करना। दोनों देशों द्वारा अपने अपने लाभ के लिए पारस्परिक सहयोग का उससे उपयुक्त उदाहरण और कुछ नहीं हो सकता। भारतीय कम्पनियां ऐसी ही व्यवस्थाएं इराक, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य बड़े आपूर्तिकर्ताओं के साथ भी बना सकती हैं, जो केवल कच्चे तेल पर अपनी अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए व्याकुल हैं और अपनी अर्थव्यवस्था को कीमतों में उतार चढ़ाव के प्रभावों से अछूता बनाना चाहते हैं। हमारे परिप्रेक्ष्य से, यदि उनकी कच्चा तेल उत्पादन सुविधाओं में निर्गत की हानि होती है, तो भारतीय फर्मों में सहस्वामित्व होने के नाते, वे देश को होने वाली आपूर्ति में कटौती नहीं करेंगे। इसे एक कदम आगे बढ़ाने के लिए, सरकार अपना सारा दांव तेल शोधन एवं विपणन सार्वजनिक उपक्रमों में सामरिक निवेशकों पर लगा सकती है जिनका कच्चे माल संसाधनों पर स्वामित्व तथा नियंत्रण है।

चालू वर्ष में 105,000 करोड़ अर्जित करने के लिए निवेश के अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर, इसने बीपीसीएल की अपनी 53.5 प्रतिशत शेयरधारिता बेचने का निर्णय लिया है। यदि, इसे अरामको अथवा एडनोक को बेचा जाता है, तो इससे न केवल 57,000 करोड़ का राजस्व प्राप्त होगा बल्कि कच्चे तेल की आपूर्ति भी सुनिश्चित हो जाएगी। मोदी सरकार एचपीसीएल को बेचने पर भी विचार कर सकती है, वर्तमान समय में जिसका स्वामित्व ओएनजीसी के पास है जो इसके बदले अधिकतर हिस्से की स्वामी है और इसे वैश्विक विशाल ऊर्जा कम्पनियों को बेचा जा सकता है। बीपीसीएल और एचपीसीएल की बिक्री में कोई कानूनी अड़चनें नहीं आएंगी, क्योंकि संबंधित विधायन, जिसकी परिणिति इन सार्वजनिक उपक्रमों के सृजन के रूप में हुई है, को 2016 में पहले ही स्थानापन्न किया जा चुका है।

इन पहलकदमियों पर आगे बढ़ते हुए, भारत के राजनीतिक वर्ग को तेल सुरक्षा व गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों के साथ संपर्क बनाते हुए तेल सुरक्षा संबंधी दूरदृष्टि को व्यापक बनाना होगा जो देशीय उत्पादन बढ़ाने से परे हो। इसके लिए उसे स्वयं को समाजवादी युग की मानसिकता से मुक्त करने की आवश्यकता है जा मानती है कि अहम संसाधन यथा तेल अनिवार्य रूप से सार्वजनिक उपक्रमों के अधीन होने चाहिए। ऐसे जगत में जहां आपूर्ति श्रंखला वैश्विक रूप से एकीकृत हो, ध्यान इस पर केंद्रित होना चाहिए कि किस तरह हमारे आर्थिक हितों की रक्षा हो न कि स्वामित्व की चिंता की जाए।

मोदी सरकार को उपलब्ध बेहतर विकल्पों में से श्रेष्ठतम को संयोजित करने की अपनी रणनीति निर्धारित करनी चाहिए जैसे कि घरेलू उत्पादन बढ़ाना, आपूर्तियों के लिए दीर्घकालीन संविदाएं, बड़ी वैश्विक तेल कम्पनियों को देश के शोधकों एवं खुदरा व्यापारिक उपक्रमों में हिस्से प्राप्त करने देना तथा टिकाऊ आधार पर हमारी बढ़ती आवश्यकताओं को पूर्ण करना सुनिश्चित करने हेतु कच्चे तेल व गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारतीय कम्पनियों को विदेशों में परिसंपत्तियां हासिल करने के अवसर प्रदान करना।

महाराष्ट्र की नई विधानसभा में भी परिवारों का दबदबा

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में 14 वीं विधानसभा के संपन्न हुए हालिया चुनाव में नामी-गिरामी राजनीतिक परिवारों के रिश्तेदार विधायक के तौर पर निर्वाचित होने में कामयाब रहे।

राकांपा संस्थापक शरद पवार के भतीजे और बारामती के विधायक अजित पवार को भतीजे रोहित पवार का भी साथ मिलेगा। रोहित पवार ने भाजपा के विधायक और मंत्री राम शिंदे को करजात जामखेड़ से हराया। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के भतीजे रानाजगजीत सिन्हा पाटिल भाजपा के टिकट पर तुलजापुर से चुने गए। पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे-अमित और धीरज देशमुख क्रमश: लातूर सिटी और लातूर ग्रामीण सीटों से जीते। राकांपा के लिए बबन शिंदे ने अपनी मढा सीट कायम रखी और छोटे भाई संजय शिंदे सोलापुर जिले में राकांपा समर्थित निर्दलीय के तौर पर करमाला से जीते। राकांपा के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने नासिक जिले में एओला सीट बरकरार रखी जबकि उनके बेटे पंकज को नंदगांव सीट पर हार का सामना करना पड़ा।पर्ली में निवर्तमान विधायक और मंत्री पंकजा मुंडे को उनके चचेरे भाई और वरिष्ठ राकांपा नेता धनंजय मुंडे ने हराया। नासिक पश्चिम में सीमा हीरे ने राकांपा की अपनी रिश्तेदार अपूर्वा हिरे को हराया। निलंगा में भाजपा के मंत्री संभाजी पाटिल निलंगेकर और उनके चाचा और कांग्रेस उम्मीदवार अशोक निलंगेकर के बीच मुकाबला था। संभाजी पाटिल को यहां पर जीत मिली। अशोक पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर के बेटे हैं। बीड में इसी तरह का मुकाबला हुआ, जहां राकांपा के संदीप क्षीरसागर ने चाचा और मंत्री जयदत्त क्षीरसागर को हराया। इसके विपरीत अहेरी सीट पर रांकपा के धर्मराव अतराम ने अपने भतीजे और भाजपा उम्मीदार अंबरीश अतराम को हराया। नई पीढ़ी से पारिवारिक विरासत को आगे ले जाने के लिए आने वाले नेताओं में राकांपा नेता सुनीत तटकरे की बेटी अदिति ने श्रीवर्द्धन से जीत हासिल की जबकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की बेटी परिणिति शिंदे लगातार तीसरी बार सोलापुर सिटी मध्य सीट बरकरार रखने में कामयाब रहीं।पुसाड में राकांपा नेता मनोहर नाइक के बेटे इंद्रनील ने भाजपा टिकट पर लड़ रहे निलय को हराया। दपोली में शिवसेना के मंत्री रामदास कदम के बेटे योगेश को जीत मिली जबकि शिवसेना के राज्यसभा सदस्य संजय राउत के भाई सुनीत राउत मुंबई के विखरोली निर्वाचन क्षेत्र में जीते।बहुजन विकास आघाड़ी के उम्मीदवार पिता-पुत्र हितेंद्र ठाकुर और क्षितिज ठाकुर क्रमश: वसई और नालासोपारा से जीते।शिवसेना के नेता और मंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में पचपकडी सीट कायम रखी। उनके बेटे श्रीकांत, कल्याण सीट से सांसद हैं। कंकावली में नितेश राणे ने अपनी सीट कायम रखी जबकि पिता नारायण राणे भाजपा सांसद हैं। संतोष दानवे ने अपनी भोकारदन सीट पर फिर जीत हासिल की जबकि उनके पिता केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे जालना से सांसद हैं। राधाकृष्ण विखे पाटिल शिरडी सीट पर जीतने में कामयाब रहे जबकि पुत्र सुजय विखे पाटिल अहमदनगर से भाजपा सांसद हैं।

निर्दलीय उम्मीदवार रवि राणा ने अपनी बदनेरा सीट कायम रखी। उनकी पत्नी नवनीत राणा अमरावती से लोकसभा सदस्य हैं। राज्य से कांग्रेस के इकलौते सांसद सुरेश धानोरकड़ की पत्नी प्रतिभा वरोड़ा से जीतने में सफल रहीं। राहुल नरवेकर ने भाजपा के टिकट पर कोलाबा सीट से जीत हासिल की जबकि उनके ससुर रामराजे नाइक निंबालकर विधान परिषद के सभापति और राकांपा नेता हैं। कांग्रेस के दिवंगत नेता पतंगराव कदम के बेटे विश्वजीत कदम पालुस काडेगांव से जीतने में कामयाब रहे।

आपराधिक आरोपों का 176 नवनिर्वाचित विधायक कर रहे हैं सामना: एडीआर

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए नवनिर्वाचित 176 विधायक आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। चुनाव निगरानी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों में यह दावा किया गया है। राज्य विधानसभा के कुल 288 विधायकों में 285 विधायकों के हलफनामों का विश्लेषण करने पर पाया गया कि 62 प्रतिशत (176 विधायक) के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं, जबकि 40 प्रतिशत (113 विधायक) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं। एडीआर ने कहा है कि बाकी तीन विधायकों के हलफनामे का अध्ययन नहीं किया जा सका क्योंकि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उनके संपूर्ण कागजात उपलब्ध नहीं थे। निवर्तमान विधायकों और नवनिर्वाचित विधायकों के हलफनामों की तुलना करते हुए एडीआर ने कहा है कि 2014 के चुनाव में राज्य विधानसभा में 165 विधायक आपराधिक मामलों का सामना कर रहे थे और इनमें से 115 गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे थे। एडीआर के मुताबिक निवर्तमान विधानसभा की तुलना में नई विधानसभा में करोड़पति विधायकों की संख्या ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक नई विधानसभा में कुल 264 (93 प्रतिशत) करोड़पति विधायक हैं जबकि निवर्तमान विधानसभा में 253 (88 प्रतिशत) विधायक करोड़पति थे। विज्ञप्ति में कहा गया, नई विधानसभा में विधायकों की औसत संपत्ति 22.42 करोड़ रुपए है, जो 2014 में 10.87 करोड़ रुपए थी। इस बार के चुनाव में कम से कम 118 विधायक फिर से चुने गए और 2019 में पुन: निर्वाचित विधायकों की औसत संपत्ति 25.86 करोड़ रुपए है।

जम्मू कश्मीर, लद्दाख को समान लाभ मिलेंगे: सिंह

संवाददाता। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि अगले सप्ताह अस्तित्व में आने वाले दो नए केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू कश्मीर और लद्दाख को समान लाभ मिलेंगे और ए लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों को प्राप्त होंगे।

सिंह ने कहा कि पिछले सात दशक तक पूरे राज्य में लगातार यह शिकायत रही कि कुछ क्षेत्र और वर्ग भेदभाव महसूस कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि जम्मू की यह शिकायत थी कि अधिकतर लाभ कश्मीर घाटी को मिले और लद्दाख भी नजरंदाज महसूस करता रहा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, एक केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर जम्मू कश्मीर को 31 अक्टूबर से समान लाभ मिलेगा और यह लाभ समाज के सभी वर्ग एवं क्षेत्र को मिलेगा। यही केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ भी लागू होगा। केंद्र ने गत पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर राज्य को मिलने वाला विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था जो कि 31 अक्टूबर को अस्तित्व में आ जाएंगे। जम्मू कश्मीर से आने वाले सिंह ने कहा कि कश्मीर घाटी में भी कुछ परिवारों का भाग्य तेजी से बदला और उनकी उस आय के स्रोत का भी पता नहीं चला , वहीं आम आदमी आतंकवाद और राज्य की उदासीनता के बीच फंसा रहा। प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश सीधे तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय के नियंत्रण में रहेगा, सरकारी संसाधनों का समान वितरण होगा और इसके लिए जवाबदेही भी होगी। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह था कि शासन में पारदर्शिता की कमी थी। धीरे-धीरे इसमें सुधार होगा।

अहमदाबाद में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के साथ करीब 800 करोड़ की विकास योजनाओं का उद्घाटन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

रेलवे की माल ढुलाई आय 3,900 करोड़ घटी, यात्री राजस्व में भी कमी

नई दिल्ली। आर्थिक सुस्ती का असर दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में से एक भारतीय रेल के राजस्व पर भी दिखने लगा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रेलवे की यात्री किराए से आमदनी वर्ष की पहली तिमाही के मुकाबले 155 करोड़ रुपए और माल ढुलाई से आय 3,901 करोड़ रुपए कम रही। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगी गई जानकारी से यह खुलासा हुआ। मध्य प्रदेश में नीमच के आरटीआई कार्यकर्ता चंद्र शेखर गौड़ की ओर से दायर आरटीआई आवेदन से खुलासा हुआ है कि 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल - जून) में यात्री किराए से 13,398.92 करोड़ रुपए की आय हुई थी। यह आय जुलाई-सितंबर तिमाही में गिरकर 13,243.81 करोड़ रुपए रह गई। इसी प्रकार, भारतीय रेल को माल ढुलाई से पहली तिमाही में 29,066.92 करोड़ रुपए की कमाई हुई जो कि दूसरी तिमाही में काफी कम होकर 25,165 करोड़ रुपए रह गई। आर्थिक सुस्ती की वजह से टिकट की बुकिंग भी प्रभावित हुई।

सुरक्षा के मद्देनजर कान्हा से भोपाल के वन विहार लाया गया बाघ मुन्ना

एजेंसी। भोपाल

भारत के सबसे अधिक प्रसिद्ध बाघों में एक मुन्ना, जिसके माथे पर धारियों से केट और पीएम शब्द उभरते हैं, को कान्हा टाइगर रिजर्व से यहां वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया है। इस टी-17 नम्बर वाले 16 वर्षीय बाघ, जिसे मुन्ना नाम से जाना जाता है, को पूर्वी मध्य प्रदेश के मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व (केटीआर) से भोपाल स्थित वन विहार के वन्य प्राणी सुधार केन्द्र में लाया गया है। मुन्ना ने वहां जंगल में 18 अक्टूबर को 14 वर्षीय एक लड़की पर हमला कर उसे मार दिया था। इसी बाघ ने इस माह के प्रारंभ में रिजर्व से सटे जंगल में एक आदमी पर हमला किया था। वन विहार के पशु चिकित्सक अतुल गुप्ता ने कहा, मुन्ना जल्द ही नए वातावरण में अपने आप को ढाल लेगा। फिलहाल उसे एक बाड़े में रखा गया है। वह कौतूहल से अपने आस पास की जगह का अवलोकन कर रहा है।

केटीआर में पर्यटक सबसे अधिक मुन्ना को ही देखना चाहते थे क्योंकि उसके माथे पर धारियों से केट और पीएम आकृति उभरती है। यहां भी वन विहार में उसे देखने की चाहत में लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि मुन्ना को सुरक्षा के मद्देनजर कान्हा से वन विहार शिफ्ट किया गया है। वृद्धावस्था के कारण मुन्ना के चारों केनाइन (दांत) घिस चुके हैं और उसे वन्य-प्राणियों का शिकार करने में कठिनाई होती है। कम उम्र के नर बाघों के साथ वर्चस्व की लड़ाई से बचने के लिए इसने पिछले दो साल से अपना क्षेत्र कोर से हटाकर बफर एवं सामान्य वन मण्डल क्षेत्र में कर लिया था। आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने से इसने पिछले दो साल में करीब 26 पालतू पशुओं का शिकार किया, वहीं दो लोगों को घायल भी किया। गत 18 अक्टूबर को मुन्ना ने ग्राम झांगुल की कुमारी अमृता को मारकर अपना पेट भरने की कोशिश की थी।

ऐसे में उसे वहां से हटाकर वन विहार पहुंचा दिया गया। कान्हा से भोपाल तक के सफर के दौरान मुन्ना शांत रहा। उसे वन विहार के बाड़े में रखकर उसकी देखभाल की जा रही है। बाड़े में आते ही मुन्ना ने कमरे का पूर्ण निरीक्षण किया, पानी पिया और शांत भाव से बैठ गया।

कोलकाता के बाजी बाजार में पटाखों की बिक्री में भारी गिरावट, दुकानदार मायूस

कोलकाता। कोलकाता में रुक-रुक कर हो रही बारिश और अधिकारियों द्वारा काली पूजा और दिवाली के मौके पर तेज आवाज वाले पटाखों पर प्रतिबंध लगाए जाने के कारण यहां बाजी बाजार (पटाखा बाजार) में पटाखों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। बाजी बाजार शहर के मध्य भाग में स्थित है, जहां बड़े पैमाने पर आतिशबाजी के सामान मिलते हैं। यह आतिशबाजी बाजार राज्य सरकार की निगरानी में लगाया जाता है। प्रत्एक वर्ष काली पूजा और दीवाली के मौके पर लगभग एक सप्ताह तक यह बाजार लगता है।बाजी बाजार में दुकान लगाने वाले उमर भाई ने कहा कि ग्राहकों का एक बड़ा तबका फुलझुरी और चरखी जैसे पटाखे खरीदने में दिलचस्पी नहीं रखता है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि मुझे नहीं लगता, इस बार कुल बिक्री का आंकड़ा पांच लाख रुपए को भी पार कर पाएगा। अगर कल तक बारिश रुक भी जाती है, तो काली पूजा और दिवाली में केवल एक दिन बचेगा। हर गुजरते साल के साथ स्थिति और खराब होती जा रही है। बाजी बाजार का आयोजन करने वाले संघ के संयुक्त सचिव सांतनु दत्ता ने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस साल स्टॉलों की संख्या 52 से घटकर 39 रह गई है।

ममता के आवास पर काली पूजा में शामिल होने का बेसब्री से इंतजार: राज्यपाल

एजेंसी। बारासात

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें और उनकी पत्नी को अपने कोलकाता स्थित आवास पर काली पूजा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है और सामारोह में शामिल होने का उन्हें बेसब्री से इंतजार है। धनखड़ ने उत्तर 24 परगना जिले में बारासात में काली पूजा के एक पंडाल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 1978 से मुख्यमंत्री के कालीघाट स्थित आवास पर हर साल पूजा का आयोजन होता आया है और इसके लिए आमंत्रण मिलने से वह बहुत अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर बताया है कि मैं और मेरी पत्नी भाई दूज के अवसर पर उनके घर आना चाहते हैं। उत्तर बंगाल की अपनी यात्रा से लौटकर मुख्यमंत्री ने वापस पत्र लिखा और मुझे और मेरी पत्नी को उनके घर पर होने वाली काली पूजा में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। धनखड़ ने यहां पत्रकारों को बताया, उनका आमंत्रण मिलने से हमलोग बहुत खुश हैं और उत्सुकता से पूजा में शामिल होने का इंतजार कर रहे हैं। आशा है मुझे यहां किसी और सवाल का जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। दिलचस्प है कि बारासात क्लब के मुख्य संरक्षक और टीएमसी नेता धनखड़ को आमंत्रित किए जाने की बात कहकर अपने पद से हट गए जिससे शुक्रवार को विवाद पनप गया।

रेल डिब्बों को हल्का बनाकर रेलगाड़ियों की गति बढ़ाने की तकनीक विकसित करने का दावा

एजेंसी। नई दिल्ली

निजी क्षेत्र की कंपनी एक्मे इंडिया ने रेलगाड़ियों को तेज गति से चलाने और उनकी कार्यकुशलता बढ़ाने में सहायक हल्के और आधुनिक रेल डिब्बे बनाने की तकनीक विकसित करने का दावा किया है। एक्मे इंडिया इक्विपमेंट मैन्युफेक्चरर्स के निदेशक सूरज पांडे ने कहा, हमने रेल गाड़ियों में उपयोग के लिए ऐसा वॉल पैनल बनाया है जिससे डिब्बों का वजन करीब 600 किलो तक कम हो जाएगा। डिब्बा हल्का होने से रेलवे लक्ष्य के अनुसार रेल गाड़ियों को 160 से 180 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चला सकेगी। साथ ही कम ईंधन खपत के साथ कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। कंपनी ने रेल गाड़ियों को आग की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए आग प्रतिरोधक तकनीक के साथ बेहतर साफ-सफाई के लिए मोड्यूलर शौचालय भी बनाया है। ये शौचालय पानी रुकने और गंदगी की समस्या से निजात दिलाएंगे।

पांडे के अनुसार एक रेल डिब्बे का वजन करीब 4 टन (4000 किलो) होता है और कंपनी के वाल पैनल के उपयोग से इसमें 600 किलो तक की कमी आ सकती है। कंपनी डिब्बों के फ्लोर और छतों को भी हल्का बनाकर वजन में 2,000 किलो तक की कमी लाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। एक्मे इंडिया के हरियाणा के सोनीपत में तीन कारखाने हैं। कंपनी ने हाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रेल उपकरण प्रदर्शनी (22-24 अक्टूबर) में अपनी नई तकनीक से तैयार उत्पादों को पेश किया। उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में एक्मे इंडिया समेत देश-विदेश की 500 से अधिक कंपनियां शामिल हुईं। अन्य उत्पादों के बारे में पांडे ने बताया, हमने रेल गाड़ियों के लिए मोड्यूलर शौचालय भी बनाया है जो पानी रुकने और गंदगी की समस्या से निजात दिलाएगा। इसके अलावा हमने हमने रेलवे में आग से लगने की समस्या से छुटकारे के लिए फायर रेजिसटेंस कोटिंग बनाई है जो 1700 डिग्री तापमान में भी किसी प्रकार का नुकसान नहीं होने देगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के दौरान रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी ने हमारे उत्पादों की सराहना की और अधिकारियों से इन तकनीकों को रेलवे में उपयोग करने को कहा। उन्होंने कहा एक्मे इंडिया द्वारा निर्मित मॉड्यूलर टॉयलेट की लागत करीब 4.5 लाख रुपए है जबकि अभी उपयोग में लाए जा रहे शौचालय की लागत 6 लाख रुपए बैठती है। रेलवे के 500 से 1,000 डिब्बों में यूरोपीय मानकों वाले इन मॉड्यूलर शौचालय का उपयोग हो रहा है। तकनीक के बारे में पूछे जाने पर

बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत पुनर्वास कार्य जारी: येदियुरप्पा

एजेंसी। बेंगलुरू

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्य जोरशोर से चल रहा है और पैसों की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने हुबली में पत्रकारों से कहा कि उनका प्रशासन बाढ़ पीड़ितों से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा, बाढ़ के चलते लोगों को एक बार फिर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले की ही तरह उन्हें राहत मुहैया कराई जाएगी। मैंने जिला उपायुक्तों को बाढ़ पीड़ितों को सहायता मुहैया करने का निर्देश दिया है। इसके लिए राशि जारी कर दी गई है। एदियुरप्पा ने कहा कि कोष की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने अगस्त में बाढ़ के दौरान सरकार द्वारा शुरू किए गए राहत उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए मकानों के लिए पांच लाख रुपए और तत्काल राहत के तौर पर 10,000 रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि क्षतिगस्त मकानों के लिए पांच लाख रुपए में से एक लाख रुपए पहले ही जारी की जा चुकी है और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए मकानों के लिए एक लाख रुपए की सहायता राशि की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए।,200 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। वहीं, इस हफ्ते राज्य के कई हिस्सों में हुई बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई तथा बुधवार तक 10,038 मकानों को नुकसान पहुंचा।

जेल से चार विचाराधीन कैदी फरार हुए

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के उप जेल में बंद चार कैदी फरार हो गए हैं। फरार कैदियों में से दो कैदी हत्या और बलात्कार के आरोपी हैं। मुंगेली के थानेदार आशीष अरोड़ा ने आज यहां बताया कि शुक्रवार रात मुंगेली उप जेल से चार कैदी तरुण उर्फ छोटू, धीरज, ईदल और सुरेश पटेल फरार हो गए। अरोड़ा ने बताया कि फरार कैदियों में से तरुण उर्फ छोटू बलात्कार और धीरज हत्या का आरोपी है। सभी विचाराधीन कैदी हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि कल शुक्रवार रात करीब सवा बारह बजे उप जेल के बैरक क्रमांक तीन में बंद सभी कैदियों ने ताला तोड़ा और गमछे के सहारे फंदा बनाकर दीवार फांदकर फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उनकी तलाश शुरू कर दी गई। लेकिन अभी तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। इस बीच, इस घटना के बाद जेल प्रशासन ने दो प्रहरियों को निलंबित कर दिया।

कांग्रेस पांच दिसंबर को कर्नाटक उपचुनाव का सामना करने के लिए तैयार: सिद्धरमैया

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि यदि राज्य में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पांच दिसबर को 15 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होते हैं तो कांग्रेस उसका सामना करने को तैयार है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदले जाने संबंधी अटकलों के बीच कांग्रेस विधायक दल के नेता ने कहा कि उनकी जानकारी में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। उनके अनुसार पार्टी उपचुनाव के लिए तैयार है और उम्मीदवारों का चयन अंतिम चरण में है। सिद्धरमैया ने कहा, यदि चुनाव पांच दिसंबर को होते हैं तो हम तैयार हैं। उन्होंने हुबली में संवाददाताओं से कहा कि अयोग्य ठहराए गए विधायकों को लेकर उच्चतम न्यायालय का क्या फैसला आता है, उसे देखने के बाद उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या ए उपचुनाव में राज्य में भाजपा सरकार का भविष्य तय करेंगे और क्या मध्यावधि चुनाव होंगे, सिद्धरमैया ने कहा, यह इस पर निर्भर करता है कि उच्चतम न्यायालय अयोग्य ठहराए गए विधायकों के संदर्भ में क्या निर्णय लेता है, देखते हैं कि अदालत क्या फैसला सुनाती है। अयोग्य ठहराए गए जदएस-कांग्रेस के 17 विधायकों की सीटों में से 15 पर पांच दिसंबर को उपचुनाव होंगे। इन्हीं विधायकों के इस्तीफे और विश्वास प्रस्ताव पर मत विभाजन में गैर हाजिर रहने से कांग्रेस...जदएस गठबंधन सरकार गिर गई थी और भाजपा के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त हुआ था। तत्कालीन विधानसभाध्यक्ष के आर रमेश कुमार ने उन्हें विधानसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य करार दिया था। इन विधायकों ने उनके निर्णय को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है।

भ्रष्ट लोगों का बहिष्कार करने के बदले हम उनका सम्मान कर रहे हैं: हेगड़े

एजेंसी। बेंगलुरू

कर्नाटक के पूर्व लोकायुक्त संतोष हेगड़े ने धनशोधन के एक मामले में जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता डी के शिवकुमार का शनिवार को शहर में भव्य स्वागत किए जाने के बीच बिना किसी का नाम लिए कहा कि भ्रष्ट व्यक्तियों के बहिष्कार के बदले उनका सम्मान किया जा रहा है। धनशोधन के एक मामले में जमानत पर दिल्ली की एक जेल से रिहाई के बाद शिवकुमार का यहां भव्य स्वागत किया गया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हेगड़े ने कहा कि ईमानदार व्यक्तियों का सम्मान ठीक है लेकिन यदि भ्रष्टों का सम्मान हो तो यह गलत है। इस सवाल पर कि जेल से रिहा हुए व्यक्तियों का भव्य स्वागत किया जा रहा है, हेगड़े ने कहा, हम यह देख रहे हैं, मैं कोई नाम नहीं लेना चाहता। हम यह न केवल यहां बल्कि अन्य स्थानों पर भी देख रहे हैं। उनका बहिष्कार करने की बजाय, हम उनका सम्मान कर रहे हैं। हमें ऐसे समाज को बदलना होगा। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में समाज में मूल्य स्थापित करने की जरूरत पर बल दिया ताकि लोग परिवर्तन लाने के लिए स्वयं काम करने लगें। उन्होंने कहा, पहले यही समाज भ्रष्टों का बहिष्कार किया करता था, वह बात आज नहीं है..हम देख रहे हैं कि प्रतिदिन क्या हो रहा है। शिवकुमार को प्रवर्तन निदेशालय ने गत तीन सितम्बर को गिरफ्तार किया था और वह बुधवार शाम तिहाड़ जेल से रिहा किए गए। दिल्ली उच्च न्यायालय ने धनशोधन मामले में उन्हें जमानत प्रदान की। प्रदेश भाजपा ने भ्रष्टाचार और धनशोधन मामले में जेल से रिहा किए गए शिवकुमार का भव्य स्वागत करने को लेकर कांग्रेस की मानसिकता पर सवाल उठाया। कर्नाटक भाजपा ने ट्वीट किया, उस राजनीतिक पार्टी की मानसिकता क्या होगी जो भ्रष्टाचार और धनशोधन मामले में जेल से रिहा किए गए अपने नेता का भव्य स्वागत करती है? वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले 57 वर्षीय शिवकुमार का बेंगलुरू ग्रामीण के पुराने मैसुरू क्षेत्र, रामनगर, मंड्या और आसपास के क्षेत्रों में अपना आधार है। उनके आगमन पर समर्थकों ने उनका स्वागत फूलों से किया और खुशी में पटाखे भी छोड़े।

बेंगलुरू पहुंचे कांग्रेसी नेता शिवकुमार का समर्थकों ने किया जोरदार स्वागत

बेंगलुरू। धनशोधन मामले में तिहाड़ जेल से जमानत पर रिहा होने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी के शिवकुमार का शनिवार दोपहर यहां शहर के हवाई अड्डे पर आगमन के बाद सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। वोक्कालिगा समुदाय के प्रभावशाली नेता शिवकुमार (57) के आने पर समर्थकों ने उन्हें माला पहनाई और पटाखा चलाकर उनका स्वागत किया। सेब की एक माला भी उन्हें पहनाई गई। बेंगलुरू ग्रामीण, रामनगर, मंड्या और आसपास के क्षेत्र में शिवकुमार का अच्छा खासा प्रभाव है। खुली कार में सवार शिवकुमार का एक काफिला हवाई अड्डे से केपीसीसी कार्यालय पहुंचा। इस काफिला में उनके कई समर्थक भी थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन सितंबर को धनशोधन मामले में शिवकुमार को गिरफ्तार किया था। उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद बुधवार शाम वह नई दिल्ली में तिहाड़ जेल से बाहर निकले। उनकी गिरफ्तारी के बाद रामनगर, बेंगलुरू ग्रामीण, मंड्या और पुराने मैसूर के अन्य क्षेत्रों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे।

धनशोधन मामले में तिहाड़ जेल से जमानत पर रिहा होने वाले कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार बेंगलुरु में जोरदार स्वागत किया गया

बड़े साहब के पीछे

एलडीए में बड़े साहब को सीतापुर रोड योजना को पुर्नजीवित करने का श्रेय दिया जा रहा है। दशकों पुरानी योजना को छोड़ने की योजना बना रहे एलडीए अफसरों के लिए बड़े साहब की सकारात्मक सोच बूस्टर का कार्य कर रही है। अब जब बड़े साहब प्रबंधनगर योजना के प्रभु बनने गए तो छोटे साहब भी मैदान मारने को उठ खड़े हुए। फिर क्या था बड़े साहब के आदेशों का निर्वहन करने में दो कदम आगे दिखने लगे। छोटे साहब योजना के सफल क्रियान्यवन पर फूले नहीं समा रहे हैं। आखिरकार बड़े साहब के कार्यों की सराहना भी छोटे साहब अपनी समझ खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। अधिकारी के साथ आने वाली भटकती जनता भी प्रभु गुन गा रही है। छोटे साहब पूरी तौर पर बड़े साहब के रंग में रगे नजर आ रहे हैं। फिलहाल क ई लोग छोटे साहब पर चुटकी लेने से नहीं चूकते और कह देते हैं। बेचारे करें तो क्या करें। इनका हाल भी बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना जैसा ही है। शहर में भले ही अवैध बिल्डिंगों का निर्माण धड़ल्ले से चल रहा है लेकिन रोकने के नाम पर बस सीलिंग तक ही सीमित है एलडीए। बावजूद इसके अधिकारी अपने गुन गा लें और अपने मुंह मियां मिठ्ठू बन लें क्यों कि बड़े साहब के चाबुक से कई खिलाड़ी हास्पिटल पहुंच चुके हैं। ऐसे में कौन घायल होना चाहेगा । आखिर मरता क्या न करता बेचारे छोटे साहब विकास कार्य और योजना के सफल होने में ही खुश हैं।

सबसे आगे जी-हुजूरी

सूई-दवाई वाले विभाग के आला मुखिया ने हॉल में एक फरमान जारी किया था। फरमान उन कर्मचारियों को उनके मूल विभाग में रिवर्ट करने के लिए था जो सम्बद्धता के नाम पर मलाई खा रहे थे। फरमान में तत्काल रिलीव करने के साथ ही यह कहा गया था कि अगर ड्यूटी नहीं ज्वाइन करते हैं तो फिर स्वत: कार्यमुक्त समझा जायेगा। फरमान के जारी होने के बाद धीरे-धीरे माह व्यतीत होने का समय आ गया है पर अभी तक मलाई खाने वाले कर्मचारी वहीं जमे पड़े हैं। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह जी-हजूरी बताई जा रही है। अब जी-हजूरी किसको पसंद नहीं है। ऐसे में साहबान भी कामकाज का हवाला देकर रिलीव नहीं होने दे रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों की संख्या सैकड़ों में है जो सम्बद्धता के नाम पर काम करने के बजाय सिर्फ जी-हजूरी कर नौकरी भी चला रहे हैं और काम कराने के नाम पर मलाई भी ऐंठ रहे हैं जबकि इन कर्मचारियों के चलते उनका मूल तैनाती स्थल प्रभावित हुआ जा रहा है। मूल तैनाती स्थल पर तैनात साहब की समस्या है कि उनके पास मैनपॉवर नहीं है। अब ऐसे में एक ही काम हो सकता है या तो साहब की जी-हजूरी हो या फिर तैनाती वाले स्थल पर काम। फिलहाल आला मुखिया का यह फरमान बेकार साबित हो रहा है और वर्षों से मलाई खाने वाले मलाई खा रहे हैं।

जल प्लस बिजली

बड़े महाराज की नजरों में ऊंचा उठने के लिए सिंह साहब एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं। वैसे भी सिंह साहब पर बड़े महाराज पहले से ही मेहरबान चल रहे हैं। इसी का परिणाम है कि बड़े महाराज ने विभाग बटवारे के दौरान सिंह साहब पर अपनी कृपा बरसाते हुए उन्हें जल शक्ति जैसा बड़ा महकमा थमा दिया है। जब से सिंह साहब को जल का सानिध्य मिला है उनमें बिजली जैसे तीव्रता आ गई है। आलम यह है कि सिंह साहब जल शक्ति का काम भूल कर अब बिजली निर्माण के काम में जोर-शोर से जुट गए हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उनकी नजर अब बिजली महकमे पर भी पड़ गई है। शायद यही कारण है कि उन्होंने लक्ष्य बना लिया है कि बड़े महाराज की नजरों में नम्बर वन बनने के लिए वे जल शक्ति पर तो नियंत्रण करेंगे ही साथ में बिजली पर भी अपना कब्जा जमाएंगे। इसके लिए सिंह साहब बड़े जोर-शोर से इस तैयारी में जुट गए हैं कि आने वाले समय में वह जल शक्ति से ही बिजली का निर्माण कर नया इतिहास रचेंगे और बड़े महाराज से और बड़ा आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

...फिर भी जलवा कायम

हिन्दूवादी नेता की हत्या क्या हुई खाकी वाले महकमे के मुखिया के विरोधी पूरी तरह से उनके पीछे पड़ गए हैं। इनमें खुफिया विभाग की कमान संभालने वाले एक अफसर भी बताए जाते हैं। विरोधी लगातार प्रयासरत हैं कि उनकी विदाई हो जाए लेकिन भगवा सरकार के मुखिया की कृपा के चलते कोई भी उनका बाल भी बांका नहीं कर पा रहा। इस बार विरोधी पूरी तरह आश्वस्त थे कि दीवाली से पहले उनका दिवाला निकल जाएगा लेकिन किस्मत ने साथ दिया और 24 घंटे के अंदर न सिर्फ केस वर्कआउट हो गया बल्कि चार दिनों में ही सभी अभियुक्त भी पकड़े गए। हालांकि विरोधियों ने अभी भी हार नहीं मानी है और लगातार सरकार के कान भरे जा रहे हैं। अब यह समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि खुलासा और गिरफ्तारी सभी तो गांधीजी वाले प्रदेश की कृपा से हुई इसमें यहां का योगदान कहां है। खाकी वाले मुखिया को भी इसकी भनक है और वह लगातार अपनी सफाई पेश करने के साथ ही विभिन्न प्लेटफार्म पर मजबूती से अपनी बात रख रहे हैं कि उनका और उनके अधिकारियों का क्या योगदान रहा।

चश्म-ए-तूफान

योगी सरकार की एक महिला मंत्री को कुछ दिनों पहले एक खूबसूरत विदेशी चश्मा गिफ्ट में मिला। यह चश्मा मंत्री महोदया के स्टाफ में कार्यरत और पहाड़ से नाता रखने वाली एक महिला अधिकारी की तरफ से दिया गया। बताते हैं कि महिला अधिकारी के पति विदेश गये थे जहां से वह कुछ गिफ्ट लेकर आए थे। इन्हीं में यह चश्मा भी शामिल था। महिला मित्र से मिला चश्मा मंत्री को पसंद आया और वह इसे लगाने लगीं। बात यहां तक तो ठीक थी लेकिन एक दिन यह चश्मा महिला मंत्री के नेता पति ने लगा लिया। थोड़ी देर में उन्हें यह चश्मा इतना ज्यादा पसंद आ गया कि वह इसके दीवाने हो गये। पत्नी से जब चश्मा मिलने की पूरी कहानी पता चली तो नेता पति उस महिला अधिकारी के पास जा पहुंचे और एक ऐसे ही चश्मे की ख्वाहिश जाहिर कर दी। महिला अधिकारी वैसा ही चश्मा देने का वायदा कर बैठीं। उन्हें घर में एक और वैसा ही चश्मा होने का भरोसा था। चश्मे के लिये जब घर में तलाश शुरू की तो पता चला कि बचा चश्मा उनके पति अपनी किसी महिला मित्र को दे आये हैं। मंत्री पति को खुश करने के लिये महिला अधिकारी ने अपने पति को चश्मा वापसी का फरमान सुनाया है। पति मुश्किल में हैं। महिला मित्र को गिफ्ट में दिया गया चश्मा कैसे वापस मांगें। चश्मे के चक्कर में महिला अधिकारी के घर में तूफान की दस्तक हो रही है।

पुलिस और संवेदनशील होकर करे जनता की सुरक्षा: योगी

मुख्यमंत्री ने किया एकीकृत आपात सेवा 112 व वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा पहल 'सवेरा' का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में एकीकृत आपात सेवा 112 शुरू हो गयी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को 112 और वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा पहल 'सवेरा' का एक साथ शुभारंभ किया। 100 नंबर को 112 नंबर पर परिवर्तित करने की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली गयी थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून का राज स्थापित करने में पुलिस की बहुत बड़ी भूमिका है। प्रदेश के सभी पुलिस कर्मियों को और संवेदनशील होकर जनता की सुरक्षा का काम करना होगा। तकनीक का इस्तेमाल कर पुलिस आमजन के नजदीक पहुंचने में कामयाब होगी। योगी ने कहा कि नई व्यवस्था में क्षेत्रीय भाषा में पुलिस पीड़ित से बात करेगी। उन्होंने कहा कि अब लोगों को विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग नंबर याद करने की आवश्यकता नहीं है। सभी आपातकालीन सेवाओं को इंट्रीग्रेटेड करते हुए यह कार्य किया गया है। 108 पर रिस्पांस नहीं मिल रहा है तो 112 डायल कर वही सुविधा प्राप्त किया जा सकता है। इस सेवा के माध्यम से रिस्पांस टाइम को कम करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी कुछ समय तक डॉयल 100 साथ चलेगी लेकिन एक समय के बाद यह समाप्त हो जाएगी। हमें एकीकृत आपात सेवा के तौर पर 112 को आगे बढ़ाना होगा। इसे प्रमोट करने लिए आज से ही प्रयास शुरू कर देना चाहिए। 108, 102 मेडिकल सेवाएं, 1090 वुमेन पावर हेल्प लाइन, महिला हेल्प लाइन 181, सीएम हेल्प लाइन, फ ायर, एम्बुलेंस आदि सभी प्रकार की सेवाओं को एक साथ जोड़ने की दिशा में की गई यह पहल अच्छा उदाहरण बन सकती है। 112 के रिस्पांस टाइम को कम करने के लिए इसके रूट चार्ट की व्यवस्था होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा हम देखते हैं कि कई जगहों पर खासकर नगरीय क्षेत्रों में बुजुर्ग पति-पत्नी अकेले रहते हैं। उनका कोई सहारा नहीं होता है। सवेरा पहल उनमें नया विश्वास पैदा करेगा। आज पहले दिन सवेरा पहल के अन्तर्गत 112 भवन में लगे पंजीकरण शिविर में 100 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने पंजीकरण कराया। इसी प्रकार की पहल हमें महिला सुरक्षा की दृष्टि से भी करनी चाहिए और थाना स्तर पर एक सेल गठित करना चाहिए, जो महिला सुरक्षा से जुड़ी हो।

दीपावली पर राज्यपाल और सीएम ने दी बधाई

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाश पर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनकी सुख-समृद्धि की कामना की है। अपने बधाई संदेश में कहा है कि दीपों का यह पर्व समृद्धि का प्रतीक है। दीपावली का पर्व सभी लोगों के जीवन में उजाला लाये एवं नई खुशियों का संचार करे। उन्होंने कहा कि असली खुशी दूसरों के साथ अपनी खुशी बांटने में ही निहित है। हमें ऐसे पावन अवसरों पर अपने साथ उन्हें भी लेकर चलना चाहिए जो दु:खी तथा जरूरतमंद हों। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली असत्य अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध संघर्ष एवं विजय का उत्सव है। यह अन्धकार पर प्रकाश, कपट व कटुता पर सरलता व सद्भाव की विजय का भी द्योतक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली पर्व का आयोजन तब से होता आ रहा है, जब लंका विजय एवं 14 वर्ष के वनवास के प्रश्चात भगवान श्रीराम, माता सीता और अपने अनुज लक्ष्मण के साथ अयोध्या पहुंचे थे। उनके आगमन पर अयोध्यावासियों ने हर्षोल्लास से अमावस की काली रात को दीपकों के प्रकाश से आलोकित कर दिया। प्रकाश पर्व दीपावली उसी परम्परा को जीवन्त करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण के प्रति सतर्क रहने का आह्वान करते हुए कहा कि पटाखों का उपयोग करते समय जागरूकता एवं संवेदनशीलता का परिचय दिया जाना चाहिए।

वीडियो कांफ्रेंसिंग कर डीजीपी ने की प्रयागराज व वाराणसी जोन की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी ओपी सिंह ने शनिवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रयागराज और वाराणसी जोन के अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। डीजीपी की वीडियो कांफ्रेंसिंग में प्रयागराज एवं वाराणसी जोन के जोनल अपर पुलिस महानिदेशक, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक-पुलिस अधीक्षक मौजूद थे। डीजीपी ने विगत माह में घटित घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा की गयी। बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक कानून.व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक अपराध, पुलिस महानिरीक्षक कानून-व्यवस्था, पुलिस अधीक्षक अपराध सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजीपी द्वारा प्रयागराज एवं वाराणसी जोन के जनपदों में विगत में घटित लूट सहित अन्य घटनाओं की समीक्षा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक-पुलिस अधीक्षकों को अनावरित घटनाओं के शीघ्र अनावरण व अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए। जघन्य एवं संवेदनशील अपराधों, लूट आदि की रोकथाम के लिए और अधिक बेहतर कार्रवाई के सम्बन्ध में कार्ययोजना के तहत प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी।

उप चुनाव परिणामों से नाखुश बीजेपी त्योहार बाद करेगी समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप चुनाव में मनमाफिक परिणाम हासिल न कर पाने से बीजेपी चिन्तित है। एक सीट का नुकसान उठाने और मतदाताओं का बूथ तक न पहुंचाने को लेकर संगठन चिंतन कर रहा है कि लगातार बूथ अध्यक्षों के साथ बैठकें करने के बाद भी मतदाताओं में जागरूकता क्यों नहीं आई। ऐसे कई सवाल हैं जिसको लेकर संगठन त्योहार बाद बैठेगा और अगले लक्ष्य को साधने से पहले कमियों को दूर करने का प्रयास करेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इन सभी 11 सीटों पर सरकार और संगठन दोनों ने ही काफी मशक्कत की थी।

चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के कई कार्यक्रम सभी 11 जिलों में लगे थे और चुनाव के दौरान भी योगी ने जनसभाओं को संबोधित किया। पार्टी सूत्रों की मानें तो लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से पार्टी प्रचंड बहुमत मिला था उसे देखकर यही अंदाजा लगा था कि उप चुनाव में अपनी सीटों के अलावा भी अन्य दलों में सेंध लगाएगी। मगर ऐसा नहीं हुआ। सूत्रों की मानें तो केंद्रीय नेतृत्व ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रदेश संगठन को इन चुनाव परिणामों पर चिंतन करने के लिए कहा है। वह इसलिए की योगी सरकार के कार्यकाल का आधा समय निकल चुका है। जो परिणाम आए हैं उससे जाहिर हो रहा है कि 2022 के लिए पार्टी को अभी से होमवर्क करना होगा। विपक्ष इस नुकसान को लेकर मुद्दा न बनाने पाए इससे पहले ही संगठन को अपनी कमियों को दूर करना पड़ेगा।

कुकरैल नदी को अपने स्वरूप में लाने के दिए निर्देश

- कुकरैल का सौंदर्यीकरण एवं विकास पर अधिकारियों के साथ मंडलायुक्त की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कुकरैल नाले को नदी में विकसित करने के लिए मंडलायुक्त द्वारा नगर निगम, सिंचाई सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने नाले से नदी के स्वरूप में गोमती को लाने के लिए अफसरों को सभी प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। अतिक्रमण और बहाव में आने वाली रुकावटों को दूर करने का निर्देश दिया है।

मण्डलायुक्त मुकेश मेश्राम की अध्यक्षता में कुकरैल नदी के डेवलपमेन्ट व सौन्दर्यीकरण करायें जाने का आदेश दिया गया। कुकरैल नदी के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए नगर निगम, सिंचाई विभाग, संबंधित आर्कीटेक्ट के साथ बैठक की। मंडलायुक्त ने कहा कि कुकरैल नदी को नाले के स्वरूप को खत्म करने के लिए सभी प्रयास किए जाए। उसके नदी के स्वरूप में दोबारा लाने के लिए अधिकारियों को कार्य करना होगा। मंडलायुक्त ने कहा कि कुकरैल नदी के किनारे जितने भी अवैध अतिक्रमण है उसको अतिक्रमण मुक्त कराकर उसको डेवलप करना व उसका सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में एक विस्तृत डीपीआर तैयार करें, जिसमें वाटर रिचार्जिंग, नालों को टैब करना, खुले स्थान पर वृक्षारोपण कराकर हरियाली विकसित करना और उसका सौन्दर्यीकरण इत्यादि को शामिल करते हुए। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि नदी का बहाव निरंतर होता रहे जिससे नदी का पानी स्वच्छ रहे। यही नहीं मंडलायुक्त ने कहा कि नदी के बहाव में यदि कोई स्कावट है, तो उसकी साफ सफाई करा दी जायें।

व्यायाम, सैर सपाटे की हो व्यवस्था

मंडलायुक्त ने अधिकारियों को कुकरैल नदी को सौदइर्यीकरण करते समय प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखा जाए। नदी के किनारे हरियाली स्पाट का विकास हो,जिससे आने वालों को पर्याप्त आक्सीजन मिल सके। नदी के किनारों को ऐसे विकसित किया जाए, जिसे वहां व्यायाम और टहल सकें।

श्रमिकों के हितों के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध: योगेश

लखनऊ (पीएनएस)। अपर आयुक्त मनरेगा योगेश कुमार ने बताया कि योगी सरकार के प्रयास से दीपावली पर श्रमिकों व मनरेगा योजना के तहत काम कर रहे कार्मिकों का भुगतान हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने अपने अथक प्रयास से ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश के श्रमिकों के भुगतान के लिए 774.52 करोड़ एवं कार्मिकों के मानदेय के लिए 117.22 करोड़ की धनराशि अवमुक्त कराई है। उन्होंने कहा कि इस धनराशि के प्राप्त हो जाने के बाद अब सभी श्रमिकों को मजदूरी एवं मनरेगा योजना के कार्य कर रहे कार्मिकों के मानदेय का भुगतान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध हैएवं श्रमिकों को ससमय मजदूरी भुगतान कराना सरकार की प्राथमिकाताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से प्राप्त धनराशि के व्यय के पश्चात भारत सरकार से तत्काल इस वर्ष के लिए शेष देयता रुपए 3887.38 करोड़ की मांग की जाएगी, जिससे योजना का लाभ उत्तर प्रदेश के श्रमिकों को ज्यादा से ज्यादा दिया जा सके। उन्होंने बताया राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के क्रम में गो-आश्रय केन्द्रों का निर्माण भी मनरेगा योजना से किया जा रहा है। मनरेगा श्रमिकों के पशुओं को रहने के लिए उचित व्यवस्था के लिए मनरेगा से इससे पशु शेड का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके साथ ही योजना अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से श्रमिक समूह को सशक्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है जिसके द्वारा योजना अंतर्गत निर्मित होने वाले परिसंपत्तियों पर नागरिक सूचना पट्ट की स्थापना स्वयं सहायता समूह के द्वारा की जाएगी।

आलोक कुमार

हरियाणा में देवीलाल के वारिसों की पुनर्स्थापना

हरियाणा विधानसभा के नतीजों का फलितार्थ सिर्फ गोपाल कांडा नहीं बल्कि देवीलाल खानदान की सियासत में पुनर्स्थापना है। एक खानदान से विधानसभा में परस्पर विरोधी पांच विधायकों का जीत आने का नया रिकार्ड हरियाणा ने बनाया है। दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी कांग्रेस के लिए आपसी अंतर्कलह से उबरने का संदेश है तो नतीजे बता रहे हैं कि फिलहाल पूर्व मुख्यमंत्री भूपिन्दर सिंह हुड्डा का आभामंडल छीजता नजर आ रहा है। नतीजे बताते हैं कि मतदान के वक्त राष्ट्रीय मुद्दे लोगों के मिजाज को उस हद तक प्रभावित नहीं कर पाए, जितना कि लोकसभा चुनाव में कर गए थे। अन्य विधानसभा चुनावों की तरह हरियाणा के लोगों ने बताया है कि विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि निजी समस्याएं ही हावी होती हैं। वोटिंग के एक दिन पहले भारत-पाकिस्तान बार्डर पर हुई हेवी सेलिंग का वोटिंग प्रतिशत पर खास असर नहीं पड़ा। न ही भाजपा की ओर से 370 और एनआरसी को मुद्दा बनाना काम कर पाया। लिहाजा भारतीय जनता पार्टी के लिए जनसंदेश है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में रणनीति बदलने की सोचे। संभव हो तो राष्ट्रीय मुद्दों की जगहचुनाव अभियान स्थानीय समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। हरियाणा में कांग्रेस और जननायक जनता पार्टी स्थानीय मुद्दों पर चुनाव लड़ फायदा उठा गई है।

सियासत से अपराध जगत का गहरा रिश्ता है। इस सच से वाकिफों के लिए गोपाल कांडा अजनबी नहीं। इसलिए हरियाणा चुनाव नतीजों से निकली सियासत में उनकी सबसे ज्यादा चर्चा रही। कैसीनो और प्रॉपर्टी के धंधे से अकूत संपदा के मालिक बने कांडा की सिरसा में राबिनहुड वाली छवि है। लेकिन पिछली बार सिरसा के लोगों ने उनको हरा दिया था। इसबार विरोध में भाजपा और कांग्रेस ने कमजोर उम्मीदवार दिए तो लोगों ने महज छह सौ मतों से जिता दिया। विधायक और मंत्री रहते एयर होस्टेज गीता शर्मा और उनकी माता के आत्महत्या का मामला उछला, तो जेल को घर बना लिया। इस बार बेल पर रहकर चुनाव लड़ा और एक निर्दलीय को हराकर चुनाव जीत गए। नतीजे की घोषणा के साथ सियासी भूचाल आया। भाजपा स्पष्ट बहुमत से दूर रह गई। निर्दलीय कांडा की किस्मत फिर चमकी। कांडा के सियासी जीवन में ऐसा दूसरी बार हुआ। उससे पहले वह चौटाला खानदान के भक्त थे। टिकट नहीं मिला तो 2009 में पहली बार निर्दलीय बने। तब 40 विधायकों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के लिए सरकार बनाने की नौबत आई। रातोंरात कांडा हुड्डा के सबसे बड़े मददगार बन गए। हुड्डा सरकार में गृहमंत्री बने। एयर होस्टेज गीता शर्मा की आत्महत्या से पैदा हुए हाईवोल्टेज हंगामे की करंट में उनकी कुर्सी चली गई। इस बार फूटी किस्मत ने ज्यादा साथ नहीं दिया। महज 24 घंटे की चर्चा के बाद कांडा की किस्मत फिसलकर फिलहाल गिर गई लगती है। फिलहाल इसलिए कि सियासत में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। भाजपा को कांडा के समर्थन के फैसले के साथ ही हंगामा बरपा। सरकार बनाने पर आमदा भाजपा बेबस नजर आई। रास्ता जाट बेल्ट के युवा क्षत्रप दुष्यंत चौटाला की किस्मत चमकने के साथ निकल आया। दुष्यंत को उपमुख्यमंत्री मान लिया गया। मगर बात सिर्फ कुर्सी के सौदे तक सीमित होगी, ऐसा मान लेना ठीक नहीं। इसके लिए दुष्यंत के कई दुष्कर मांग मानने पड़े होंगे। वैसे भी हरियाणा में उप मुख्यमंत्रियों का इतिहास कभी धवल नहीं रहा है। इस लिहाज से छवि दुरुस्त करने में दुष्यंत को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत पड़ सकती है। दुष्यंत देवीलाल खानदान के वारिस हैं। उनकी आड़ में भाजपा निदर्लीय गोपाल कांडा को सरकार में ढोने के पाप से जैसे तैसे कर बच गई है। दुष्यंत का आर्रभिक लक्ष्य सबको पता है। हरियाणा की सियासत में भाजपा का प्रवेश देवीलाल और उनके पुत्र ओमप्रकाश चौटाला के पिछलग्गू बनकर हुआ है। अब उप मुख्यमंत्री बनकर चौधरी देवीलाल के प्रपौत्र दुष्यंत भाजपा के पीछे हैं। यह नौबत आज का सच है। आगे क्या होगा, यह देखना दिलचस्प होगा। दुष्यंत परदादा देवीलाल को आदर्श मानते हैं, जिन्होंने वीपी सिंह का समर्थन कर समाजवादी नेता चंद्रशेखर के प्रधानमंत्री बनने की राह रोकी थी। लिहाजा में दुष्यंत के उदय से राजनीति के नए गुर की उम्मीद अनवरत बनी हुई है। इस बार के चुनाव नतीजों में हरियाणा के लोगों ने देवीलाल खानदान को सिरमाथे पर लिया है। विधानसभा के नब्बे विधायकों में से पांच सीधे चौधरी देवीलाल के वारिस हैं। परिवार से भाजपा विधायक बन पहली बार विधानसभा पहुंचे आदित्य चौटाला देवीलाल के सबसे छोटे बेटे जगदीश चौटाला के पुत्र यानी प्रपौत्र हैं। देवीलाल के पुत्र रणजीत चौटाला निर्दलीय विधायक बनकर पहुंचे हैं। पौत्र बधु नैना सिंह चौटाला और उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला जननायक जनता पार्टी से तो पौत्र अभय सिंह चौटाला अपने पिता ओमप्रकाश चौटाला के इंडियन नेशनल लोकदल से विधायक बनकर पहुंचे हैं।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत के पिता पूर्व सांसद अजय चौटाला और दादा पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन दोनों पर मुख्यमंत्री हुड्डा के कार्यकाल में टीचर नियुक्ति घोटाले का मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों को सजायाफ्ता कैदी बना सियासत करने पर बैन लगा दिया गया। वक्त पलटकर देवीलाल खानदान के पास लौटा है। देखना होगा कि दुष्यंत चौटाला इससे कैसे निपटते हैं। केंद्र की भाजपा सरकार इससे उबरने में किस हद तक उनके काम आ सकती है।

इन सबके बीच कांग्रेस पार्टी हरियाणा में 31 विधानसभा सीटों से जीतकर भी सरकार बनाने से चूक गई। सियासी जोड़तोड़ में माहिर दिग्गज नेता भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का ख्वाब धरा का धरा रह गया। खुद विधायक तो बन गए लेकिन अपने कई दिग्गज समर्थकों को जिताने में विफल रहे। यहां तक कि कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में पिछड़ गए। बेटे दीपेन्द्र हुड्डा को विधानसभा चुनाव में खड़े नहीं कर पाए। टिकट बंटवारे में दिग्गजों के आपसी खींचतान का नुकसान कांग्रेस पार्टी को उठाना पड़ा। नतीजे बता रहे हैं कि नब्बे में से 27 सीटों पर कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई है। मतलब साफहै कि टिकट बंटवारे में उम्मीदवारों के चयन में बड़ा गड़बड़झाला हुआ। एकओर उतरी हरियाणा में जहां कांग्रेस के हक में लहर और सरकार के खिलाफ लोगों का मिजाज पढ़ा जा रहा था वहीं कई सीटों पर कांग्रेस के बीच ही एकदूसरे का गला काटने का खेल चलता रहा। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह हुड्डा की कैथल से हुई हार इसी का नतीजा है।

(लेखक पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक हैं)

कश्मीर अब विकास के रास्ते परः शाह

एजेंसी। अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को फिर कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से कश्मीर में एक भी गोली नहीं चलाई गई और न ही किसी की मौत की कोई सूचना है। जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन कानून, 2019 के प्रभावी होने में अब एक सप्ताह से भी कम समय रह गया है। शाह ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस कदम के कारण आतंकवादियों को अपने अंतिम दिनों की गिनती शुरू करनी पड़ी। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वासन देना चाहूंगा कि (अनुच्छेद) 370 और 35 (ए) के हटने से कश्मीर के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। और इसके साथ ही कश्मीर में आतंकवादियों ने अपने अंतिम दिन गिनने शुरू कर दिए हैं। शाह ने कहा, कांग्रेस नेताओं ने संसद में कहा था कि खून-खराबा होगा। मैं उन्हें बताना चाहूंगा, ऐसा कुछ नहीं हुआ है। न तो कोई गोली चलाई गई और न ही किसी मौत की सूचना है। कश्मीर शांति से विकास के रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35 (ए) हटाने से कश्मीर का हमेशा के लिए भारत के साथ विलय में मदद मिली और यह कदम भारत के पहले गृह मंत्री दिवंगत सरदार पटेल के सपने को पूरा करने का एक तरीका है। शाह ने कहा कि सरदार पटेल ने देसी रियासतों को भारत में विलय किया, लेकिन कश्मीर छूट गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में उस सपने को पूरा करने के लिए इन अनुच्छेदों को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा, पांच और छह अगस्त को, नरेंद्र भाई ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटा दिया और कश्मीर को हमेशा के लिए भारत में विलय कर दिया। शाह ने दावा किया कि गुजरात के केवडिया में 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी प्रतिमा भारत के लौह पुरुष के 70 वर्षों के अपमान को दुरूस्त करने का एक तरीका है। उन्होंने कहा, जब कोई व्यक्ति केवडिया में सरदार पटेल की प्रतिमा को देखता है तो उसे पता चलता है कि 70 साल से सरदार साहब को मिले अपमान का किस तरह ब्याज के साथ वापस किया गया। आज स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देश का एक ऐसा स्थान बन गया है, जहां सबसे अधिक संख्या में पर्यटक आते हैं।

● अहमदाबाद में केंद्रीय गृह मंत्री ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया

अहमदाबाद में सरकारी योजनाओं के एक लाभार्थी से मिलते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एकता की शपथ दिलाने के लिए फिर स्मारक का दौरा करेंगे। पाकिस्तान समर्थित आतंकी शिविरों के खिलाफ सर्जिकल और हवाई हमलों के लिए प्रधानमंत्री की सराहना करते हुए भाजपा प्रमुख ने कहा कि ए कदम उन जवानों का बदला लेने के लिए थे जो देश की सीमाओं की रक्षा के साथ साथ आतंकियों की गोलियों के शिकार हो गए थे। शाह ने जोर दिया कि मोदी ने दुनिया को भारतीय प्रधानमंत्री की राय के महत्व का एहसास कराया। शाह विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने तथा अपने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) और विधवा योजना का लाभ लाभार्थियों को वितरित करने के लिए अहमदाबाद और पास के साणंद में थे। उन्होंने शनिवार को अहमदाबाद नगर निगम और अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण की लगभग 800 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। 5,532 विधवाओं को पेंशन योजना के लाभ वितरित किए गए और 172 परिवारों को पीएमएवाई के तहत घर आवंटित किए गए। शाह ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, जिन्होंने 70 साल तक देश पर शासन किया, वे लोगों को ए बुनियादी सुविधाएं (स्वास्थ्य, सिलेंडर, शौचालय, घर) प्रदान नहीं कर सके। आयुष्मान भारत, शौचालय, उज्ज्वल भारत के तहत एलपीजी गैस सिलेंडर आदि योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में देश की जनता ने बदलाव का फैसला किया और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने और पांच साल के भीतर, मोदी और भाजपा सरकार ने सुनिश्चित किया कि लोगों को ए सुविधाएं मुहैया हों। शाह ने कहा, विपक्ष हमारी आलोचना करता है, जिसका मैं स्वागत करता हूं, लेकिन मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इस देश में चार पीढ़ियों तक शासन करने के बावजूद वे लोगों को सुविधाएं कराने में नाकाम रहे।

अरुणाचल के जिले में आगजनी के बाद हिंसा, निषेधाज्ञा लागू

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई जिले में शरारती तत्वों द्वारा मवीरा क्षेत्र में नए बसे आदिवासी समुदाय के 14 घरों को आग के हवाले किए जाने के बाद निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12-15 अक्टूबर के बीच तेंगापानी वन रिजर्व के अंतर्गत खाई-हे नल्ला के पास आगजनी की यह घटना हुई जिसके बाद प्रशासन ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जेंगथू पुल के पास रैली का आयोजन कर विरोध कर रहे अदि छात्र संघ (अदिसु) के प्रदर्शनकारियों की अर्धसैनिक बलों के साथ हुई झड़प के कारण स्थिति बेकाबू हो गई। उन्होंने बताया कि इस हिंसक झड़प में पुलिस अधीक्षक अंकित कुमार सिंह और उपाधीक्षक सेप्राज परमे और थूतान जाम्बा को छोटी-मोटी चोटें आईं। अदिसु ने नामसाई के उपायुक्त के सामने अखिल ताई खाम्पती सिंघपो छात्र संघ (एटीकेएसएसयू) पर आगजनी करने का आरोप लगाया और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

क्विक न्यूज

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की अस्पताल में मौत

बरेली। चार दिन पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की इलाज के दौरान बीती रात बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई पुलिस ने उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी थाना क्षेत्र के लामाचौड़ निवासी नारायण सिंह पुत्र प्रताप सिंह कि बीती रात बरेली के भोजीपुरा स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई उसे दो दिन पूर्व घर वालों ने हल्द्वानी के एक निजी अस्पताल से लाकर भर्ती कराया था पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के घर वालों ने बताया कि नारायण सिंह चार दिन पूर्व अपनी मोटरसाइकिल से हल्द्वानी गया था। जहां से वापस लौटते समय गांव के पास ही पीछे से आ रहे किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने बाला वाहन फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घायल को एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया और उसके पास मिले मोबाइल फोन से घरवालों को सूचना दे दी जो अस्पताल पहुंच गए दो दिन चले इलाज के बाद उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ तब उसे इलाज के लिए बरेली लिया जहां बीती रात उसने दम तोड़ दिया। वह दो बच्चों का था। उसकी पत्नी का नाम चंपा देवी है।

सड़क पार कर रहे युवक की दुर्घटना में मौत

बरेली। सड़क पार कर रहे एक युवक को तेजी से आ रहे किसी वाहन ने टक्कर मार दी गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।बदायूं के दातागंज थाने के गांव रंधौली निवासी संजीव पुत्र शिवचरण कि बीती रात बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। उसे कल शाम को गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया था। मृतक के घर वालों ने बताया कि संजीव तीन दिन पूर्व अपने किसी मित्र से मिलने के लिए पैदल ही घर से निकला था लेकिन गांव से निकलकर सड़क पर आने के बाद जब वह सड़क पार कर रहा था तभी पीछे से आ रहे किसी बहाने उसे टक्कर मार दी गंभीर रूप से घायल हो गए और काफी देर तक मौके पर ही पड़ा रहा। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने घायल अवस्था में देखा और घरवालों को सूचना दे दी जो कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए लेकिन जब उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ तब वह उसे कल शाम इलाज के लिए बरेली लिया है जहां बीती रात एक निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा घरवालों ने अज्ञात वाहन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करा दी।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

बरेली। पत्नी से हुए मामूली विवाद के बाद एक युवक ने खुद को फांसी लगा ली। घरवालों ने उसे गंभीर अवस्था में इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।शीशगढ़ थाने के गांव नगला बल्ली निवासी हेतराम पुत्र छेदा लाल की बीती रात फतेहगंज पश्चिमी के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। उसे 2 दिन पहले गंभीर अवस्था में भर्ती कराया गया था। पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के घरवालों ने बताया कि हेतराम का 2 दिन पूर्व अपनी पत्नी प्रवेश कुमारी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिससे नाराज हेतराम ने रात में किसी समय अपने घर की छत से लगे कुंडे से साड़ी बांध कर फांसी लगा ली। लेकिन इसी दौरान पत्नी ने उसे बिस्तर पर नहीं देखा और बहुत तेजी से कमरे में पहुंची उसने पति को फांसी पर लटके देखा और तुरंत घर वालों की मदद से उसे उतार लिया और घर के लोग उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए जहां बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आज लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी मृतक एक बच्चे का पिता था।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

बरेली। रेलवे लाइन पार कर रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। पुलिस ने उसकी लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।सुभाष नगर के अमर सिंह मौर्य पुत्र झंडू लाल मौर्या की आज सुबह घर से कुछ ही दूरी पर रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद उसके घर वालों ने बताया कि अमर सिंह रोजाना की तरह आज सुबह सोकर उठने के बाद अपने खेत पर जाने के लिए घर से निकला था। कुछ दूर चलने के बाद जब वह घर के पास ही रेलवे लाइन पार कर रहा था तभी अचानक अंधेरे के कारण ट्रेन ठीक से दिखाई नहीं दी और वह ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने उसकी लाश को रेलवे लाइन पर देखा और पुलिस को सूचना दे दी। कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के घरवालों को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी।

डीएम से शिकायत करने पहुंची महिला हुई बेहोश

बरेली। जिला अधिकारी के आवास तक शिकायत करने पहुंची एक महिला अचानक गश खाकर गिर पड़ी। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।कैंट थाने के गांव ठिरिया निजावत खां निवासी अयूब मास्टर की पत्नी 22 नूरी को आज दोपहर में इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे उसके घर घरवालों ने बताई नूरी आज सुबह अपने किसी परिचित से मिलने के लिए घर से निकली थी। लेकिन वह दोपहर में किसी समस्या की शिकायत करने के लिए जिलाधिकारी के आवास पर आ पहुंची जहां पहुंचते ही वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी। जिलाधिकारी आवास पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा और उसके घर वालों को सूचना दे दी जो अस्पताल पहुंच गए। नूरी की हालत खतरे से बाहर बताई जाती है।

मायके आई महिला के साथ मारपीट

बरेली। घायल भाई को देखने के लिए मायके आई एक महिला को रंजिश के चलते उसके रिश्तेदारों ने मारपीट कर घायल कर दिया उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया घटना की शिकायत पुलिस से कर दी गई है। फतेहगंज पश्चिमी खाना क्षेत्र के गांव सतुईया खास स्थित अपने मायके आई रामपुर के सिविल लाइन थाने के ज्वाला नगर निवासी भूरे की पत्नी प्रवेश देवी को आज दोपहर इलाज के लिए अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। जहां उसने बताया कि उसका बड़ा भाई राम सिंह कुछ दिन पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था पता चलने पर उसे देखने के लिए अपने मायके आई थी जहां पर आज सुबह उसके छोटे भाई नरेश के दामाद रामपुर के पटवारी निवासी कृष्णपाल ने अपनी सास भगवंती देवी उसके बेटे अनुज रोहित आदि ने उसकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी प्रवेश देवी ने बताया कि कुछ दिन तू उसकी एक भतीजी घर से लापता हो गई थी तब उसके बड़े भाई राम सिंह के छोटे भाई के दमाद कृष्ण पाल पर भतीजी को अगवा करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पत्नी पर लगाया जहरीला पदार्थ पिलाने का आरोप

बरेली। संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से एक युवक की हालत बिगड़ गई उसे पिता ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसने पत्नी पर पानी में मिलाकर जहरीला पदार्थ देने का आरोप लगाया भाई पत्नी ने इससे इंकार करते हुए कहा उसका पति उससे छुटकारा पाना चाहता है इसलिए उस पर झूठा आरोप लगा रहाहै।सीबीगंज थाने के गांव खलीलपुर निवासी अवधेश कुमार को आज उसके पिता छोटेलाल ने बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसने बताया कि अवधेश सीबीगंज स्थित कोका कोला फैक्ट्री में काम करता है।

केदारनाथ-बद्रीनाथ में मुकेश अंबानी ने बेटे के साथ पूजा अर्चना की

एजेंसी। गोपेश्वर

रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी ने शनिवार को उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के प्रवक्ता हरीश गौड़ ने बताया कि अपने बेटे आकाश के साथ मुकेश अंबानी एक हेलिकॉप्टर से सुबह साढे आठ बजे के करीब बद्रीनाथ पहुंचे। मंदिर समिति के सीईओ बीडी सिंह और अन्य अधिकारियों ने हैलीपैड पर उनका स्वागत किया। उन्होंने मंदिर में करीब डेढ़ घंटे तक रहकर पूजा-अर्चना की और मंदिर समिति के अधिकारियों से बातचीत की। गौड़ ने कहा कि अगले यात्रा वर्ष के दौरान अंबानी ने मंदिर में चंदन पर होने वाले खर्च को वहन करने की पेशकश की। रिलायंस के चेयरमैन हर साल दिवाली के आसपास भगवान विष्णु मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

दस दिवसीय प्रशिक्षण देकर प्रमाण पत्र दिए गए

● आरसेटी ने किया आयोजन

ललितपुर। जनपद के नव युवा उद्यमियों को पंजाब नैशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) ललितपुर द्वारा 10 दिवसीय प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया गया। जिनका चयन जिला टॉस्क फोर्स समिति द्वारा किया गया था। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला ग्रामोद्योग अधिकारी द्वारिका प्रसाद रहे।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने प्रशिक्षणर्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि सभी को समय पर किश्त भरना है और बैंकों से सम्पर्क बनाये रखना है तथा जो यूनिट ग्रामीण क्षेत्रों में लगाई जायेगी और उनके खाते का संचालन वंही होगा उसे ब्याज की सब्सिडी भी दी जायेगी। उन्होने आरसेटी की प्रशंसा करते हुये कहा कि जिस सरल और सही तरीके से आरसेटी में प्रशिक्षण दिया जाता है वह प्रशंसनीय है। आरसेटी एक ऐसा संस्थान है जिसका उपयोग कर नव उद्यमी उद्यमिता के क्षेत्र में सफ्लता अर्जित कर सकते है उन्होंने

प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षण प्राप्त बेरोजगार

सभी प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। निदेशक आरसेटी ने कहा कि भारत सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद के युवा बेरोजगारों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रशिक्षण उन्हें सफ्ल उद्यमी बनाने हेतु आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में लाभार्थियों को व्यवसाय प्रबन्धन के विभिन्न बारीक पहलुओं पर प्रशिक्षण देने की हर सम्भव कोशिश आरसेटी द्वारा की गयी। लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि एक सफ्ल उद्यमी कई बेरोजगारों को रोजगार दे सकता है। निदेशक पी.एन.बी. आरसेटी श्री सच्चिदानंद मण्डल ने प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन इन हाउस फैकल्टी रूपेन्द्र श्रीवास्तव, ने किया। इस अवसर पर आरसेटी स्टॉफसुनील कुमार व राजीव रैकवार उपस्थित रहे।

पेज एक का शेष

सरयू तट ...

कि नए भारत में हम किसी को छोड़ते नहीं और अगर हमें कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ते भी नहीं हैं। हम पूरे विश्व को अपना एक परिवार मानते हैं। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार अयोध्या आने से डरती थी। हमारी सरकार अयोध्या को त्रेता युग के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। मुख्य अतिथि फिजी की उपसभापति वीना कुमार भटनागर ने अपने भाषण की शुरुआत मंगल भवन अमंगल हारी...चौपाई से की और वहां उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज कहीं और से नहीं यूपी और बिहार से ही जाकर के फिजी में अपने देश की संस्कृति और परंपरा को सहेज कर रखे हुए हैं। आज दीपोत्सव में आकर मैं अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। हमारे देश के लोग अपने पूरे जीवन काल में मरने से पहले एक बार अयोध्या जरूर आना चाहते हैं। हमारा देश भारत के स्वच्छता अभियान से प्रेरणा लेता है और हम भारत के प्रधानमंत्री और योगी आदित्यनाथ का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हैं जो उन्होंने इस दीपोत्सव में हमें आमंत्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव मना करके त्रेता युग की यादों को ताजा कर दिया है। अयोध्या इस प्रकार विकसित करने का कार्य किया जाएगा जिससे कि अयोध्या और राम के आदर्शों का अनुपालन पूरे विश्व में हो और पूरे विश्व के लोग अयोध्या आ करके उनके आदर्शों को जाने और समझे। इस अवसर पर जगतगुरु रामानंदाचार्य राम दिनेश आचार्य, जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीधराचार्य, उदासीन आश्रम के महंत डॉ. भरत दास, जगतगुरु रामानुजाचार्य, डॉ. राघवाचार्य, राम जन्मभूमि न्यास के सदस्य डॉ. रामविलास वेदांती, प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा, केंद्रीय पर्यटन राज्यमंत्री प्रहलाद पटेल, प्रदेश मंत्रिमंडल के रमापति शास्त्री, सूर्य प्रताप शाही, श्रीराम चौहान, नीलकंठ तिवारी, अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, इंद्र प्रताप तिवारी, गोरखनाथ बाबा शोभा सिंह, रामचंद्र यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

आधी हिस्सेदारी ...

और उसकी सीटों की संख्या 122 से घट कर 105 पर आ गई है। हालांकि, शिवसेना की सीटों की संख्या भी 2014 के 63 की तुलना में घट कर 56 रह गई है।

चुनाव परिणामों से भाजपा को झटका लगा है क्योंकि पार्टी ने पूर्ण बहुमत के साथ अपने बूते सरकार बनाने का लक्ष्य रखा था। नतीजों के बाद बदले राजनीतिक परिदृश्य ने शिवसेना का मनोबल बढ़ा दिया है जो बखूबी जानती है कि इस स्थिति में वह मुख्यमंत्री पद के लिए आदित्य के नाम पर मुहर लगवा सकती है। आदित्य (29) 1960 के दशक में पार्टी के गठन के बाद से चुनावी राजनीति में उतरने और जीत हासिल करने वाले ठाकरे परिवार के प्रथम व्यक्ति हो गए हैं। वह मुंबई की वर्ली सीट से जीते हैं जो कि शिवसेना का गढ़ कहलाती है। बृहस्पतिवार को शिवसेना ने अपने कड़े तेवर दिखाते हुए भाजपा को 50:50 के उस फार्मूले की याद दिलाई थी जिस पर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, ठाकरे और फड़णवीस के बीच 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सहमति बनी थी। इस फार्मूले के तहत शिवसेना और भाजपा के चक्रीय आधार पर मुख्यमंत्री होंगे और दोनों को कैबिनेट में बराबर संख्या में जगह मिलेगी। ठाकरे ने कहा था, वह (शिवसेना) लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कम सीटों पर चुनाव लड़े। हर बार भाजपा के लिए जगह नहीं छोड़ सकते हैं। महाराष्ट्र में एक दिलचस्प संभावना के बारे में अटकलें उस वक्त शुरू हुई थीं जब चुनाव नतीजे के एक दिन पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों अशोक चव्हाण और पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा था कि भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए पार्टी को सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। हालांकि, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख बालासाहेब थोराट ने भी राकांपा नेता शरद पवार की भांति भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए शिवसेना से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। थोराट ने यह भी कहा कि यदि शिवसेना कोई प्रस्ताव लेकर आती है तो (प्रदेश) कांग्रेस अपने आलाकमान से राय मांगेगी। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा में राकांपा 54 और कांग्रेस 44 सीटों पर विजयी रही है।

भाजपा को ...

गिरोह सक्रिय था। उनके पिता अजय चौटाला के दो हफ्तों के लिए फरलो पर रिहा होने के बारे में दुष्यंत ने कहा कि जेल नियमावली के मुताबिक वह रविवार से पहले जेल से बाहर नहीं आ सकते थे क्योंकि प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू थी। उन्होंने कहा, वह परिवार के साथ दिवाली मनाने के लिए बाहर आ रहे हैं। इससे पहले खट्टर और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगियों ने राज्यपाल को अपने इस्तीफे सौंपे, जिसे स्वीकार कर लिया गया। राज्यपाल ने खट्टर ने नई सरकार के कार्यभार संभालने तक अंतरिम मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है। इससे पहले मनोहर लाल खट्टर को शनिवार को यहां आम सहमति से भाजपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। भाजपा ने दावा किया कि वह जजपा के समर्थन से स्थाई और ईमानदार सरकार चलाएंगे। भाजपा ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश की गठबंधन सरकार में सिर्फ एक उप मुख्यमंत्री होगा। खट्टर के नाम का प्रस्ताव विधायक अनिल विज और कंवर पाल ने किया जबकि घनश्याम सर्राफ और बनवारी लाल समेत पार्टी के अन्य विधायकों ने इसका अनुमोदन किया। जजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद दुष्यंत ने यहां खट्टर से मुलाकात की। मुलाकात के बाद खट्टर, दुष्यंत सात निर्दलीय विधायकों के साथ राज्यपाल से मिलने पहुंचे। दुष्यंत और निर्दलीय विधायकों ने राज्यपाल को अपने समर्थन पत्र सौंपे। प्रसाद ने पूर्व में कहा था कि भाजपा हरियाणा में स्थाई, ईमानदार और प्रभावी सरकार देगी। नए मंत्रिमंडल में किन्हें जगह मिलेगी यह पूछे जाने पर प्रसाद ने कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार होता है, वह शपथ ग्रहण के बाद इस बारे में फैसला लेंगे।

कश्मीर घाटी ...

मद्देनजर स्थानीय पुलिस अधिकारी हिंसा भड़काने वाली किसी भी घटना पर काबू पाने के लिए पूरी तरह चौकन्ने हैं। सुरक्षा एजेंसियां भी कानून व्यवस्था की मौजूदा स्थिति पर कड़ी नजर टिकाए हुए हैं। उनकी तरफ से ऐहतियातन बरतने जैसे सुझाव भी दिए जा सकते हैं ताकि 31 अक्टूबर का दिन शांति से गुजर जाए।

फील्ड अफसरों को सतर्क रहने और अपने अधिकार क्षेत्र में समस्या पैदा करने वाली भीड़ के जमावड़े को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील माने जाने वाले श्रीनगर के भीतरी इलाके में अतिरिक्त चौकसी भरती जा रही है जहां अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेश में बांटने के खिलाफ गाहे-बगाहे विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। जम्मू में हालांकि सुरक्षा स्थिति घाटी से बेहतर है इसके बावजूद यहां भी चुनिंदा इलाकों में कुछ प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। कश्मीर घाटी में यह चर्चा जोरों पर है कि राज्य प्रशासन कठोर सुरक्षा रणनीति का दूसरा चरण लागू करने की तैयारी में है। अतिरिक्त सतर्कता बरतने की एक बड़ी वजह कश्मीर के भीतरी भागों से देश के तमाम हिस्सों में सेब की आपूर्ति करने वाले ट्रक चालकों को लक्ष्य बनाकर किया जा रहा आतंकी हमला है। हाल तक ऐसी तीन घटनाएं घट चुकी हैं जिनमें सबसे ताजा घटना राजस्थान के ट्रक चालक व उसके सहायक की हत्या की है। मारे गए चालक के परिजनों ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया है और बतौर मुआवजा पन्द्रह लाख रुपये और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। इस बीच जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर एसोसिएशन ने एडवाइजरी जारी कर ट्रक कंपनियों से कहा है कि वे अपने वाहन कश्मीर न भेजें। उधर, 23 अक्टूबर तक कश्मीर से 7.48 मीट्रिक टन सेब निर्यात किए जा चुके हैं और, आतंकी किसी भी तरह सेबों की आपूर्ति रोक देना चाहते हैं।

राजधानी में ...

समझा जाता है कि देवगौड़ा ने निदेशालय की इस दलील को स्वीकार कर जल्द ही वीपी हाउस स्थित आवास खाली करने का लिखित आश्वासन दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 24 अक्टूबर तक सरकारी बंगला नहीं छोड़ने वाले पूर्व सांसदों की संख्या लगभग 25 थी। इनमें पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव से बीआर मेहता लेन स्थित बंगला पुलिस की मदद से गुरुवार को बलपूर्वक खाली कराया गया।

इसके अलावा पप्पू यादव की पत्नी और पूर्व सांसद रंजीत रंजन तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री शिबू सोरेन ने निदेशालय को बंगला जल्द छोड़ने का लिखित आश्वासन दिया है। सोरेन को नॉर्थ एवेन्यू स्थित 224 और 225 नंबर के दो बंगले और रंजन को बी आर मेहता लेन में सात नंबर बंगला आवंटित किया गया था।सूत्रों के अनुसार नोटिस के बावजूद बंगला नहीं छोड़ने वालों में पूर्व सांसद तारिक अनवर, जय प्रकाश नारायण यादव, गायकवाड़ रवींद्र विश्वनाथ और धर्मेन्द्र यादव सहित लगभग दो दर्जन पूर्व सांसद शामिल हैं। निदेशालय ने इनसे बलपूर्वक बंगला खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने बताया कि दीपावली के कारण पर्याप्त पुलिस बल नहीं मिल पाने के चलते दिवाली के बाद बल पूर्वक बंगले खाली कराने की कार्रवाई तेज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 17वीं लोकसभा में चुनकर नहीं आ सके 230 सांसदों से सरकारी आवास खाली कराने के लिए जुलाई में इन सभी पूर्व सांसदों को बंगला खाली करने का नोटिस दिया गया था। इस बीच सरकारी संपत्ति से अनधिकृत कब्जों की बेदखली के लिए हाल ही में संसद द्वारा पारित कठोर प्रावधानों वाले सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जाधारियों की बेदखली) अधिनियम 2019 को मंत्रालय द्वारा 12 सितंबर को लागू किए जाने के बाद निदेशालय ने लुटियन दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में रहने की पात्रता गंवा चुके पूर्व सांसदों और सांसदों के अतिथियों से आवास खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

व्यापारियों ने नपाध्यक्ष व ईओ को दिया ज्ञापन

ललितपुर। जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने आज नपाध्यक्षा एवं अधिशासी अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने मांग की है नगर ललितपुर में वर्ष 2012 से प्रस्तावित विवादित स्वकर प्रणाली के संबंध में एक बोर्ड मीटिंग बुलाकर विशेष प्रस्ताव कर विसंगतियों को दूर कर पुनः लागू किए जाने की प्रमुख मांग। बताते चलें नगर पालिका परिषद की सम्मानित बोर्ड अध्यक्ष अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी सभी पार्षद नगर की जनता की ओर से व्यापारी समाज की ओर से अपील है कि आप सभी विशेष बोर्ड बैठक बुलाकर इस विवादित बिंदु बोर्ड बैठक में रखकर एक विशेष प्रस्ताव पास कर की प्रक्रिया में विधि सम्मत निर्णय कराएं और इस प्रक्रिया को आपत्तियों का निस्तारण करते हुए जनहित में शासन एवं पालका की हित को लागू कराने में संयुक्त करें। ज्ञापन पर जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार त्रिपाठी, महामंत्री अनिल जैन अंचल, महेंद्र जैन मयूर, महेश भैय के हस्ताक्षर हैं।

झाबुआ उपचुनाव में हार के बाद मप्र भाजपा में मचा है बवाल

एजेंसी। भोपाल

मध्यप्रदेश के झाबुआ विधानसभा सीट पर उपचुनाव में मिली जबरदस्त हार के बाद विपक्षी भारतीय जनता पार्टी में घमासान मच गया है और पार्टी के वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा ने कहा है कि पार्टी में आतंरिक संवाद की कमी है और संगठन को इस हार के लिए आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

वहीं, इससे पहले गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ विधायक केदारनाथ शुक्ल ने झाबुआ के खराब परिणाम को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह की विफलता बताते हुए उन्हें हटाने की मांग की थी। शर्मा ने शनिवार को कहा कि झाबुआ में पार्टी की हार बहुत बड़ी थी। हम 27000 से अधिक वोटों से चुनाव हार गए। पूरे प्रदेश में कांग्रेस पर बढ़त बनाने वाली भाजपा इस उपचुनाव में हार गई। उन्होंने कहा, कम से कम हार के कारणों का पता लगाने के लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है।

मालूम हो कि प्रदेश में झाबुआ विधानसभा उपचुनाव में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने 21 अक्टूबर को हुए उप चनुाव के बाद यह सीट मुख्य विपक्षी भाजपा से छीन ली है। झाबुआ की जीत के साथ ही कांग्रेस विधानसभा में अपनी ताकत को मजबूत करते हुए 115 पर पहुंच गई जो कि साधारण बहुमत 116 के आंकड़े से सिर्फ एक सीट कम है। मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार को चार निर्दलीय, दो बसपा और एक सपा विधायक का समर्थन हासिल है। प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सीटें हैं और इसमें से भाजपा के पास 108 सीटें हैं। शर्मा ने कहा, प्रदेश भाजपा में संवाद की कमी है। झाबुआ उपचुनाव के बारे में वरिष्ठ नेताओं से सलाह-मशविरा नहीं किया गया। संवाद के अंतर को कम किया जाना चाहिए। संवाद में कमी, संगठन की कमजोरी है।

झाबुआ उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद सीधी से भाजपा के वरिष्ठ विधायक केदाननाथ शुक्ल की प्रदेश के भाजपा नेतृत्व के खिलाफ नाराजगी के बारे में प्रतिक्रिया लेने के लिए संपर्क करने पर शर्मा ने कहा, मुझे लगता है पार्टी के प्रबंधन में भी कमी आई है। शुक्ल ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा था, झाबुआ में न तो कांग्रेस की जीत हुई है, न भाजपा की हार। खराब परिणाम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह की विफलता और खराब प्रदर्शन है। उन्होंने कहा, केद्रीय नेतृत्व को सिंह को तुरंत पद से हटा देना चाहिए।

भारत दौरे से हटे तमीम इकबाल

टी20 के लिए इमरूल कायस शामिल

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश के सीनियर सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने बच्चे के जन्म के लिए पत्नी के साथ रहने के कारण भारत के आगामी दौरे से हटने का फैसला किया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तीन नवंबर से दिल्ली में शुरू होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए इकबाल की जगह बांए हाथ के इमरूल कायस को शामिल किया। बांग्लादेश को इस दौरे पर दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं जो इंदौर में 14 से 18 नवंबर और कोलकाता में 22 से 26 नवंबर तक होंगे। ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार, तमीम पसली की चोट से भी उबर रहे हैं, उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की टीम में भी शामिल किया गया था लेकिन उन्होंने बीसीबी को सूचित किया था कि वह पत्नी के साथ रहने के लिए कोलकाता में 22 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से भी बाहर हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने बच्चे के जन्म तक पत्नी के साथ रहने का फैसला किया। मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल अबेडिन ने कहा, तमीम ने हमें पहले सूचित किया था कि वह कोलकाता में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। अब वह आगामी हफ्तों के लिए अपनी पत्नी के साथ रहेंगे। बांग्लादेश टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम इस प्रकार है : साकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, इमरूल कायस, सौम्य सरकार, मोहम्मद नईम, मुश्फिकुर रहीम, महमूदुल्लाह, अफीफ हुसैन, मोसादेक हुसैन, अमीनुल इस्लाम, अराफात सन्नी, अल अमीन हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शफीउल इस्लाम।

शाकिब के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है बीसीबी

ढाका। बांग्लादेश के घरेलू क्रिकेटरों को भले ही खिलाड़ियों के विरोध से फायदा मिल रहा हो लेकिन उनके राष्ट्रीय कप्तान साकिब अल हसन को एक दूरसंचार कंपनी से करार भारी पड़ सकता है क्योंकि केंद्रीय अनुबंध के उल्लंघन के कारण बोर्ड उन पर कानूनी कार्वाई पर विचार कर रहा है। बांग्लादेश की टीम अगले कुछ दिनों में भारत श्रृंखला के लिए रवाना होगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का यह कदम निश्चित रूप से टीम के मनोबल को प्रभावित कर सकता है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार साकिब ने दूरसंचार कंपनी ग्रामिणफोन के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं जो केंद्रीय अनुबंध नियम का उल्लंघन है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीबी अध्यक्ष नज्मुल हसन ने कहा कि अगर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते हैं तो वे कड़ा कदम उठाएंगे। स्थानीय टेलीकाम कंपनी ग्रामीणफोन ने 22 अक्टूबर को घोषणा की कि देश का शीर्ष आल राउंडर उनका ब्रांड दूत बना है। बीसीबी अध्यक्ष नज्मुल हसन ने शनिवार को बंगाली दैनिक कालेर कांठो से कहा, वह ऐसा करार नहीं कर सकते जो हमारे अनुबंध में स्पष्ट है। उन्होंने कहा, रोबी (टेलीकॉम) हमारा टाइटल प्रायोजक था और ग्रामिणफोन ने बोली नहीं लगाई और इसके बजाय उसने कुछ क्रिकेटरों को पैसे देकर करार कर लिया। लेकिन इससे बोर्ड को नुकसान हुआ। हसन ने कहा, हम कानूनी कार्वाई के बारे में विचार कर रहे हैं। इस संबंध में हम किसी को भी नहीं छोड़ सकते। हम मुआवजे की मांग करेंगे। हम कंपनी के साथ-साथ खिलाड़ी से भी मुआवजे की मांग करेंगे।

भारत-बांग्लादेश मैच से पहले दिल्ली का प्रदूषण बना चिंता का विषय

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच तीन नवंबर को फिरोजशाह कोटला में होने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ता वायु प्रदूषण चिंता का विषय बन गया है।

दिसंबर 2017 में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम को कोटला में टेस्ट मैच के दौरान परेशानी हुई थी जिसके कारण उसके अधिकतर खिलाड़ियों को मास्क पहनने पड़े थे। इसके बावजूद उसके कुछ खिलाड़ी बीमार हो गए थे। बीसीसीआई की रोटेशन नीति और मेहमान टीम के यात्रा कार्यक्रम को देखते हुए बीसीसीआई ने पहला मैच दिल्ली में आयोजित करने का फैसला किया था। उसे उम्मीद थी कि दिन रात्रि मैच में शहर की खराब हवा मसला नहीं बनेगा। लेकिन दिवाली से दो दिन पहले ही वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बेहद खराब दिखाया गया है।

एक्यूआई के मानकों के अनुसार 0-50 अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम स्तर का, 201 से 300 खराब, 300 से 400 बेहद खराब और 400 से अधिक गंभीर माना जाता है जिससे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। अभी की जानकारी के अनुसार गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय का एक्यूआई 357 था जो कि बहुत खराब माना जाएगा। बीसीसीआई और डीडीसीए के अधिकारियों ने कहा कि खराब वायु प्रदूषण उनके नियंत्रण से बाहर है और वे यही उम्मीद कर सकते हैं कि मैच दिवाली के एक सप्ताह बाद होगा तो तब तक स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई से कहा, हम दिवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति से अवगत हैं, लेकिन मैच एक सप्ताह बाद होना है, इसलिए उम्मीद है कि खिलाड़ियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई दिक्कत नहीं होगी। श्रीलंका मैच के बाद गलत प्रचार और बुरे अनुभव के बाद सवाल पैदा होता है कि बीसीसीआई दिल्ली के संदर्भ में अपनी रोटेशन नीति पर क्यों अड़ा रहा। अधिकारी ने कहा, यात्रा कार्यक्रम इस तरह से तैयार किया गया कि बांग्लादेश की टीम सीधे दिल्ली पहुंचे और कोलकाता से स्वदेश रवाना होगा। हम उनकी यात्रा सहज बनाना चाहते थे जो उत्तर से शुरू होकर पश्चिम (नागपुर, राजकोट और इंदौर) से होते हुए पूर्व (कोलकाता) में खत्म हो। अगर जरूरत पड़ी तो बांग्लादेश की टीम को अपने साथ मास्क रखने की हिदायत दी जा सकती है। इस बीच अतिरिक्त सालिसिटर जनरल और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ एडवोकेट मनिंदर सिंह दिल्ली एवं जिला क्रिकेट समिति (डीडीसीए) कार्यकारिणी में पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर की जगह सरकार से नामांकित सदस्य की जगह लेंगे। गंभीर ने हाल में त्यागपत्र दे दिया था क्योंकि अभी वह सांसद है और यह लोढ़ा समिति की सिफारिशों के खिलाफ है।

बीसीसीआई और डीडीसीए के अधिकारियों ने कहा कि खराब वायु प्रदूषण उनके नियंत्रण से बाहर है और वे यही उम्मीद कर सकते हैं कि मैच दिवाली के एक सप्ताह बाद होगा तो तब तक स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी

श्रीलंका के लिए फिट फिंच, टाई टी20 श्रृंखला से बाहर

एडीलेड। कप्तान आरोन फिंच चोट से उबरने से श्रीलंका के खिलाफ आस्ट्रेलिया के पहले ट्वेंटी20 मुकाबले मे खेल पाएंगे जबकि टीम के तेज गेदबाज एंड्रयू टाई के चोटिल होने से करारा झटका लगा। ऐसी भी अटकले थी कि फिंच मांसपेशियो मे खिंचाव के कारण समय पर उबर नही पाएंगे जिसके कारण वह 15 दिन से परेशान थे। लेकिन डेविड वार्नर के साथ पारी का आगाज करने के लिए अब वह फिट है। फिंच ने कहा, मै कल थोड़ा चिंतित था। लेकिन उबरने की प्रक्रिया तेज रही और पिछले तीन दिन काफी अच्छे रहे। मै अच्छी तरह मूव कर रहा हूं। मै आत्मविश्वास से भरा हूं। लेकिन टाई तीन मैचो की श्रृंखला मे हिस्सा नही ले पाएंगे क्योकि शुक्रवार को क्षेत्ररक्षण करते हुए वह बाई बांह चोटिल कर बैठे। फिंच ने कहा कि टाई को गेद फेंकते हुए चोट लग गई। कप्तान ने कहा, मुझे लगता है कि वह संतुलन खो बैठे और चोटिल हो गया। न्यू साउथ वेलस के तेज गेदबाज सीन एबोट उनकी जगह लेगे।

लीसेस्टर ने साउथम्पटन को रिकार्ड नौ गोल से हराया

साउथम्पटन। लीसेस्टर सिटी ने शुक्रवार को यहां साउथम्पटन को 9-0 से हराकर प्रीमियर लीग मे सबसे बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की रिकार्ड की बराबरी की। प्रीमियर लीग मे इससे पहले सबसे अधिक गोल अंतर के जीतने का रिकार्ड मैनचेस्टर यूनाइटेड का था जिसने मार्च 1995 मे इपस्विच को 9-0 से हराया था। अयोजे पेरेज और जैमी वार्डी ने हैट्रिक गोल जबकि बेन चिलवेल, यूरी टीलेमैस और जेम्स मैडिसन ने एक-एक गोल किए। इस जीत से टीम 10 मैचो मे 20 अंक के साथ लीग की तालिका मे लीवरपूल (नौ मैच मे 25 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

सिंधू भी फ्रेंच ओपन से बाहर

क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीय ताई जु यिंग से हारी

एजेंसी। पेरिस

मौजूदा विश्व चैम्पियन और शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू फ्रेंच ओपन के तीन गेम तक चले क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीय ताई जु यिंग से हारकर बाहर हो गईं।

पांचवीं वरीय भारतीय को शुक्रवार रात दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी से एक घंटा 15 मिनट तक चले मुकाबले में 16-21 26-24 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। यह दसवीं दफा है जब सिंधू को चीनी ताइपे की जु यिंग से पराजय मिली हो जिनका इस भारतीय खिलाफ जीत का रिकार्ड 10-5 है। सिंधू ने अंतिम बार अगस्त में विश्व चैम्पियनशिप खिताब हासिल करने के लिए एशियाई खेलों की स्वर्ण पदकधारी को हराया था। 24 साल की भारतीय ने 2016 ओलंपिक के दौरान भी जु यिंग को मात दी थी और पिछले साल विश्व टूर फाइनल्स में महिलाओं की नंबर एक एकल खिलाड़ी को मात दी थी। दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सिंधू की बासेल में विश्व चैम्पियनशिप खिताबी जीत के बाद यह टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में लगातार चौथी हार है। शुक्रवार को साइना नेहवाल भी बाहर हो गई थी। हालांकि सत्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरूष युगल जोड़ी ने सेमीफाइनल में पहुंचकर चुनौती बरकरार रखी। भारत की इस 11वें नंबर की जोड़ी का सामना जापान के हिरोयुकी एंडो और युता वाटान्बे की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा।

बीसीसीआई के बाद सीए ने भी आईसीसी के प्रस्तावित एफटीपी कैलेंडर पर चिंता जताई

एजेंसी। मेलबर्न

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) को लेकर बीसीसीआई की चिंताओं पर सहमति जताते हुए कहा है कि इससे द्वपक्षीय मुकाबले प्रभावित हो सकते हैं। इस भविष्य दौरा कार्यक्रम (2023-2031) में हर साल आईसीसी का एक टूर्नामेंट प्रस्तावित है लेकिन सीए द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखलाओं पर समझौता नहीं करना चाहता है। इस महीने दुबई में हुई आईसीसी की बैठक में यह कहा गया था कि कार्यकारी परिषद के सदस्य सैद्धांतिक रूप से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनु साहनी के उस विचार से सहमत है जो आठ साल के लिए प्रसारण अधिकार बेचने के बारे में है। बीसीसीआई के सीईओ राहुल जौहरी ने आईसीसी के इस फैसले पर चिंता जताते हुए कहा था कि भारतीय बोर्ड इससे सहमत नहीं है। सीए के मुख्य कार्यकारी केविन रोबर्ट्स ने भी माना कि आईसीसी की इस योजना का बीसीसीआई समर्थन करेगा। रोबर्ट्स ने एसईएन रेडियो से कहा, आईसीसी के टूर्नामेंटों का कार्यक्रम ऐसा है जिस पर अभी और आने वाले महीने में निश्चित तौर पर चर्चा होगी। अगले आठ साल के कार्यक्रम में चार टी20 विश्व कप के अलावा दो एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन शामिल है और रोबर्ट्स का मानना है कि अगर इस में चैम्पियन्स ट्राफी की तरह का टूर्नामेंट जोड़ा जाता है तो इसका असर आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप पर पड़ेगा। रोबर्ट्स ने कह, हमें विश्व कप के साथ दो विश्व कप के बीच खेले जाने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के बीच सामांजस्य बिठाना होगा। इसके साथ ही बीबीएल और आईपीएल जैसे घरेलू लीग टूर्नामेंटों को भी भविष्य में बढ़ने का मौका मिलना चाहिए।

बासेल एटीपी के सेमीफाइनल में फेडरर से भिड़ेंगे

एजेंसी। बासेल

स्टेफानोस सिटसिपास ने शुक्रवार को यहां एटीपी टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में फिलिप क्राजिनोविच पर मिली 3-6 6-4 6-4 की जीत से सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां वह रोजर फेडरर के सामने होंगे। फेडरर के खिलाफ यह सत्र में उनकी चौथी भिड़ंत होगी। दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ने नौ बार के बासेल चैम्पियन फेडरर को आस्ट्रेलियन ओपन में मात दी थी। शीर्ष वरीय फेडरर स्विट्जरलैंड के हमवतन स्टैन वावरिंका के अंतिम आठ मुकाबले से हटने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गए थे। रेली ओपेलका ने रोबर्टो बतिस्ता अगुट को 6-3 3-6 6-3 से मात देकर अपने कैरियर के पांचवें सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें वह आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनौर के सामने होंगे जिन्होंने जर्मनी के जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4 7-6 से हराया।

शिविर और अंतरराष्ट्रीय मैच के जल्दी-जल्दी होने से खिलाड़ी फिट रहते है : मेमोल

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय टीम अगले महीने दो फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में वियतनाम से भिड़ेगी

भारतीय महिला फुटबाल टीम को पिछले कुछ समय अंतरराष्ट्रीय मैचों में मिल रहे मौके को सकारात्मक पहल बताते हुए कोच मेमोल रॉकी ने शुक्रवार को यहां कहा कि इससे खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर बना रहा रहता है। भारतीय टीम अगले महीने दो फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में वियतनाम से भिड़ेगी। वियतनाम के खिलाफ मैच की तैयारियों के लिए टीम प्रशिक्षण शिविर के लिए यहां पहुंची है। शिविर के पहले दिन मेमोल रॉकी ने कहा, हम लगातार अंतराल पर टूर्नामेंट और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में खेल रहे है। लगभग हर महीने टीम का शिविर लगता है और यह खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को बढ़ाने में मदद करता है। भारतीय महिला टीम के लिए यह साल काफी व्यस्त रहा है जहां उसने हीरो गोल्ड कप, सैफ चैम्पियनशिप, एएफसी ओलंपिक क्वालीफायर्स में भाग लेने के अलावा तुर्की, स्पेन (कोटिफ कप) और उज्बेकिस्तान (मैत्री मुकाबले) का दौरा किया है। मेमोल ने कहा कि टीम को वियतनाम से कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने कहा, वियतनाम की टीम काफी मजबूत है और ऐसी कठिन टीमों के साथ खेलने से हमारी टीम का अच्छा विकास होगा। उन्होंने कहा, हम इस चुनौती के लिए तैयार है और इन दो मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे। भारतीय कोच ने महिला फुटबाल की बढ़ती लोकप्रियता पर खुशी जताते हुए कहा कि 2020 फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का आयोजन देश में होने से इस खेल को और अधिक लोकप्रियता मिलेगी। मैं काफी खुश हूं कि हम विश्व कप की मेजबानी करेंगे। जब यहां विश्व कप होगा, उस समय तक महिला फुटबाल के बारे जागरूकता तेजी से बढ़ेगी।

मेरे पिता असल जिंदगी के सुपरहीरो है: कोहली

एजेंसी। मुंबई

उनके व्यक्तित्व और फैसलों के कारण, मेरा ध्यान इसी बात पर रहा कि मैं कड़ी मेहनत के आधार पर आगे बढ़ूंगा

विराट कोहली ने अपने पिता को असल जिंदगी का सुपर हीरो करार देते हुए कहा कि उनके फैसलों के कारण ही भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान के करियर की राह आसान हो पाई। कोहली से यहां एक प्रचार कार्यक्रम में उनके सुपर हीरो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मेरे पिता जब तक जीवित थे या गुजरने के बाद भी हमेशा मेरे सुपरहीरो रहे हैं। मौजूदा दौर के सबसे सफल बल्लेबाजों में एक कोहली ने कहा, कई लोग आपको प्रेरित कर सकते है लेकिन जब कोई आपके सामने उदाहरण बनता है तो उसका असर बिल्कुल अलग होता है। उन्होंने कहा, जब मैं युवा था और क्रिकेट खेलता था तो उन्होंने (मेरे पिता) मेरे सामने जैसे उदाहरण पेश किए और मेरे करियर को लेकर जो फैसला किया उसका असर मुझ पर पड़ा। वह मुझे से किसी और चीज में हाथ आजमाने के लिए कह सकते थे। उनके व्यक्तित्व और फैसलों के कारण, मेरा ध्यान इसी बात पर रहा कि मैं कड़ी मेहनत के आधार पर आगे बढ़ूंगा, किसी अन्य तरीके से नहीं। कोहली यहां एनिमेटेड सीरीज सुपर वी के लॉन्च के लिए पहुंचे थे जो उन से ही प्रेरित है। इस सीरीज का प्रसारण पांच नवंबर से स्टार प्लस और डिज्नी चैनल पर होगा।

कुंबले ने स्थाई टेस्ट केंद्र के सुझाव का समर्थन किया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने स्टेडियम में दर्शकों की तादाद बढ़ाने के लिए विराट कोहली के टेस्ट मैचों के लिए पांच केंद्र रखने के विचार का समर्थन किया। कुंबले हालांकि चाहते हैं कि बीसीसीआई 80 और 90 के दशक की पुरानी परंपरा अपनाए जिसमें त्योहारों के दौरान टेस्ट मैच विशेष केंद्र में ही कराए जाते थे। अस्सी और नब्बे के दशक के दौरान बीसीसीआई कैलेंडर में नव वर्ष के समय कोलकाता में और पोंगल के समय चेन्नई में टेस्ट मैच आयोजित किए जाते थे। कुंबले ने क्रिकेटनेक्स्ट से कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने का निश्चित रूप से यह एक तरीका रहा। इन्हें कुछ केंद्रों तक सीमित किया जाए और साथ ही टेस्ट मैच के समय को चुनना भी अहम होता है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि त्योहारों के समय में पोंगल के दौरान टेस्ट मैच चेन्नई में होते थे। और सत्र की शुरूआत के समय में दिल्ली और बेंगलुरू में टेस्ट मैच होते थे। मुंबई और कोलकाता में टेस्ट मैच होते थे। इस हफ्ते के शुरू में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रांची में हुए टेस्ट के दौरान काफी कम संख्या में दर्शक पहुंचे। इसके बाद कोहली ने भविष्य की घरेलू श्रृंखलाओं के लिए पांच स्थाई टेस्ट केंद्रों के विचार का सुझाव दिया जैसा कि इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया करते हैं। कुंबले ने कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए इन केंद्रों को बढ़ावा देना भी अहम है जिसमें लोगों को पता होगा कि ए टेस्ट केंद्र हैं। इससे सत्र के शुरू में पता चल जाएगा कि यहां टेस्ट मैच होने है ताकि आप टेस्ट क्रिकेट के लिए टिकट बेच सको और सुनिश्चित करो कि दर्शक मैच देखने आएं।

मुंबई सिटी के खिलाफ चेन्नइयिन की नजरें सत्र में पहली जीत दर्ज करने पर

इंडियन सुपर लीग में आज होंगे आमने-सामने

एजेंसी। चेन्नई

दो बार की चैम्पियन चेन्नइयिन एफसी हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के छठे सत्र के अपने दूसरे मुकाबले में रविवार को यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में मुंबई सिटी के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। इस सत्र में घर में पहली बार खेलने जा रही चेन्नइयिन की कोशिश जीत की पटरी पर लौटने की होगी। टीम को सत्र के पहले मुकाबले में एफसी गोवा के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। चेन्नइयिन एफसी के मुख्य कोच जॉन ग्रेगोरी ने कहा, घरेलू दर्शकों के सामने हमारा यह पहला मैच होगा और निश्चित रूप से खिलाड़ी इसमें अपना प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। मैं इसकी परवाह नहीं करता कि हम कैसे जीतेंगे, हमें केवल तीन अंक चाहिए। अगर हम दो मैचों में ज्यादा से ज्यादा अंक हासिल करते हैं तो मुझे बहुत खुशी होगी। एफसी के गोवा के खिलाफ चेन्नइयिन टीम का डिफेंस काफी कमजोर रहा था। सेंटर बैक लुसियन गोरियन और अली साबिया अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाए थे। लेकिन रोमानियाई खिलाड़ी लुसियन अपनी पुरानी टीम के खिलाफ वापसी करना चाहेंगे, जिनके साथ वह दो सत्र खेल चुके हैं। दूसरी तरफ, मुंबई सिटी की टीम अपनी जीत की लय कायम रखना चाहेगी। टीम ने अपने पहले मैच में केरला ब्लास्टर्स को उसके घर में।-0 से हराकर लीग में विजई शुरूआत की थी। चेन्नइयिन एफसी के खिलाफ होने वाले मैच में मुंबई को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उसके सेंटर बैक खिलाड़ी माटो गर्गिक मैच से बाहर हो गए हैं। माटो केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे। इसके अलावा पाउलो मकाडो भी चोटिल हो गए थे और उनका भी इस मैच में खेलना तय नहीं है। डिफेंस में प्रतीक चौधरी सार्थक गोलोई के साथ जोड़ी बनाकर मुंबई को मजबूती देंगे। मुंबई सिटी के कोच जॉर्ज कोस्टा ने कहा, हम सत्र पूर्व में उनके (चेन्नइयिन) के खिलाफ खेल चुके हैं। गोवा के खिलाफ मैंने उनकी टीम को देखा है। इसलिए मेरा मानना है कि वे हमें कड़ी चुनौती देंगे। सबसे महत्वपूर्ण चीज यह है कि हमें इस बात का ध्यान रखना है कि हम क्या कर सकते हैं।

भारत को एक स्वर्ण सहित सात पदक

ओमान जूनियर एवं कैडेट ओपन टेटे

एजेंसी। मुंबई

भारत के युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मस्कट में आयोजित ओमान जूनियर एवं कैडेट ओपन टूर्नामेंट में एक स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते।

इस आईटीटीएफ प्रीमियम जूनियर सर्किट प्रतियोगिता में लड़कियों के कैडेट वर्ग में भारत की बी टीम ने चीनी ताइपै-एक को हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम में काव्या श्री भास्कर और काव्या ने अपने दोनों एकल निश्चिमा सरकार शामिल थी। मैच जीते। तनीशा एस. कोटेचा और सुहाना सैनी की इंडिया ए टीम को सेमीफाइनल में इसी वर्ग में इंडिया बी टीम से हार मिली। लड़कों के कैडेट वर्ग में दोनों भारतीय टीमों को सेमीफाइनल में हार मिली। इन दोनों टीमों को कांस्य पदक मिला। लड़कियों के जूनियर वर्ग के मुकाबले राउंड रोबिन आधार पर खेले गए और इसमें इंडिया-ए टीम में शामिल स्वस्तिका घोष और अनार्ग्या मंजूनाथ ने सात अंक जुटाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। इस तरह इन दोनों को रजत पदक मिला। श्रेयांस गोयल और एच. जेहो की इंडिया बी टीम को ईरान के हाथों।-3 से हार मिली और इस तरह यह टीम कांस्य पदक जीतने में सफल रही।

एएफसी ने आईएसएल को भारत की शीर्ष लीग के रूप मान्यता दी

नई दिल्ली। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने शनिवार को देश का शीर्ष टूर्नामेंट के तौर पर मान्यता दी जबकि एफआईएफएफ को सिफारिश की 2020-21 सत्र के अंत तक दो आई लीग क्लबों के आईएसएल में प्रवेश का रास्ता निकाले। एएफसी की कार्यकारी समिति ने वियतनाम में बैठक के दौरान अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के देश के लिए प्रस्तावित खाके को मंजूरी दी। भारतीय फुटबाल के खाके पर विज्ञप्ति के अनुसार एएफसी ने कहा, 2019-20 सत्र में आईएसएल भारतीय फुटबाल में शीर्ष लीग प्रतियोगिता का दर्जा हासिल कर लेगा। एएफसी द्वारा एक और सिफारिश की गई कि 2020-21 सत्र में आईएसएल में दो आई लीग क्लबों के प्रवेश के लिए रास्ता तैयार किया जाए लेकिन इसके लिए सभी मापदंडों को पूरा किया जाए। शीर्ष महाद्वीपीय संस्था जीतने वाले आईएसएल क्लब को एएफसी चैम्पियंस लीग प्ले आफ में भारत का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देगी और आई लीग विजेता को एएफसी कप प्ले आफ में खेलने का मौका मिलेगा। एएफसी ने 14 अक्टूबर को आईएसएल और आई लीग दोनों के प्रतिनिधियों से बातचीत की थी जिसमें एआईएफएफ और आईएमजी-रिलायंस भी मौजूद थे।

सीआईडी क्लब व लखनऊ हंटरेज की जीत

सरदार पटेल-टी-20 क्रिकेट लीग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरदार पटेल-टी-20 क्रिकेट लीग में सीआईडी क्रिकेट क्लब ने तारिक क्रिकेट क्लब को 1 विकेट से जबकि लखनऊ हंटरेज ने पीएनबी को 91 रनों से हरा दिया। पहले मैच में पहले खेलते हुए तारिक की टीम ने 122 रन बनाए। प्रभजोत-26, रजनीकांत-37 व राज ने 25 रन बनाए। धर्मेन्द्र ने 2 विकेट लिया। जवाब में उतरी सीआईडी की टीम ने शमी-26, राज-29, रामू-22 व धर्मेंद्र के 13 रन की मदद से जीत हासिल की। इस लक्ष्य हासिल करने में उसके 9 विकेट गिरे। सौरभ व यश ने 3-3 विकेट लिया। दूसरे मैच में पहले खेलते हुए लखनऊ हंटर्ज ने 191 रन बनाए। आरिफ-45, गोपाल-30, सुफियान-28, अमन-31 व सरफराज ने 26 रन बनाए। विनय, शेखर व आरिफ ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में उतरी पीएनबी की टीम 100 रन ही बना सकी। आरिफ ने 3 व रितेश व अजहर ने 2-2 विकेट लिए। वंसत-30, आशिष ने 27 रन बनाए।

मुक्केबाज दीपक ने रजत, टेनिस खिलाड़ी बालाजी ने कांस्य पदक जीता

एजेंसी। वुहान (चीन)

विश्व सैन्य खेल

भारतीय मुक्केबाज दीपक ने सातवें विश्व सैन्य खेलों में शनिवार को यहां रजत पदक हासिल किया जबकि टेनिस खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

दीपक को पुरुषों के लाइट फ्लाइवेट (46-49 किग्रा) भार वर्ग के फाइनल में कजाखस्तान के जुस्सुपोव तेमिर्तस ने 5-0 से हराया। बालाजी ने इसके बाद उज्बेकिस्तान के फोमिन सेर्गे को पुरुष एकल के कांस्य पदक के मुकाबले में 6-2, 6-3 से शिकस्त दी। मध्यम दूरी के धावक जिनसन जानसन के लिए 1500 मीटर के दौड़ में पांचवें स्थान पर रहे। उन्होंने तीन मिनट 49.34 सेकेंड का समय लिया। भारत को पुरुषों के चार गुणा 400 मीटर दौड़ में भी निराशा हाथ लगी। कुन्हू मुहम्मद पुथनपुरक्क, संतोष कुमार तमलीरसन, जाबिर मदारी पल्लियालिल और मुहम्मद अनस याहिया की भारतीय चौकड़ी तीन मिनट 06.81 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रही।

बीसीसीआई के बिना आईसीसी की कोई प्रासंगिकता नहीं : अनुराग ठाकुर

एजेंसी। हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भारतीय बोर्ड के बिना विश्व संस्था की कोई प्रासंगिकता नहीं है। वित्त राज्यमंत्री ठाकुर सांसद स्टार खेल महाकुंभ पुरस्कार वितरण समारोह के सिलसिले में यहां आ रखे थे। उनके भाई अरुण धूमल अभी बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष हैं। ठाकुर ने कहा, बीसीसीआई के बिना आईसीसी की कोई प्रासंगिकता नहीं है क्योंकि इससे उसे अपने कामकाज के संचालन के लिए 75 प्रतिशत का अनुदान मिलता है। उन्होंने इसके साथ ही उम्मीद जताई कि सौरव गांगुली की अगुवाई में बीसीसीआई आईसीसी के सामने यह मुद्दा उठाएगा।

शुभंकर तीसरे दौर के बाद संयुक्त 19वें स्थान पर

विलामोरा (स्पेन)। भारत के शुभंकर शर्मा ने शनिवार को पुर्तगाल मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर मे तीन अंडर 68 का स्कोर बनाया। पिछले साल यूरोपियन टूर मे दो खिताब जीतने वाले शुभंकर ने दो बर्डी से शुरुआत की। इसके बाद उन्होने तीसरे होल मे बोगी की और फिर नौवे से 14वे होल मे ही बर्डी कर पाए।

रीयल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश जनवरी-सितंबर में 19 प्रतिशत बढ़कर 3.8 अरब डॉलर पर पहुंचा: एनारॉक

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू रीयल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश इस साल की जनवरी - सितंबर अवधि में 19 प्रतिशत बढ़कर 3.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली फर्म एनारॉक ने यह जानकारी दी। फर्म ने बताया कि यह निवेश मुख्य तौर पर वाणिज्यिक संपत्तियों में हुआ है। एनारॉक के अनुसार एक साल पहले की इसी अवधि में रीयल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश 3.2 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्यिक रीयल एस्टेट क्षेत्र में 2019 में निजी इक्विटी निवेश पहली तीन तिमाहियों में करीब 3 अरब डॉलर रहा। एक साल पहले 2018 की जनवरी से सितंबर की इसी अवधि में 2.1 अरब डॉलर का निवेश हुआ था। इस दौरान आवासीय क्षेत्र में 29.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 21 करोड़ डॉलर था। इस दौरान , 40 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। एनारॉक के आंकड़ों के मुताबिक , जनवरी - सितंबर 2019 के दौरान खुदरा संपत्ति क्षेत्र को 26 करोड़ डॉलर का निवेश मिला। एक साल पहले की इसी अवधि में यह आंकड़ा 35.5 करोड़ डॉलर था। लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग (गोदाम) क्षेत्र में कुल निजी इक्विटी निवेश 27 प्रतिशत गिरकर 20 करोड़ डॉलर रहा। एक साल पहले इसी अवधि में 27.5 करोड़ डॉलर था।

बुनियादी ढांचा विकसित करने में पांच साल में 1,400 अरब डॉलर खर्च करेगा भारत: प्रधान

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत रेल परियोजनाओं, हवाईअड्डों, बिजली संयंत्रों, सड़कों और पुलों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास पर अगले पांच साल में करीब।,400 अरब डॉलर खर्च करेगा। केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्पात क्षेत्र पर बने वैश्विक मंच ग्लोबल फोरम ऑन स्टील एक्सेस कैपिसिटी (जीएफएसईसी) के सम्मेलन में यह बात कही। इसमें कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रधान ने फोरम में कहा कि देश में इस्पात की मांग में काफी वृद्धि हुई है। भविष्य में इसके और बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि भारत 2024 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक विकास पर अगले पांच साल में करीब।,400 अरब डॉलर (99,40,000 करोड़ रुपए) का खर्च करने को प्रतिबद्ध है। प्रधान ने कहा कि यह सब देश में इस्पात की मांग के लिए अच्छा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत को 72 किलो प्रति व्यक्ति के मौजूदा स्तर से बढ़ाकर 2030 तक 160 किलो प्रति व्यक्ति करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधान दो दिन की जापान यात्रा पर हैं। मंत्री ने इस दौरान शुक्रवार को जापान की दिग्गज इस्पात कंपनियों जेएफई स्टील कॉरपोरेशन , निप्पॉन स्टील और दायदो स्टील के शीर्ष प्रबंधन से मुलाकात की और तेल से बढ़ते भारतीय इस्पात क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

अमेरिका- चीन पहले चरण के व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब: यूएसटीआर

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता में प्रमुख मुद्दों को सुलझाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और इन पर बातचीत जारी रहेगी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच फोन पर बातचीत के बाद यह बात कही। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल में कहा था कि दोनों आर्थिक ताकतें पहले चरण में एक व्यापक समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। यूएसटीआर ने कहा कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर और वित्त मंत्री स्टीवन न्यूचिन ने चीन के उप - प्रधानमंत्री लियू हे से शुक्रवार को अमेरिका - चीन व्यापार समझौते के पहले चरण पर बातचीत की। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष विशेष मुद्दों पर आगे बढ़े हैं और समझौते के कुछ हिस्सों को अंतिम रूप देने के करीब हैं। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि दोनों पक्ष एक - दूसरे की प्रमुख चिंताओं को ठीक तरह से दूर करने के मुद्दे परै सहमत हैं। इसके तहत चीन अमेरिकी पोल्ट्री उत्पादों के आयात पर लगे प्रतिबंध को हटा लेगा जबकि अमेरिका चीन निर्मित पोल्ट्री और कैटफिश के तैयार उत्पादों का आयात करेगा। दोनों पक्षों ने कहा कि निचले स्तर पर अधिकारियों के बीच बातचीत चलती रहेगी और निकट भविष्य में शीर्ष व्यापार वार्ता अधिकारियों के बीच जल्द ही बातचीत होगी। ट्रंप ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि चिली में एशिया - प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के मौके पर अलग से होने वाली मुलाकात में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। यह सम्मेलन मध्य नवंबर में होना है। ट्रंप ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, चीन के साथ हमारी बातचीत अच्छी चल रही है, चीन समझौता करना चाहता है। वह शुल्क में कुछ कमी चाहते हैं। अमरीका ने हाल ही में चीन के 250 अरब डालर के आयात पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाले शुल्क को टाल दिया। हालांकि, अभी दिसंबर से 150 अरब डालर के चीनी आयात पर शुल्क वृद्धि को अमली जामा पहनाने का प्रस्ताव बरकरार है।

अमेरिकी सांसदों ने भारत से पेकन पर शुल्क कम करवाने के लिए व्यापार प्रतिनिधि को लिखा पत्र

वाशिंगटन। अमेरिका के 34 सासंदो ने भारत से आयात होने वाले एक प्रकार के अखरोट जैसे सूखे मेवे पेकन पर भारत से शुल्क कम करवाने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर को पत्र लिखा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले हफते कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीतै जोर - शोरै से चल रही है। उन्होने बातचीत जल्द पूरी होने की उम्मीद जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद से दोनो देशो के बीच व्यापार मोर्चे पर तनाव चल रहा है। ट्रंप ने कहा था कि भारत अमेरिकी उत्पादो पर ज्यादा शुल्क लगाता है यह स्थितिै ज्यादा दिन नही चल सकती है। ट्रंप सरकार ने जून मे व्यापार मे सामान्य तरजीही प्रणाली के तहत भारत का लाभार्थी विकासशील देश के रूप मे दर्जा समाप्त कर दिया था। सांसद ऑस्टिन स्कॉट की अगुवाई मे सांसदो ने 24 अक्टूबर को लिखे पत्र मे कहा कि भारत मे मध्यम वर्ग तेजी से बढ़ रहा है और उसने कृषि उत्पादो मे अपनी रुचि दिखाई है। भारतीय बाजार दुनिया मे सबसे तेजी से बढ़ने वाले बाजारो मे से एक है। दुर्भाग्य से भारत पेकन के आयात पर मौजूदा समय मे ऊंचा शुल्क (36 प्रतिशत) लगाता है। इससे अमेरिकी उत्पादो के लिए इस बाजार मे प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो गया है। जैसा कि आप व्यापार समझौते पर पहुंचने और भारत का जीएसपी (व्यापार मे सामान्य तरजीही व्यवस्था) दर्जा बहाल करने को लेकर बातचीत कर रहे है। ऐसे मे आपको अमेरिकी कृषि उत्पादो विशेषकर पेकन के निर्यात मे आने वाली बाधाओ को दूर करने पर जोर देना चाहिए। पेकन पर शुल्क कम करने से मध्यमवर्ग के भारतीय इन्हे आसानी से खरीद सकेंगे और यह अमेरिका के ग्रामीण हिस्सो को आर्थिक रूप से प्रोत्साहित करेगा।

फाइजर का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 61 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। दवा कंपनी फाइजर लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई - सितंबर तिमाही में 61.01 प्रतिशत बढ़कर 154.25 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक साल पहले की इसी तिमाही में उसने 95.80 करोड़ रुपए शुद्ध लाभ अर्जित किया था। फाइजर ने बंबई शेयर बाजार को बताया कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 9.10 प्रतिशत बढ़कर 567.06 करोड़ रुपए हो गई , जो एक साल पहले की सितंबर तिमाही में 519.74 करोड़ रुपए थी। इस दौरान , कंपनी का कुल व्यय भी आलोच्य अवधि में 407.92 करोड़ रुपए से 5.56 प्रतिशत बढ़कर 430.63 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

PUBLIC NOTICE

The Executive Committee of **JAMIA-TUL-BANAT-AL-ISLAMIA** informs the public at large that **JAMIA-TUL-BANAT-AL-ISLAMIA** is a registered society with the Registrar of Societies, New Delhi vide Registration No. S-32181/1997 to run its educational and other services, is maintaining buildings, other moveable and immoveable properties. These properties are raised and maintained by the society's own funds, therefore, other than society do not have form right or ownership in any manner.

Islamic laws, Income Tax Act, 1961 and other Indian Laws & regulations never permit its executive body member, general members, employees of the society or any other person associated with the society to transfer, sale, mortgage, pledge, create third party lien in any manner.

Therefore, the transfer of society's moveable or immoveable property will be void, illegal and illegitimate and liable to take stringent action against these people as provided under law and liable for punishment and expenses incurred thereon.

Executive Committee
JAMIA-TUL-BANAT-AL-ISLAMIA
B-112,Thokar No.7,
Shaheen Bagh, Jamia Nagar,
Okhla, New Delhi-110025

इंदौर में सोयाबीन रिफाइंड तेल के भाव में कमी

इंदौर। स्थानीय खाद्य तेल बाजार मे शनिवार को सोयाबीन रिफाइंड तेल के भाव तीन रुपए प्रति 10 किलोग्राम की कमी (शुक्रवार की तुलना मे) लिए रहे। मूंगफली तेल के भाव मे 10 रुपए प्रति 10 किलोग्राम की तेजी रही। तिलहनः सरसो 3800 से 3850, रायडा 3550 से 3600, सोयाबीन 3750 से 3800 रुपए प्रति क्विंटल। तेलः मूंगफली तेल इंदौर 1030 से 1050, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 760 से 762, सोयाबीन साल्वेट 725 से 730, पाम तेल 700 से 705 रुपए प्रति 10 किलोग्राम।

इंदौर में शक्कर, खोपरा गोला में ग्राहकी बढिया

इंदौर। स्थानीय सियागंज किराना बाजार मे शनिवार को शक्कर, खोपरा गोला मे ग्राहकी बढिया (शुक्रवार की तुलना मे) रही। कारोबारियो के अनुमान के मुताबिक सियागंज किराना बाजार मे शनिवार को 14 गाड़ी शक्कर की आवक हुई। शक्कर-गोलाः शक्कर 3420 से 3500 रुपए प्रति क्विंटल।खोपरा गोला 158 से 180 रुपए प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2200 से 3450 रुपए प्रति 15 किलोग्राम। हल्दीः हल्दी खड़ी सांगली 130 से 132, निजामाबाद 90 से 100, पिसी 140 से 155 रुपए प्रति किलोग्राम। साबूदानाः साबूदाना 6000 से 7200, पैकिंग मे 7200 से 7600 रुपए प्रति क्विंटल। आटा-मैदाः गेहूं आटा 1210 से 1220, मैदा 1300 से 1310, रवा 1400 से 1410, चना बेसन 3150 से 3175 रुपए प्रति क्विंटल।

इंदौर में सोना महंगा, चांदी के भाव में कमी

इंदौर। स्थानीय सर्राफा बाजार मे शनिवार को सोना 15 रुपए प्रति 10 ग्राम मंहगा बिका। चांदी के भाव 175 रुपए प्रति किलोग्राम की कमी (शुक्रवार की तुलना मे) लिए रहे। हाजिर व्यापार मे सोना ऊंचे मे 38,790 रुपए, नीचे मे 38,750 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ऊंचे मे 46,425 एवं नीचे मे 46,325 रुपए प्रति किलोग्राम बिकी। मूल्यवान धातुओ के औसत भाव इस प्रकार रहे। सोना 38,775 रुपए प्रति 10 ग्राम चांदी 46,375 रुपए प्रति किलोग्राम चांदी सिक्का 700 रुपए प्रति नग।

सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 76,998 करोड़ रुपए बढ़ा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में हैं ये शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

सेंसेक्स की शीर्ष दस कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (एम - कैप) शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में कुल मिलाकर 76,998.4 करोड़ रुपए बढ़ गया। इसमें टाटा समूह की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार पूंजीकरण में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) , एचडीएफसी , आईटीसी , आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है जबकि एचडीएफसी बैंक , कोटक महिंद्रा बैंक और इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण घट गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण (एम कैप) 25,403.64 करोड़ रुपए बढ़कर 7,97,400.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का एम - कैप 20,271.2 करोड़ चढ़कर 3,03,054.59 करोड़ रुपए जबकि एसबीआई का पूंजीकरण 10,664.91 करोड़ रुपए बढ़कर 2,51,317.06 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण सप्ताह के दौरान 9,762.29 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 9,06,941.76 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का एम - कैप 7,934.03 करोड़ रुपए बढ़कर 4,63,886.75 करोड़ रुपए जबकि आईटीसी का पूंजीकरण।,658.68 करोड़ रुपए चढ़कर 3,04,520.66 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी का पूंजीकरण।,303.65 करोड़ रुपए बढ़कर 3,63,105.62 करोड़ रुपए हो गया। इसके विपरीत , इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 55,921.5 करोड़ रुपए लुढ़क कर 2,73,830.43 करोड़ रुपए रह गया। इंफोसिस के शीर्ष प्रबंधन पर कदाचार के आरोपों के बाद कंपनी के शेयर मूल्य में बड़ी गिरावट आई है। कोटक महिंद्रा का एम - कैप 5,262.13 करोड़ रुपए गिरकर 3,03,293.39 करोड़ रुपए जबकि एचडीएफसी बैंक का पूंजीकरण 273.54 करोड़ रुपए घटकर 6,72,192.76 करोड़ रुपए पर आ गया। शीर्ष दस कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले पायदान पर रही। इसके बाद टीसीएस , एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड , एचडीएफसी , आईटीसी , कोटक महिंद्रा बैंक , आईसीआईसीआई बैंक , इंफोसिस और एसबीआई का स्थान रहा है। सप्ताह के दौरान बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 240.32 अंक यानी 0.61 प्रतिशत नुकसान में रहा।

तमिलनाडु की चीनी मिलों के लिए ऋण पुनर्गठन पैकेज प्रक्रिया में तेजी लाने का केन्द्र से आग्रह

एजेंसी। चेन्नइ

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने राज्य की चीनी मिलों के लिए ऋण पुनर्गठन पैकेज को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए बैंकों को निर्देश देने का केन्द्र सरकार से आग्रह किया है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने चीनी उद्योग के पुनरुद्धार के लिए गन्ना किसानों को कर्ज वितरण सहित विभिन्न उपाय किए जाने पर भी जोर दिया है। संकटग्रस्त चीनी क्षेत्र के लिए जरूरी कदमों को गिनाते हुए उन्होंने निजी और सहकारी चीनी मिलों द्वारा चीनी विकास निधि ऋण तथा चीनी उद्योग द्वारा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋणों के पुनर्गठन की वकालत की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भेजे पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा, बैंकों और वित्तीय संस्थानों को जल्द ही ऋण पुनर्गठन पैकेज को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने वित्त मंत्री से बैंकों और संस्थानों को यह सलाह देने का भी अनुरोध किया है कि जब तक चीनी क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए उपायों को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता है तब तक वह उद्योग के खिलाफ दिवाला एवं रिणशोधन अक्षमता कानून, प्रतिभूतिकरण (सरफेइसी कानून) कानून और रिण वसूली न्यायाधिकरण को भेजे गए मामलों के तहत कठोर कदम नहीं उठाएं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इसके अलावा चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए राज्य की मिलों को अतिरिक्त चीनी जारी करने के लिए केंद्र से मंजूरी दिए जाने का आग्रह किया। उन्होंने 24 अक्टूबर को लिखे और शनिवार को प्रेस को जारी पत्र में कहा, बैंकों को गन्ने की खेती के लिए किसानों को ऋण जारी करने का परामर्श दिया जाना चाहिए, भले ही किसानों ने पहले के ऋणों को नहीं चुकाया हो। चीनी मिलों की ओर से किसानों को उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) का भुगतान नहीं होने की वजह से किसान बकाया नहीं चुका पाए हैं। पलानीस्वामी ने कहा कि तमिलनाडु के करीब चार लाख किसानों की जीविका की सुरक्षा के लिए, तमिलनाडु के चीनी उद्योग के पुनरुद्धार के लिए मैं आपकी ओर से लगातार समर्थन और अनुकूल आदेश का आग्रह करता हूं।

मर्सिडीज-बेंज ने नई जीएलई एसयूवी के लिए बुकिंग शुरू की

मुंबई। जर्मनी की कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज - बेंज ने अपनी नई जीएलई एसयूवी के लिए बुकिंग शुरू करने की शनिवार को घोषणा की। इस एसयूवी को अगले साल की शुरुआत में भारत में पेश किए जाने की उम्मीद है। कंपनी ने बयान में दावा किया कि उसने धनतेरस पर ग्राहकों को 600 कारों की आपूर्ति भी की है। कंपनी ने कहा कि जीएलई के लिए जबर्दस्त मांग को देखते हुए मर्सिडीज ने इस एसयूवी के मौजूदा संस्करण को बाजार में पेश करने की योजना से तीन महीने पहले ही बेच दिया और अब नई पीढ़ी की जीएलई के लिए बुकिंग शुरू की है। इसमें कहा गया है कि नई जीएलई एसयूवी को ऑटो एक्सपो 2020 से पहले भारत में पेश किए जाने की उम्मीद है। कंपनी ने बताया कि मर्सिडीज ने 13,000 जीएलई कारों की अब तक बिक्री की है। कंपनी ने कहा कि त्योहारी मौसम में मर्सिडीज - बेंज वाहनों की अच्छी खासी मांग देखी गई। विशेष रूप से दिल्ली - एनसीआर , पंजाब , मुंबई , पुणे और गुजरात में मांग ज्यादा रही। धनतेरस के दिन रिकॉर्ड 600 कारों की बिक्री की गई , जिसमें से करीब 50 प्रतिशत (250 इकाइयों से अधिक) की आपूर्ति दिल्ली - एनसीआर में की गई।

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित
छठवीं मंजिल, टॉवर ''सी'', कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सी.बी.डी.
सेक्टर-21, नवा रायपुर अटल नगर, (छ.ग.), 492002
website-www.markfed.cg.nic.in Email: mf_ctrlroom_raipur@gov.in

क्र./विप./प्ला. बोरी./सूखा धान भूसा/3802/2019 नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 26.10.2019

खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 में विपणन संघ के धान संग्रहण केन्द्रों में उपयोगी प्लास्टिक बोरी (HDPE) आपूर्ति एवं सूखा धान हेतु पुनः अल्पकालीन निविदा सूचना

छ.ग. राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा धान संग्रहण केन्द्रों/ईकाईयों में एक भरती उपयोगी प्लास्टिक बोरी आपूर्ति एवं सूखा धान भूसा हेतु पृथक-पृथक जिले क्रमशः कोरबा, सुकमा, कोरिया, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा एवं जशपुर हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा सूचना वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में जाकर संबंधित फर्म का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन निविदा दिनांक से पूर्व इच्छुक निविदाकारों को करना आवश्यक है। प्लास्टिक बोरी निविदा दिनांक 26.10.2019 से 10.11.2019 तक ऑनलाईन भरी जा सकती है। निविदा प्रारूप तथा शर्तों एवं निबंधनों का अवलोकन विपणन संघ के वेबसाईट www.markfed.cg.nic.in पर निविदाकर्ता के अध्ययन हेतु गाईडलाइन के रूप में उपलब्ध है। ई-निविदा की कार्यवाही के संबंध में अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए Mjunction में संपर्क किया जा सकता है। email-helpdesk.cgeproc@gmail.com फोन नंबर 18002582502

संवाद-23307/5 महाप्रबंधक (विप)

त्विक न्यूज

नौ महीने की जेल के बाद मास्को पहुंची रूसी एजेंट

मास्को। अमेरिका में नौ महीने तक जेल में बंद रहने वाली रूस सरकार की एजेंट मारिया बुटिना रिहाई के एक दिन बाद शनिवार को यहां पहुंची। सूत्रों ने बताया कि अमेरिका के मियामी से प्रस्थान करने के बाद बुटिना यहां मास्को के शेरमेतेवो हवाई अड्डा पहुंची। उसे फ्लोरिडा (अमेरिका) के टल्लाहासी कारा में रखा गया था। सूत्रों ने बताया कि बुटिना को जासूसी के आरोप में जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। बाद में बुटिना को 18 महीने की सजा सुनाई गई थी।

चिली के राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन

सैंटियागो। चिली के राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा के इस्तीफे और आर्थिक सुधारों की मांग के साथ शुक्रवार को 10 लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतर आए। इसे अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन कहा जा रहा है। यहां पिछले एक सप्ताह से हिंसक प्रदर्शन जारी है। राष्ट्रपति ने ट्वीट करके प्रदर्शनकारियों से कहा कि उन्होंने संदेश सुन लिया है। साथ ही उन्होंने इन प्रदर्शनों को सकारात्मक और बदलाव का जरिया बताया है।

जापान के ज्वैलरी मेले से 18.4 लाख डॉलर के हीरे की चोरी

तोक्यो। जापान की पुलिस तोक्यो के समीप एक अंतरराष्ट्रीय ज्वैलरी व्यापारिक प्रदर्शनी से कथित रूप से चुराए गए 20 करोड़ एन के हीरे को ढूंढने में जुटी है। पुलिस के अनुसार तोक्यो के समीप योकोहामा की इस प्रदर्शनी में बृहस्पतिवार शाम पांच बजे 50कैरेट का यह हीरा शीशे के एक शोकेस के अंदर देखा गया था। उसके एक घंटे बाद प्रदर्शनी के खत्म होने के महज कुछ समय उपरांत हीरा गायब था और शोकेस खुला था।

जापान: भूस्खलन में लापता लोगों के लिए खोज जारी

तोक्यो। मध्य जापान में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए राहतकर्मियों ने शनिवार को बचाव अभियान जारी रखा। इसबीच हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है और तीन लोग लापता है। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में भूस्खलन और बाढ़ से दो बुजुर्गों समेत नौ लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि करीब 40 वर्षीय एक महिला पूर्वी फुकुशिमा तट के पास मृत पाई गई थी।

नायडू आजरबैजान के प्राचीन अग्नि मंदिर गए

एजेंसी। बाकू (आजरबैजान)

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू यहां अग्निमंदिर गए जो भारत और आजरबैजान के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विनिमय का उदाहरण है। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने ट्वीट किया कि नायडू ने इस आतिशगाह मंदिर में बच्चों को आजरबैजान के पारंपरिक परिधान में देखकर खुशी व्यक्त की। आतिशगाह आग के लिए पारसी शब्द आतिश से बना है।

उपराष्ट्रपति ने ट्वीट किया, आज आजरबैजान के बाकू में आतिशगाह अग्निमंदिर जाकर बड़ी खुशी हुई। यह मंदिर दोनों देशों के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विनिमय का बहुत अच्छा उदाहरण है। अठारहवीं सदी के इस स्मारक की दीवारों पर देवनागरी और गुरमुखी लिपि में अभिलेख लिखे हैं। यह मंदिर उस व्यापारिक संबंध और

आजरबैजान के बाकू में आतिशगाह अग्निमंदिर में पूजा करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

आतिथ्य का जीता जागता सबूत है जो यूरोप जाने के रेशम मार्ग पर भारतीय व्यापारियों को आजरबैजान के बाकू और गांजा जैसे शहरों में मिलता था। इस मंदिर में जाने के बाद नायडू नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

वह गुटनिरपेक्ष आंदोलन के दो दिवसीय सम्मेलन में हिस्सा लेने आए थे। यह सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ था। उपराष्ट्रपति भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे थे। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के इस 18 वें सम्मेलन में उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय वक्तव्य दिया और विभिन्न नेताओं के साथ परस्पर हित के मुद्दों पर चर्चा की।

नायडू और वेनेजुएलाई राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा

एजेंसी। बाकू (आजरबैजान)

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से यहां गुट निरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर वार्ता से अलग कई मुद्दों पर शनिवार को चर्चा की।

उपराष्ट्रपति सचिवालय ने ट्वीट किया कि नायडू ने एनएएम की सफलतापूर्वक अध्यक्षता करने के लिए वेनेजुएला को बधाई दी। एनएएम की अध्यक्षता करने वाला देश हर तीन साल में बदला जाता है। वेनेजुएला के मार्गरिटा द्वीप में 2016 में राष्ट्र एवं सरकार प्रमुखों के 17वें शिखर सम्मेलन के आयोजन के बाद से, आंदोलन की अध्यक्षता मादुरो ने की है। ट्वीट में बताया गया कि उपराष्ट्रपति ने बाकू में एनएएम शिखर वार्ता से इतर मादुरो से मुलाकात की। इसमें बताया गया कि दोनों ने, परस्पर हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और दुनिया भर के देशों के साथ रचनात्मक विकास साझेदारी कर दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ाने की जरूरत पर विमर्श किया।

अमेरिकी सांसदों ने मनाई दिवाली

एजेंसी। वाशिंगटन

भारतीय मूल की सांसद कमला हैरिस, प्रमिला जयपाल, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और अमी बेरा सहित शीर्ष अमेरिकी सांसदों ने शुक्रवार को दीवाली मनाकर जीवन में सकारात्मक होने का संदेश दिया। भारत में दिवाली रविवार को मनाई जाएगी। गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ओवल कार्यालय में एक छोटे भारतीय-अमेरिकी समूह के साथ दिवाली मनाई।

भारतीय-अमेरिकी महिला सांसद कमला हैरिस ने कहा, यह प्रकाशपर्व हमें अपने लोगों को अंधेरे से ऊपर उठाने, निराशा की बजाय आशा के साथ जीने और जो सही है उसके लिए खड़े होने के लिए प्रेरित करता है। मुझे उम्मीद है कि त्योहार मना रहे सभी लोगों को इस तरह के खुशी के मौके पर अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने का मौका मिले।

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश की विजय पर और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारतीय मूल की कानूनविद प्रमिला जयपाल ने कहा, दीवाली हमें याद दिलाती है कि समाज में धर्म, अच्छाई, कर्तव्य और धार्मिकता हमेशा बनी रहेगी। हम प्रकाशोत्सव मनाते हुए संकल्प लेते हैं कि हम अपने काम और समाज में आशा और प्रकाश ले आने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, हमें नफरत, नस्लवाद, धर्म विरोध जैसी बुराईयों को दूर करना चाहिए। ए बुराईयां हमें विभाजित करने की कोशिश करती हैं। रो खन्ना ने कहा, दिवाली हमारे जीवन को प्रकाशित करने, हमारी गलतियों से हमें सबक लेने और आने वाले वर्ष में आगे बढ़ने का संदेश देती है।

खूनखराबे के बाद इराक में प्रदर्शनकारियों को हटाया गया

एजेंसी। बगदाद

इराकी सुरक्षा बलों ने बगदाद में सुस्त पड़े प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए शनिवार सुबह आंसू गैस के गोले छोड़े। एक अक्टूबर से शुरू हुई सरकार विरोधी रैलियों में, बगदाद और देश के शिया बहुल दक्षिण क्षेत्र में करीब 200 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग घायल हुए हैं। इनमें से लगभग एक चौथाई यानि 42 लोगों की गोली लगने, आंसू गैस छोड़े जाने या सरकारी इमारतों या दफ्तरों को आग लगाने की वजह से मौत हुई। दक्षिण में हो रही रैलियों में प्रांतीय मुख्यालयों, सांसदों के कार्यस्थलों पर हमला कर नए सिरे से प्रदर्शन किए जाए रहे हैं लेकिन राजधानी में फिलहाल ऐसे हमले नहीं हो रहे हैं। बगदाद में, सैंकड़ों प्रदर्शनकारी शनिवार की सुबह तहरीर स्कॉयर के पास जमा हो गए जबकि पुलिस आंसू गैस के गोले दाग पर उन्हें वहां से हटाने के प्रयास करती रही। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, बहुत हो गया- चोरी, लूट, गिरोह, माफिया जो कुछ भी। यहां से निकलिए, हमें एक कार्यशील देश देखने दें। हमें कुछ नहीं चाहिए, हमें बस जीने दें। तेल संपन्न इराक ओपीईसी का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है लेकिन विश्व बैंक के मुताबिक हर पांच में से एक व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे रह रहा है और युवाओं की बेरोजगारी दर 25 प्रतिशत है। बेरोजगारी की बढ़ती दरें और भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते एक अक्टूबर को व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे और सरकार किसी तरह की सुधार योजना की पेशकश कर लोगों के गुस्से को शांत करने में संघर्ष करती नजर आ रही है।

जयशंकर ने की कुवैत, बहरीन के अपने समकक्षों से मुलाकात

एजेंसी। बाकू (आजरबैजान)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को यहां गुट निरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन से इतर कुवैत और बहरीन के अपने समकक्षों के साथ मुलाकात की और दोनों खाड़ी देशों के साथ भारत के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

शुक्रवार को शुरू हुए 18 वें एनएएम शिखर सम्मेलन के मौके पर इसके 120 सदस्य देशों के प्रमुख यहां आए हुए हैं। भारत एनएएम का संस्थापक सदस्य है, जो विश्व नेताओं के सबसे बड़े मंचों में से एक है।

जयशंकर ने ट्वीट किया, कुवैत के विदेश मंत्री शेख सबाह खालिद अल-हमद अल-सबाह के साथ सौहार्दपूर्ण मुलाकात की। हमारी ऐतिहासिक दोस्ती और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का गहरा महत्व है। कुवैत भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार है। 2017-18 में, कुवैत भारत का नौवां सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था और यह भारत की ऊर्जा जरूरतों का लगभग 4.63 प्रतिशत पूरा करता है।

कुवैत में स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, इस तेल समृद्ध देश में कानूनी रूप से रहने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या आठ लाख के आंकड़े को पार कर गई है। इनमें से लगभग 24,000 भारतीय कुवैत सरकार के लिए काम कर रहे हैं, जिनमें नर्स, इंजीनियर और कुछ वैज्ञानिक शामिल हैं। जयशंकर ने एक अन्य ट्वीट में कहा, बहरीन के विदेश मंत्री खालिद अल खलीफा से मुलाकात कर बहुत अच्छा लगा। हमेशा की तरह गर्मजोशी भरा।

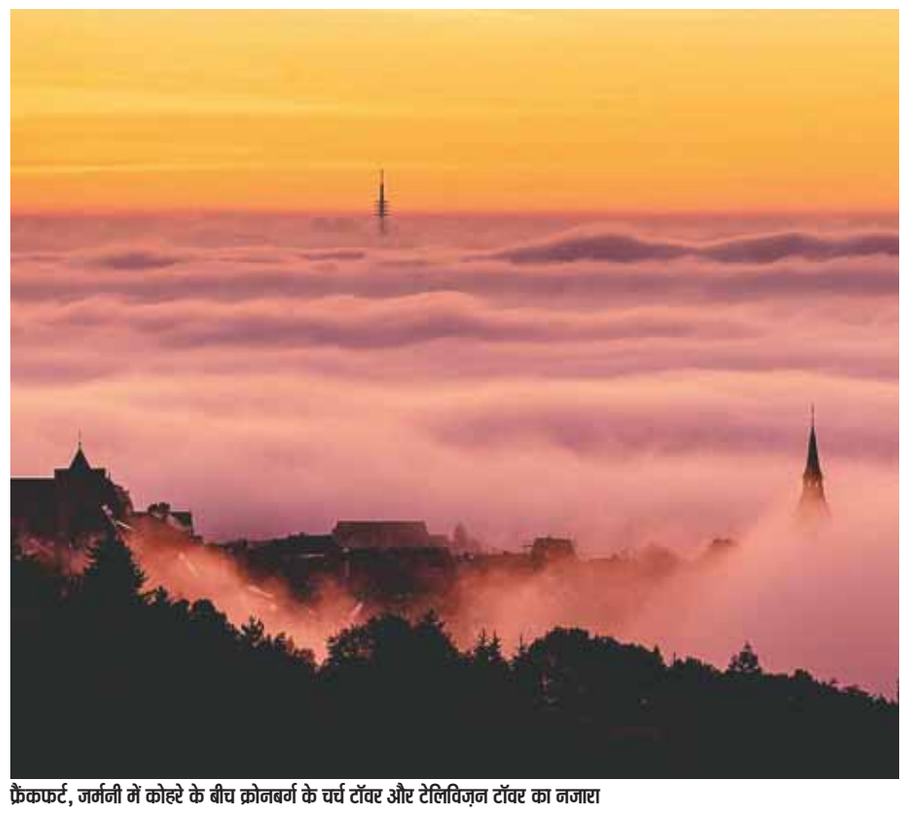

फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में कोहरे के बीच क्रोनबर्ग के चर्च टॉवर और टेलिविज़न टॉवर का नजारा

ताइवान में शनिवार को वार्षिक समलैंगिक गौरव परेड में भाग लेते ताइपेई

वियतनाम के एक और परिवार ने ब्रिटेन में ट्रक में मिले 39 शवों में बेटे के होने का अंदेशा जताया

एजेंसी। नाघे अन (वियतनाम)

वियतनाम के एक और परिवार ने ब्रिटेन में इस सप्ताह एक ट्रक में मिले 39 लोगों के शवों में अपने बेटे के होने का अंदेशा जताया है। एक व्यक्ति ने शनिवार को बताया कि उसे एक फोन आया था जिसमें बताया गया था कि ब्रिटेन जाने के मार्ग में उसके बेटे की मौत हो गई।

ब्रिटिश पुलिस ने शुरू में बताया था कि एक प्रशीतित ट्रक में जिन 31 पुरूषों और आठ महिलाओं के शव मिले हैं, समझा जाता है कि वे सभी चीनी नागरिक हैं। यह ट्रक पूर्वी लंदन के ग्रेज में एक औद्योगिक पार्क में मिला था। हालांकि अब तक दो वियतनामी परिवार यह आशंका जता चुके हैं कि शवों में उनके संबंधी भी हो सकते हैं, जिनके पास संभवत: फर्जी चीनी पासपोर्ट हों। इस हादसे से समूचा ब्रिटेन सदमे में है और इससे यह सामने आया है कि बिना किसी सही कागजात के लोग कैसे यूरोप पहुंचने के लिए खतरनाक मार्ग अपनाते हैं।

इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अंगुएन दिन्ह गिया ने बताया कि उन्हें एक सप्ताह पहले बेटे ने फोन कर बताया था कि उसकी ब्रिटेन जाने की योजना है जहां उसे किसी नेल सैलून में काम मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि उनका 20 साल का बेटा अंगुएन दिन्ह लुओंग फ्रांस में रह रहा था। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में यात्रा पर 11,000 पाउंड (14,000 डॉलर) का खर्च आएगा।

नवाज शरीफ को सीने में दर्द की शिकायत

इस्लामाबाद। लाहौर के एक अस्पताल में इलाजरत पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को शनिवार को सीने में दर्द की शिकायत हुई। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक उनके हृदय में रक्त का प्रवाह कम होने के कारण उनके सीने में दर्द हो रहा है। डॉन न्यूज ने सर्विसेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सिम्स) के प्रिंसिपल डॉक्टर महमूद अयाज के हवाले से कहा है कि अस्पताल में इलाजरत शरीफ ने आज सुबह सीने में दर्द की शिकायत की। अयाज ने मीडिया के एक हिस्से में आई इन खबरों को खारिज कर दिया कि 69 वर्षीय पीएमएल-एन नेता को दिल का दौरा पड़ा है। इससे पहले, शरीफ के वकील ख्वाजा हैरिस ने दावा किया था कि कल देर रात पूर्व प्रधानमंत्री को दिल का दौरा पड़ा और उनकी जान खतरे में है। हालांकि, अयाज ने कहा कि शरीफ के रक्त में प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ रही है।

महिलाओं ने पोप फ्रांसिस से चर्च परिषद में मताधिकार देने का अनुरोध किया

एजेंसी। वेटिकन सिटी

अमेजन पर तीन हफ्तों की वेटिकन सभा में हिस्सा लेते हुए कैथोलिक ननों ने पोप फ्रांसिस से उन्हें अंतिम दस्तावेज पर मतदान करने की इजाजत देने का शनिवार को अनुरोध किया। फ्रांसिस से इसकी इजाजत मिलना एक ऐतिहासिक घटनाक्रम होगा। हालांकि, वेटिकन ने सार्वजनिक रूप से इस अनुरोध का जवाब नहीं दिया है लेकिन एक विशेषज्ञ ने कहा कि जब सभा या चर्च परिषद की बैठक चल रही होती है तब मतदान नियमों में बदलाव करना असमान्य होगा।

सिर्फ साइनोड फादर्स या परिषद के फादर --बिशप कार्डिनल और विशेष रूप से नियुक्त पुरूष प्रतिनिधियों--को ही अंतिम दस्तावेज पर मतदान करने की इजाजत होगी।

फ्रांसिस आगामी महीनों में जब अपना खुद का दस्तावेज तैयार करेंगे, तब वह इन सिफारिशों पर विचार करेंगे। मताधिकार रखने वाले करीब 184 बिशप या कार्डिनल -- अखिल अमेजन क्षेत्र से आने वाले करीब दो तिहाई -- इसमें भाग ले रहे हैं। इस क्षेत्र में नौ लातिन अमेरिकी देश आते हैं। शनिवार को दस्तावेज के प्रत्एक पैराग्राफ पर मतदान होगा। यह बैठक रविवार को संपन्न होगी। इसमें मताधिकार नहीं रखने वाले पर्यवेक्षक, ऑडिटर और विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। इनमें 35 महिलाएं शामिल हैं। इक्वाडोर की नन इनेस अजुसेना जामब्रानो जारा ने शुक्रवार को कहा कि पोप को एक पत्र भेजा गया है।

अमेरिका ने अफगान शांति पर वार्ता के लिए चीन, रूस और पाकिस्तान से मुलाकात की

एजेंसी। इस्लामाबाद

रूस, चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को इस बात पर सहमति जताई कि अफगानिस्तान में शांति स्थापित करने के लिए केवल वार्ता ही एकमात्र रास्ता है। साथ ही इन प्रतिनिधियों ने तालिबान के साथ अमेरिका की सीधी बातचीत जल्द शुरू किए जाने की भी वकालत की।

मॉस्को में दिन भर चली यह वार्ता चीन की तरफ से आयोजित अंतर अफगान संवाद से पहले हुई। अगले हफ्ते बीजिंग में होने जा रही वार्ता को टाल दिया गया है। वार्ता की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने यह बात बताई है। पहचान उजागर न करने की शर्त पर इन अधिकारियों ने कहा कि यह स्थगन कुछ समय का ही होगा लेकिन कोई नई तारीख नहीं बताई गई है। चीन में होने जा रही यह वार्ता जब कभी होगी तब अफगान के परस्पर विरोधी पक्षों के बीच जुलाई के बाद से पहली आमने-सामने की बातचीत होगी। यहां तक कि अपनी सरकार की अगुवाई में नहीं होने वाली किसी भी वार्ता का विरोध करने वाले राष्ट्रपति अशरफ गनी ने भी शुक्रवार देर रात को कहा कि वह प्रतिनिधियों को भेजेंगे। स्थगन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है लेकिन पिछली अंतर अफगान वार्ता में प्रतिभागियों को लेकर दोनों पक्ष में हुए झगड़े की वजह से देरी हुई थी। पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई समेत काबुल से कई प्रमुख अफगान अधिकारी चीन बैठक में शामिल हो सकते हैं।

हवाना को छोड़कर क्यूबा के सभी शहरों के लिए अमेरिकी उड़ान पर लगेगा प्रतिबंध

हवाना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन हवाना को छोड़कर क्यूबा के सभी शहरों के लिए अमेरिकी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने यह जानकारी दी।

महाभियोग जांच में डेमोक्रेट को मिली बड़ी जीत

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका की एक अदालत ने न्याय विभाग को रूस मामले में विशेष वकील रॉबर्ट मूलर द्वारा की गई जांच से जुड़ी गुप्त जानकारियां सदन को देने का आदेश दिया है। इस अदालती फैसले को डेमोक्रेट पार्टी की एक बड़ी जीत माना जा रहा है, जो इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की जांच में इस्तेमाल करने के लिए हासिल करना चाहती थी।

आदेश में मुख्य अमेरिकी जिला न्यायाधीश बेरिल हॉवेल ने विभाग को 30 अक्टूबर तक जानकारियां उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। न्याय विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि विभाग निर्णय की समीक्षा कर रहा है।

यह आदेश ऐसे समय में आया है जब डेमोक्रेट्स को वह सबूत हाथ लगी है, जिसमें दावा किया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन और अन्य डेमोक्रेट नेताओं के खिलाफ जांच के लिए यूक्रेन से करार करने का प्रयास किया था।

मूलर से प्राप्त जानकारियां वर्ष 2016 के चुनावों में ट्रंप के खिलाफ नए सबूत मुहैया कर सकती है। यह खुलासा इस महाभियोग के मामले को और मजबूत कर देगा। न्याय विभाग के अनुसार यह इन जानकारियों वाले दस्तावेजों का एकमात्रा हिस्सा है, जहां तक सांसदों की पहुंच नहीं थी।

व्हाइट हाउस और रिपब्लिकन समर्थकों ने तर्क दिया कि औपचारिक वोट के बिना महाभियोग गैरकानूनी है। न्याय विभाग ने यह तर्क दिया था कि महाभियोग न्यायिक कार्यवाही के योग्य नहीं है। न्यायाधीश ने न्याय विभाग के इस तर्क को भी खारिज कर दिया।

रिपब्लिकन नेशनल कमेटी ने महाभियोग पर ट्रम्प के साथ एकजुटता जताई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ जारी महाभियोग की जांच के बीच रिपब्लिकन नेशनल कमेटी ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प के साथ एकजुटता जताई है और कहा है कि समिति का समर्थन अब पहले से अधिक है और वह पूरी तरह से ट्रम्प के साथ खड़ी है। राष्ट्रीय पार्टी के प्रशासनिक निकाय ने समर्थन दर्शाते हुए महाभियोग की जांच को पूरी तरह पक्षपातपूर्ण बताया और उसकी निंदा करते हुए ट्रम्प के साथ एकजुटता जताई। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी में मतभेदों को लेकर व्हाइट हाउस चिंतित है, और ट्रम्प महाभियोग जांच पर मतदान से पहले अपने पक्ष में समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ट्रम्प ने अपने पक्ष में पार्टी नेताओं को लामबंद करने का प्रयास करते हुए शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, यह महज राष्ट्रपति का ही अपमान नहीं है, बल्कि पूरे रिपब्लिकन नेताओं का अपमान है।आरएनसी में यह प्रस्ताव दक्षिण कैरोलिना के सांसद लिंडसे ग्राहम ने पेश किया, जिसे सीनेट मेजॉरिटी लीडर मिच मैककोनेल ने समर्थन दिया। प्रस्ताव में महाभियोग की जांच की प्रक्रिया पर आपत्ति जताता गया है।

आईफोन से होम बटन हटाने के लिए ट्रंप ने एप्पल पर तंज कसा

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल प्रमुख टिम कुक पर एक ट्वीट के जरिए तंज कसा है जिसमें उन्होंने आईफोन होम बटन हटाने पर दुख जाहिर किया। उन्होंने शुक्रवार को ट्वीट किया, टिम के लिए : आईफोन पर बटन, स्वाइप से ज्यादा बेहतर था। ट्रंप ने मार्च 2017 में एंड्रॉयड फोन छोड़ कर आईफोन का इस्तेमाल शुरू किया था और उसी साल एप्पल ने अपने शीर्ष मॉडलों से फिजिकल होम बटन को हटा दिया था। सितंबर में एप्पल की ओर से जारी आईफोन 11 की बजाए पूर्व में किया गया यह बदलाव राष्ट्रपति के गुस्से का कारण बना है। यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने इस विशाल कंपनी के डिजाइन पर नापसंदगी जाहिर की है। सितंबर 2013 में आईफोन की स्क्रीन बड़ी नहीं होने को लेकर नाखुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा था कि सैमसंग उसका (आईफोन का) व्यापार कब्जा रहा है।

ट्रम्प ने राजनयिक की गवाही के बाद पोम्पिओ की आलोचना की

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने एक वरिष्ठ राजनयिक बिल टेलर की नियुक्ति कर गलती की, जिन्होंने कांग्रेस में महाभियोग जांचकर्ताओं से सामने ऐसी गवाही दी, जिससे ट्रम्प को नुकसान हुआ। हालांकि, राष्ट्रपति ने शुक्रवार को पोम्पिओ को राहत देते हुए कहा, हर कोई गलती करता है। ऐसा बहुत कम हुआ है, जब ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से विदेश मंत्री की आलोचना की हो। ट्रम्प व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बात कर रहे थे, जिस दौरान टेलर को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने यह टिप्पणी की। गौरतलब है कि ट्रम्प प्रशासन ने मई में यूक्रेन स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत को हटा दिया था।

दुबई में दिवाली पर पटाखे बेचने वाले को जेल या जुर्माना

एजेंसी। दुबई

दुबई में पटाखों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने की पहल के तहत दिवाली के दौरान किसी भी व्यक्ति को पटाखा बेचते हुए पकड़े जाने पर उसे तीन महीने की कैद या जुर्माना हो सकता है। खलीज टाइम्स ने खबर दी है कि जुर्माने की राशि 5000 दिरहम (1361 डॉलर) तय की गई है। पिछले कुछ सालों से दुबई नगरपालिका इस त्योहार के दौरान पटाखों की अवैध बिक्री पर सख्ती कर रही है। अखबार में छपी खबर के अनुसार दुबई पुलिस ने कहा है कि लोगों के बीच जागरूकता अभियान के फलस्वरूप इस चलन पर काफी हद तक रोक लगी है। वैसे कोई कार्यक्रम करने वालों को पटाखों का इस्तेमाल करने से पहले दुबई पुलिस और दुबई नगरपालिका से मंजूरी लेनी होती है। अतीत में ऐसे मामले आए जब पटाखों का ढेर रखने वालों को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2015 में पुलिस ने 23 टन पटाखे जब्त किए थे जबकि 2014 में 28 टन पटाखे जब्त किए गए थे।

पायनियर
रविवार, 27 अक्टूबर, 2019

एजेण्डा

{ मेरा जीवन अच्छा है, क्योंकि इसे लेकर निराशावादी नहीं हूं। मैं असल पर ध्यान देती हूं, यानी असल लोग, असल चीजें करना, मेरे अपने असल के लिए -
- ग्यानेथ पाल्त्रोव }

बेमिसाल बेटियां

•किलिमंजारों पर्वत पर चढ़ने की कामयाबी का जश्न मनाते हुए अजीत बजाज व दो फैकल्टी सदस्यों के साथ सात लड़कियों की टीम

एक कहावत है, जहां है चाह, वहीं है राह। यह उन सात लड़कियों पर सच साबित होती है जिन्होंने लीक से हटकर, एक नयी यात्रा पर जाने का फैसला किया। किलिमंजारो पर्वत को नापने वाली इन सर्वाधिक कम उम्र पर्वतारोहियों की सफल कहानी को सामने लाने के लिए उनसे मुलाकात करती हैं मुस्बा हाशमी

7 अगस्त, 2019 को, हालांकि यह हर किसी के लिए एक सामान्य दिन था, मगर सात लड़कियों ने एक ऐसी यात्रा पर जाने का फैसला किया जिसे आने वाले वर्षों में सबके द्वारा याद किया जाएगा। ये लड़कियां शहर की चर्चा का केन्द्र हैं और सभी उचित कारणों से। उन्होंने सर्वाधिक कमउम्र की पर्वतारोही बनने का इतिहास लिखा है।

15 से 18 वर्ष के बीच की ये लड़कियां निडर, दृढ़निश्चयी हैं और उनके मन में केवल एक ही बात है- अपने देश, माता पिता और स्कूल को गौरवान्वित करना। उन्होंने दो फेकल्टी सदस्यों- प्रिया ढिल्लन तथा मेजर प्रिया झिंगन के साथ इस अभियान की शुरुआत की। अभियान का नेतृत्व अजीत बजाज, निर्देशक, स्नो लेपर्ड एडवेंचर द्वारा किया गया जो पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हैं जिन्होंने अपनी बेटी दीया बजाज के साथ माऊंट ऐवरेस्ट की यात्रा की थी। अभियान का आयोजन लॉरेंस स्कूल, सनावर द्वारा किया गया था और कोई आश्चर्य नहीं कि यह एक सफलता है। माऊंट किलिमंजारो अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी है जो समुद्र तल से 5, 895 मीटर की ऊंचाई पर है। यह विश्व का सबसे ऊंचा फ्री स्टेंडिंग पर्वत भी है। अभियान को हीरो साइकिल्स द्वारा प्रायोजित किया गया जिन्होंने बाद में लड़कियों की वापसी के बाद उनकी सहायता की। इन लड़कियों को रोमांच का कीड़ा जल्दी काट गया है। और माऊंट किलिमंजारो को मापना तो सिर्फ एक शुरुआत है। उन्होंने और भी आगे जाना है।

कक्षा 12वीं का छात्रा, 17 वर्षीया, मेगन भागीरथ यात्रा को अपने जीवन की सबसे यादगार घटनाओं में से एक के रूप में याद करती हैं। वह कहती हैं, ''अब कक्षा 12वीं की परीक्षा होने वाली हों तो बहुत कम संभावनाएं होती हैं कि माता पिता अपने बच्चों को ऐसी रोमांचकारी यात्राओं पर भेजेंगे। लेकिन, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे इतने सहयोगी माता पिता मिले जिन्होंने मुझे इस अभियान पर जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एक पल के लिए भी नहीं सोचा कि इससे किसी रूप में मेरी पढ़ाई प्रभावित होगी। मेरे पिता मेरे पास आए और मुझसे पूछा कि क्या मैं दोनों संभाल लूंगी। मैंने कहा कि हां संभाल लूंगी तो उन्होंने कहा कि फिर जाओ। मैं कह सकती हूं कि यह अभियान मेरे जीवन में घटी सर्वोत्तम घटनाओं में से एक है।''

लेकिन सबकुछ सहज व आसान नहीं था। भागीरथ के सामने ऐसे पल भी आए जब उन्होंने योजना निरस्त करने के बारे में सोचा था। वह जानना चाहती थी कि क्या वह अपने माता पिता व शिक्षकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। इसने उसे प्रभावित किया- क्या होगा यदि सबकुछ अच्छा नहीं हुआ। और तभी, उसके पिता उसकी शक्ति बन गए।

बकौल भगीरथ ''मेरे पिता ने मुझसे कहा कि मुझे यह डर लगेगा जब तब कि मैं यात्रा पर निकल नहीं जाऊंगी। लेकिन, मुझे मजबूत रहना चाहिए। मैं पीछे नहीं हट सकती। उन्होंने मुझे कहा कि तुम कभी नहीं जानोगी कि क्या होने जा रहा है जब तक कि तुम यात्रा शुरू नहीं करती। इसलिए बस जाओ। बस, फिर कहीं कोई रुकावट नहीं रही।'' वह जोड़ती है कि स्कूल में उसके रहने का कारण यह कि उसकी खेलों में गहरी रुचि रही है।

इस 17 वर्षीया युवती, जिसका पसंदीदा खेल हॉकी है, का कहना है, '' खेल हर किसी के लिए अनिवार्य विषय है। हममें से हर किसी को अपनी पसंद के खेल में पंजीकरण कराना पड़ता है। यही कारण था कि मैं हमेशा खेलों में रुचि रखती थी। मेरा भाई भी एक बड़ा खेल प्रेमी है।''

कोई सिर्फ कल्पना कर सकता है कि पर्वत को, उस पर चढ़ने की दृष्टि के साथ देखना कैसा लगता है। जब आप चोटी पर हैं और सबकुछ बहुत छोटा नजर आता है, तो कोई और कुछ नहीं कर सकता सिवाय इसके प्रकृति की प्रशंसा करे। भगीरथ के अनुसार अभियान का अनुभव लोगों से भरा था।

वह कहती हैं, ''बहुत सारे लोग थे जिनके मन में एक ही सवाल था- इस पर चढ़ना। हम सभी अजनबी थे लेकिन पर्वत पर चढ़ते हुए हम सभी ने बहुत अपनापन महसूस किया। अफ्रीकी बहुत मेहमानवाज हैं, वे बहुत ही प्यारे हैं। जब आप ऊंचाई पर होते है तो हर कोई जुड़ना चाहता है। आपके चारों ओर लोग होते हैं। बहुत अंतर्मुखी लोग भी पहाड़ों पर मिलनसार हो जाते हैं क्योंकि अंतत: लोग ही वहां आपके साथ होते हैं।'' भगीरथ आगे कहती हैं कि कल्पना करें कि आप बिना इंटरनेट, बिना परिवार के सात दिनों के लिए पहाड़ पर है, सिर्फ पहाड़ और ठंडी हवा।

बकौल भगीरथी, ''यह बहुत शांतिपूर्ण है। कहीं कोई तनाव नहीं है। कोई तनाव नहीं कि स्कूल में क्या हो रहा है या बाद में क्या होगा। यह आत्मा के शुद्धिकरण जैसा है। यह सुंदर है।

मैं निडरता, संतुष्टि, व नवीनता की बुलंदी पर खड़े होकर जिंदगी को बारीकी से देखना चाहती हूं

– कशिश पठानिया
(जिन्होंने किलिमंजारो पर्वत की चढ़ाई की)

मैं ऐसे अवसर पसंद करती हूं जो अनिश्चितता व जोखिम भरे होतेयही जीवन का असली सार है।

– अनन्या पांचार
(जिन्होंने किलिमंजारो पर्वत की चढ़ाई की)

इंसान निश्चित रूप से पहाड़ों पर शांति प्राप्त कर सकता है।'' भगीरथ कहती हैं कि उनका प्रशिक्षण फरवरी में ऋषिकेश से शुरू हुआ था जहां लड़कियों को आठ घंटे लगातार पैदल चलना था जिसमें प्रत्येक दो घंटे के बाद सिर्फ दस मिनट का अवकाश मिलता था।

भगीरथ कहती हैं, ''ऋषिकेश प्रशिक्षण ने हमें धैर्य सिखाया। इसमें में वो विश्वास दिया कि आप बुलंदी हासिल करेंगे, बस चलते रहो। फिर हमने लद्दाख में प्रशिक्षण लिया। इसमें हमें सीमित आक्सीजन तथा कम संसाधनों के साथ अत्यंत ऊंचाई पर प्रशिक्षण का अहसास कराया। इसने हमें समय तथा अपनी मानसिक योग्यताओं का प्रबंधन करना सिखाया। ''

हालांकि उनका शुरुआती प्रशिक्षण स्कूल से आरंभ हो गया था। छात्राओं के लिए सुबह और फिर शाम को डेढ़ घंटा दौड़ना अनिवार्य था। उन्हें रोज पैदल लंबी यात्रा पर भी जाने की जरूरत है। लेकिन यह आसान नहीं था। ऐकेडमिक्स के कारण समय प्रबंधन एक समस्या था। उन्होंने ऋषिकेश व लद्दाख में इस पर काबू पा लिया, जहां उनका एकमात्र ध्यान प्रशिक्षण पर था।

जो भी व्यक्ति ऐसे अभियानों पर जाने की सोच रहा है उसे दिमाग में रखना होगा कि एक खास खुराक होती है जिसका उन्हें पालन करना पड़ेगा। न तो जंकफूड या भुना हुआ भोजन, भारी कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन व भरपूर मात्रा में पानी पीना अनिवार्य है।

भगीरथ बताती हैं कि जैसे ही वे चोटी पर पहुंचे, सभी को अद्भुत रोमांच महसूस हुआ। यह एक गौरवशाली क्षण था। भगीरथ अपने चेहरे पर एक और मुस्कान लाते हुए कहती हैं,''ऐसा लगा कि हमारी सारी कोशिशों को फल मिल गया। 11 दिन की यात्रा के बाद हम वहां थे जहां हम होना चाहते थे। इसने हमें अपार खुशी प्रदान की और सभी दूसरी चीजें फिर बहुत मामूली नजर आती हैं। उस समय सुबह 11 बजे थे जब हम चोटी पर पहुंचे और हम कुछ नहीं कर सकते थे सिवाय इसके कि अपनी पूरी वापसी की यात्रा के दौरान मुस्कुराएं।''

अभी भी अनेक ऐसे माता पिता हैं जो अपनी बेटियों को या यहां तक कि बेटों को भी ऐसे रोमांच कार्यों में भेजना नहीं चाह रहे हैं। भगीरथ का इस संदर्भ में कहना है कि वहां गये हर व्यक्ति के लिए, दुनिया कहीं बड़ी होती है, वो सिर्फ चहारदिवारियां नहीं जिसमें कि हम रहते हैं। खोजने के लिए काफी कुछ होता है। यह कुछ ऐसा नहीं है कि छात्रों को एक अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छी खासी नौकरी हासिल करनी पड़ेगी। उन्हें वो करना चाहिए जो उन्हें पसंद है। अगर वे इस छोटे समय में ऐसा कर सकते हैं, तो वे निश्चित रूप से काफी कुछ कर सकते हैं।

भगीरथ के विपरीत, जो कि एक खेलप्रेमी है, 15 वर्षीया अवंति अग्रवाल तो सात लड़कियों में सर्वाधिक कमउम्र हैं, कभी भी खेलों का हिस्सा नहीं थी। '' मैं कक्षा 11वीं की छात्रा हूं। मेरी हमेशा पढ़ाई लिखाई में ज्यादा दिलचस्पी रही है। मैं खेलों में अच्छा नहीं करती थी और ये मुझे पसंद नहीं थे। एक दिन, जब हमारी फैकल्टी ने हमें इस अभियान के बारे में बताया, तो मैं इसके बारे में अत्यंत शंकालु थी। मुझे अपनी बोर्ड की परीक्षाओं की तैयारी करनी पड़ती थी। मैंने इसके लिए अपना नाम न देने का फैसला किया। फिर मेरे माता पिता ने मुझे इसमें जाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसलिए मैंने हिस्सा लिया। और यह मेरे जीवन का सर्वोत्तम अनुभव बनकर सामने आया है।''

लेकिन, कभी कभी केवल प्रेरणा नहीं है जो दूरगामी रूप में आपकी सहायता करती है। यह प्रशिक्षण के बारे में भी है। और अग्रवाल को बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था क्योंकि वह ऋषिकेश प्रशिक्षण में भाग नहीं ले पाई और सभी अन्य को उनसे अधिक वरीयता हासिल हुई।

अवंति बताती हैं, '' मैं ऋषिकेश प्रशिक्षण में भाग नहीं ले पाई क्योंकि मैंने बहुत देरी से इस गतिविधि में पंजीकरण कराया था। मैं लद्दाख में समूह का हिस्सा बनी। इसलिए हर किसी को संदेह था कि मैं लगातार साथ रहूंगी या नहीं। एक दिन, हम सभी एक ऊंची चढ़ाई पर गए और मुझे इसमें बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ा। इससे मेरा आत्मविश्वास डोल गया लेकिन तभी पूरी टीम ने मेरा साथ दिया और मैंने खुद को इसे करने के लिए तैयार किया।'' सबसे कमउम्र होने के हमेशा कुछ फायदे होते हैं। अग्रवाल के मामले में भी ऐसा ही था।

बकौल अवन्ति, ''बीच सफर में, मैं बीमार पड़ गयी। मुझमें भयंकर पहाड़ी रोग के हल्के लक्षण दिखे थे। मैंने सोचा कि यह समय है कि मैं वापस अपने घर चली जाऊं। लेकिन ग्रुप में मेरी सभी वरिष्ठ साथिनों तथा मेरे फैकल्टीज ने मुझे प्रेरित किया और मेरी देखभाल की। वे मेरे प्रति बहुत उदार थे संयोगवश, मैं तेजी से ठीक हो गयी और अभियान पर उनके साथ चलने लगी। उनके सहयोग व प्यार ने सामान्य स्थिति में वापसी करने में मेरी सहायता की। चूंकि, मैं सबसे छोटी थी तो वे सभी मेरा विशेष खयाल रखते थे। इससे मुझे हार न मानने का आत्मविश्वास हासिल हुआ।''

अग्रवाल याद करती हैं, ''शिखर पर रात को जब उन्होंने कीबो से गिलमन प्वाइंट पर चढ़ना शुरू किया जो कि सबसे ऊंची चोटी थी, तो यह चढ़ाई का सबसे कठिन हिस्सा था। 75 डिग्री कोण वाली ढलान बहुत गहरी थी और तापमान लगभग माइनस बीस डिग्री सेल्सियस था। जब हम चल रहे थे तो हमारे रास्ते में चारों ओर शिलाखंड थे। हर बार हमें लगता कि हम चोटी पर पहुंच गए, फिर पता चलता कि यह शिलाखंड था और बहुत सारे और थे जो अभी भी रास्ते में थे। हर कोई हमसे धैर्य रखने के लिए कह रहा था, कि गिलमन प्वाइंट बहुत दूर नहीं है। अंधेरा हो गया था और हम सभी जो देख सकते थे वो थी हमारी टीम जो हमसे आगे चल रही थी क्योंकि उसके पास रोशनी देती हेड लाइटें थीं। गाइड ने हमें बताया कि वो गिलमन प्वाइंट था, चूंकि वे भी आगे बढ़ रहे थे और इसलिए हम भी बढ़ रहे थे।

हर बार हमने लगता कि हम पहुंच गए, फिर दुखी हो जाते थे। कीबो से वहां पहुंचने में हमें सात घंटे लगे।''

हालांकि इसने टीम को थोड़ा निराश किया लेकिन किसी ने कभी हार मानने के बारे में नहीं सोचा। वे सभी जानती थीं कि उन्हें चोटी पर पहुंचना था। अवंति आगे कहती हैं, ''बहुत ठंड थी। हर कोई एक दूसरे की सहायता कर रहा था। हर कोई प्रेरित था और दूसरों को प्रेरित भी कर रहा था। हम सभी लंबी पैदल यात्रा के बावजूद भरपूर ऊर्जा से भरे थे। हमारे मन में बस यही खयाल था कि चोटी पर पहुंचना है। उसी खयाल ने हमें लगातार चलाए रखा। ''

गुरू के बगैर कोई भी यात्रा अधूरी है। हर किसी को एक गुरू चाहिए जो सफलता का रास्ता दिखा सके। यहां भी ऐसा ही मामला था। गुरू या चढ़ाई अभियान के नेता थे - अजीत बजाज। वह कहते हैं कि सात लड़कियों के साथ, जिन्हें अब वह अपनी बेटियां कहते हैं, पर्वतारोहण पर जाना एक अद्भुत अनुभव था। बेटियां जो उन्हें सुनती हैं, हंसती हैं।

>> पेज 3

राशिफल इतिहासकार गेरट्रयूड मोकले के अनुसार कार्ड की काल्पनिक छवियां - मूर्खता से मृत्यु तक- पारंपरिक व्यक्तियों द्वारा प्रेरित थीं जिन्होंने कार्निवल परेडों में भागीदारी की थी।
- ब्रेंडन आई कोएर्नर

कंप्यूटर किडनी की सलाह- रोज पर्याप्त पानी पीएं

कनाडा में युनिवर्सिटी आफ वाटरलू के शोधकर्ताओं ने एक कंप्यूटर किडनी विकसित की है जो पर्याप्त मात्रा में पानी न पीने वाले मरीजों के स्वास्थ्य पर दवाओं के प्रभावों पर प्रकाश डालने में सहायता कर सकती है। जल संतुलन कायम रखने में किडनी की योग्यता हमारे स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यह जल संतुलन को नियंत्रित करती है, और जब हमारे शरीर में पानी की कमी होती है तो यह यथासंभव कम पानी के उपयोग के कारण गंदगी का निस्तारण के लिए अत्यंत गाढ़े रंग का मूत्र उत्पन्न करती है। किडनी रोगों से प्रभावित बुजुर्ग आबादी, और वे लोग जो ब्लड प्रेशर की जांच कराते है, को कभी कभी जल संतुलन की समस्या होती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि कमजोर किडनी कार्यप्रणाली से प्रभावित बुजुर्ग एवं जो लोग कुछ खास किस्म की दवाइयां लेते हैं उन्हें अपने पानी पीने पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। वाटरलू में एप्लायड मेथमेटिक्स, फार्मेसी एंड बायलोजी के प्रोफेसर अनिता लेटन ने कहा, '' जिन लोगों को हाई ब्लडप्रेशर की समस्या है उन्हें खास तौर पर वाटर पिल दी जाती है जिससे वे अपने रक्त भार कम रखने के लिए जिससे फिर अपना रक्त प्रवाह कम रखने के लिए पानी पी सके ।'' इन मरीजों को गाहे ब गाहे एक और दवा दी जाती है जो हार्मोनल तंत्र से संबंधित होती है जो किडनी को भी प्रभावित करेगी।

फेफड़ों पर प्रदूषण से होने वाली क्षति को कम कर सकती है एस्पिरिन : अध्ययन

एक अध्ययन दावा करता है कि एस्पिरिन जैसी स्टेरायडमुक्त एंटी इंफ्लेमेटरी दवा (एनएसएआईडी) फेफड़ों की क्रिया पर पड़ने वाले वायू प्रदूषण के विपरीत प्रभावों में कमी ला सकती है। अमरीका में कोलंबिया मेलमेन स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ और हार्वर्ड चान स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ताओं ने ग्रेटर बोस्टर एरिया के 2280 पुरुषों के कोहार्ट से एकत्रित डाटासंग्रह का विश्लेषण किया जिनकी उनके फेफड़ा कार्य निर्धारण के लिए जांच कराई गयी। अमेरिकन जर्नल आफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित, अध्ययन में भागीदारों की औसत आयु 73 वर्ष थी। फेफड़ा कार्य जांचों में विभिन्न प्रकार के परीक्षण शामिल होते हैं जो जांचते हैं कि फेफड़े कितना बेहतर काम करते हैं। शोधकर्ताओं ने सेल्फ रिपोर्टेड एन्सेड यूज, एवं एम्बिएंट पर्टीकुलेट मैटर (पीएम) तथा ब्लेक कार्बन के जांच परिणामों के बीच संबंध का अध्ययन किया, हालांकि विविध प्रकार के कारकों की गणना भी की, जिसमें व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति तथा वे धूम्रपानकर्ता थे या नहीं जैसे कारण शामिल थे। उन्होंने पाया कि किसी भी एन्सेड का उपयोग फेफड़ा कार्यतंत्र पर पीएम के प्रभाव को लगभग खंडित कर देता है। चूंकि अध्ययन में अधिकांश लोग, जिन्होंने एन्सेड उपयुक्त एस्पिरिन ली थी, शोधकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने जो परिवर्तित प्रभाव देखा वो मुख्यतया दवा से था। हालांकि उन्होंने जोड़ा कि गैरएस्पिरिन एन्सेड के प्रभावों का अभी और अध्ययन करना आवश्यक है।

परम जुड़ाव

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी कहते हैं कि ध्यान एवं योग ध्यान को उस स्तर पर ले जा सकते हैं कि आत्मा चुपचाप ईश्वर से जुड़ सकती है और व्यक्तिगत स्तर बगैर किसी प्रत्यक्ष छवि या मूर्ति की आवश्यकता के।

> परमात्मा की साधना के जरिए, मानव आत्मा स्वयं को उन बुरी आदतों से शुद्ध, मुक्त व उबार सकती है जो लगातार उसके जीवन पर छाई रहती हैं। यह आत्माओं व उनके स्वामी यानी परमात्मा के संबंध का आधार है। ऐसी साधना के चरण हैं समझदारी, जुड़ाव, एकाग्रता और तल्लीनता।

आध्यात्मिकता में, साधन को जुड़ाव की सर्वोच्च अवस्था माना गया है, जिसमें व्यक्ति अपने दिव्य आत्म को जागृत करता है जो कि परमात्मा है। यह एक रूपांतरकारी ऊर्जा प्रसारित करता है जिससे एक आध्यात्मिक चेतना के लिए व्यक्ति सशक्त होता है। अधिकांश लोग इस आवश्यकता को पहचानते हैं जब वे अधिक शांतप्रिय, सम्मानजनक एवं जीवन में खुशहाल होना चाहते हैं। हालांकि, मानव चेतना क्रोध, भय, अहंकार, प्राधिकारिता जैसी नकारात्मक शक्तियों के अत्यधिक बोझ से लदी है कि समय समय पर यह नकारात्मकता भावुकता, मौखिक एवं शारीरिक हिंसा में फूट पड़ती है।

हम आजकल दुनिया में हिंसा के इतने आदी हो गये हैं कि हमने इसे जीवन की शर्त के रूप में स्वीकार कर लिया है। लेकिन, शांति व सद्भाव का अंतर्बोध भी है, जो मानव आत्मा में गहरे मौजूद रहता है। यही कारण है कि अनेक लोग लगातार शांति व परस्पर सम्मान पर जोर देते हैं।

हालांकि, भय और शिकायतें व्यक्ति को उथलपुथल व तनाव की अवस्था में खींच ले जाती हैं भले ही वे न चाहते हों। ऐसे परिदृश्य में, ध्यान एक उपचारक प्रक्रिया का काम करता है जो समझदारी व साधना के जरिए व्यक्ति की अपने मूल आत्म से जुड़ने में सहायता करता है। परमात्मा की साधना के जरिए, मानव आत्मा स्वयं को उन बुरी आदतों से शुद्ध, मुक्त व उबार सकती है जो लगातार उसके जीवन पर छाई रहती हैं। यह आत्माओं व उनके स्वामी यानी परमात्मा के संबंध का आधार है। ऐसी साधना के चरण हैं समझदारी, जुड़ाव, एकाग्रता और तल्लीनता। जब व्यक्ति ईश्वर की परम शुद्धता में स्वयं को लीन कर लेता है, तो व्यक्ति के शरीर में दिव्य ऊर्जा प्रवेश करती हे जो आत्मा को सशक्त एवं शुद्ध बनाती है। यह तल्लीनता अपने मूल गुणों के पुनर्उभार में आत्मा की सहायता करती है।

उस व्यक्ति को याद करने के लिए जो आंतरिक स्तर पर प्रेमी, सच्चा व शांतिप्रिय

है, को राजयोग की कला कहा जाता है। पारंपरिक रूप से, यह कहा गया है कि राजयोग सबसे कठिन योग है लेकिन यह प्राय: सबसे आसान भी है जिसमें स्व, आत्मा और ईश्वर को प्रकाश के रूप में समझा गया है। हालांकि उनके भिन्न रूप होते हैं लेकिन वे विचार व भावना के जरिए एकात्म हैं।

ईश्वर के साथ यह जुड़ाव सूक्ष्म प्रेम पर आधारित है, किसी अन्य प्रत्यक्ष या वस्तुगत स्तर पर नहीं। राष्ट्रीयता, संस्कृति व धर्म पर आधारित कोई भेदभाव नहीं है क्योंकि यह परम भावना का जुड़ाव है। आंतरिक मुक्ति के लिए, इस प्रकार की साधना सर्वोच्च है। इसे आत्मा की स्वच्छता एवं संतुष्टि हेतु आध्यात्मिकता का सबसे सच्चा रूप माना जाता है। इंसान को भूलना नहीं चाहिए कि ईश्वर सभी के लिए पहुंचयोग्य व उपलब्ध है। आपको उससे जुड़ने के लिए किसी पद, भूमिका या राष्ट्रीयता की आवश्यकता नहीं है, सिवाय इसके एक चीज के जो महत्व रखती है, वो है निर्मल भावना।

योग आज बहुत आम शब्द बन गया है। हालांकि, साधना शब्द ईश्वर के साथ संबंध को इंगित करता है। एक संबंध जिसमें साथ की भावना शामिल होती है। आत्मा के ईश्वर से जुड़ जाने के बाद, व्यक्ति परम मित्र ईश्वर के गुणों पर ध्यान लगाने तथा स्वयं को उसमें लीन करने में सक्षम होता है। इसलिए, ध्यान व योग से परे है ऐसी साधना जहां आत्मा चुपचाप, वैयक्तिक रूप में व निरंतरता के साथ, किसी भी भौतिक या सूक्ष्म छवि से परे, ईश्वर से जुड़ने में सक्षम होती है और पूर्णत: जुड़ा हुआ व सशक्त महसूस करती है।

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

विचार प्रवृत्तियों पर रखें नजर

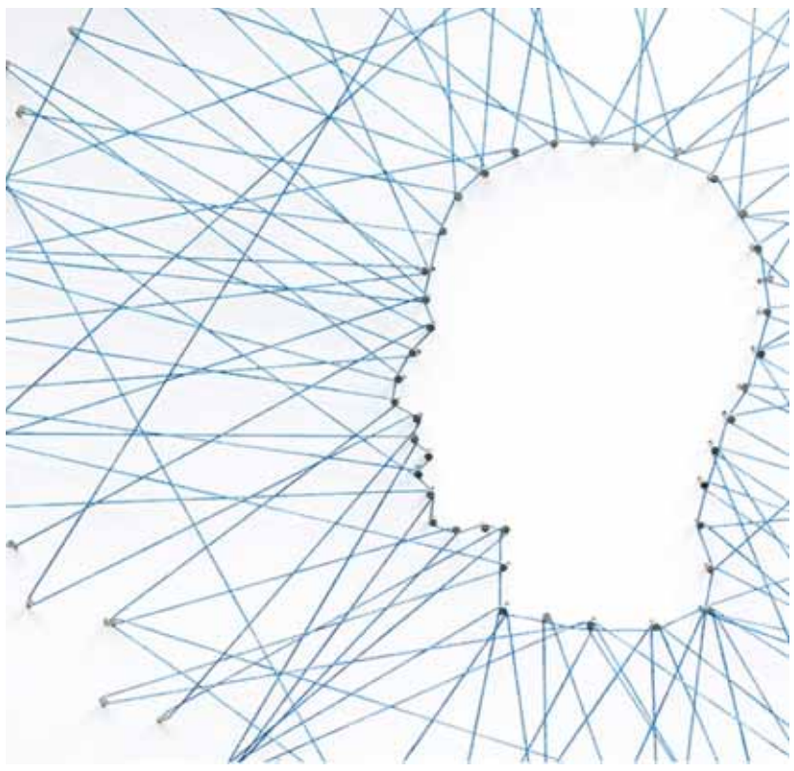

अवधारणा व्यक्ति को संचालित करती है। इसमें हमारी सहज कार्यप्रणाली के सभी पहलू आते हैं। यह हमें खिड़की प्रदान करती है जिसके जरिए हम मौजूदा मसलों को देखते हैं। वे अंतर्निहित इच्छा प्रवृत्तियों से प्रेरित मन में उपजते विचार हो सकते हैं या उस मामले में, हम बाह्य आवेग पर जिस प्रकार प्रतिक्रिया करते हैं, सभी हमारी अवधारणाओं से संतुलित किए जाते हैं।

और जैसा कि हर व्यक्ति अनोखा जन्मा है, प्रत्येक की अपनी विशिष्ट मानसिक प्रवृत्तियां है, उसी के अनुसार, हमारी वैयक्तिक अवधारणाएं व्यक्ति दर व्यक्ति भिन्न होती हैं। जो हमारे स्तर पर हमारे सभी कर्मों की कुंजी रखती है और उससे सुखद या तनावपूर्ण-प्रतिफल प्रदान होते हैं।

जैसा कि मैं इसे अपने एक मुवक्किल को समझा रहा था, कि उसने प्रतिवाद किया: ''महोदय, आपके कहने का अर्थ है कि हम अपनी खुद की गलत अवधारणा के कारण विफलता व निराशा का शिकार होते हैं। यदि ऐसा है, तो क्या सुधार की कोई संभावना है?''

वैसे, हमारी विफलताओं के अन्य कारक हो सकते हैं, लेकिन अक्सर हमारी अवधारणा महत्व रखती है। क्योंकि, हमारी अवधारणा एक भूमिका निभाती है कि हम कितनी समझदारी या मूर्खतापूर्ण ढंग से विपरीत शक्तियों से निपटते हैं। जीवन के सबक हासिल करते हुए, जैसे हमारी समझ व्यापक होती है, अवधारणाएं भी जीवन के साधारण क्रम में बदलती चलती हैं। यह सजग संशोधन भी हो सकता है, यदि हम हम गलत अवधारणाओं को पहचान लेते हैं व स्वीकार लेते हैं। हालांकि विडंबना यह है कि बिरले लोग ही इच्छित बदलाव लाने हेतु अपनी विचार प्रक्रिया का मूल्यांकन करने के प्रति सजग रहते हैं। जो लोग समय के साथ नहीं बदलते हैं, वे अपनी अवधारणाओं में कैद रहते हैं, और स्वाभाविक खामियाजा भुगतते हैं। चीजों को स्पष्ट करने के लिए, पड़ताल करना लाजिमी बन जाता है कि अवधारणाएं कैसे बनती हैं।

हम सभी पूर्वजन्म से चले आ रही कार्मिक छवियों के साथ जन्म लेते हैं, जिन्हें भारतीय परंपरा में संस्कार कहा जाता है। उनमें बच्चे के रूप में पलने बढ़ने के दौरान, और वृद्धि होती जाती है, जो माता पिता व परिवेशगत प्रभावों की देन है। ये कार्मिक छवियां सहज रूप से वैयक्तिक विशिष्ट मान्यताएं व अवधारणाएं निर्मित करती है, जो हमारी इच्छा प्रवृत्तियों, रुचियों व अरुचियों, पूर्वाग्रहों व पागलपनों, आदतों व नजरियों, गुणों व योगदानों का निर्धारण करती है।

हमारी अंतर्निहित इच्छा प्रवृत्तियां परस्पर मिलते जुलते विचारों को प्रेरित करती है, जो मन में अहमियत प्राप्त करने पर कार्यरूप में परिणित होते हैं। प्रमाणित

तौर पर, चरित्र व हमारी अवधारणा का मूल हमारे कर्मों के फल - सुखद या दुखद- की कुंजी रखता है। हमारी स्वभाव प्रवृत्तियां अक्सर समूची प्रक्रिया में विध्वंसक भूमिका निभाती हैं।

अब, अपने मन की बुनावट पर एक नजर डालते हैं, जो व्यक्ति का प्रमुख चालक है। मन के तीन कार्यात्मक उपकरण हैं - बुद्धि (विशिष्ट बौद्धिक क्षमता), अहंकार (मैं वाली चेतना का भाव) और मानस (मन को पोषित करने वाली भावना)। तीनों, सीता द्वारा पूर्वकल्पित एवं उद्बोधित, को समन्वित ढंग से काम करने वाला माना जाता है, एक एकीकृत संरचना में एक दूसरे का पूरक एवं सहयोगी बनकर, जिसमें अहंकार प्रमुख भूमिका में होता है। क्योंकि, चाहे वो अंतर्निहित इच्छा प्रवृत्तियों को कार्यरूप में बदलना हो या मानस, अहंकार द्वारा एकत्रित बाह्य मैदानी आंकड़े का जवाब या प्रतिक्रिया देनी ही होती है।

उस दौरान, अहंकार से अपेक्षा की जाती है कि उचित दृष्टिकोण के लिए अनिच्छित की छंटनी करने के लिए आवश्यक समझदारी के लिए बुद्धि को जागृत करे। हालांकि विडंबना यह है कि जीवन के साधारण झंझटों में उलझा, अहंकार अंतर्निहित इच्छा प्रवृत्तियों से अपनी पहचान पाता है और फिर उनका अंधानुकरण करता है मानो वही उसका अंतिम लक्ष्य हो।

यह मौजूदा दुनिया के लालसापूर्ण प्रभावों में फंस जाता है और उसे अपनी स्वप्निल मंजिल बना लेता है। दोनों मामलों में, अहंकार चीजों को उनकी प्रत्यक्ष अहमियत के आधार पर देखता है, और वास्तविकता जांचने के लिए बुद्धि को जगाने की आवश्यकता महसूस नहीं करता। जो उसे विफलता की संभावना के अधिक करीब पहुंचाता है। यदि आप अपने सर्वाधिक गहन सशक्तीकरण उपकरण का उपयोग करने में विफल रहते हैं तो आपको उसके दुष्परिणाम तो झेलने ही पड़ेंगे।

यह हमारे लिए अनिवार्य बना देता है कि हम तार्किक पक्ष चुनने हेतु बुद्धि को सक्रियावस्था में बनाए रखने के प्रति सजग रहें । यह कहना आसान है मगर करना कठिन है, क्योंकि आदतें कठिनाई से बदलती हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए प्राचीन भारत के ज्ञानी गुरूजन विभिन्न ध्यान तकनीकें लेकर आए ताकि हमें स्वभाव प्रवृत्तियों से उबरने तथा चिंतन प्रक्रिया को नया रूप देने में सहायता मिल सकें। इस प्रक्रिया में, आप पहले अनुवांशिक कमजोरियों के प्रति जागरुक होते हैं जिसे जब स्वीकार लिया जाता है तो उन्हें नयी शैक्षणिक जानकारियों के जरिए दूर किया जा सकता है।

फिर मैंने मुवक्किल को उसकी कमजोरियों के ज्योतिष संकेतकों के बारे में बताया। मंगल और बृहस्पति का एक दूसरे के विपरीत स्थिति होना उनके घोर अहंकार को बयान करता है जो उन्हें अपने स्वपरिभाषित अच्छे-बुरे पैमानों में कैद करता है और वास्तविकता को देखने की अनुमति नहीं प्रदान करता। दोनों नक्षत्रों को शनि के साथ संग्रस्त होना, भय व असुरक्षा की भावना को व्यक्त करता है। जो उन्हें स्वभाव से सबके प्रति शंकालु व कटु आलोचक बनाता है। साथ ही, यह अस्थिर भावुकता की कहानी भी कहता है। उनकी अंतरवैयक्तिक संबंध योग्यताएं इस कारण दावेदार बन जाती हैं, वह अपने परिजनों के साथ सहज रहने में सक्षम नहीं है। इसीलिए, वह मानसिक तनाव से ग्रसित है।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

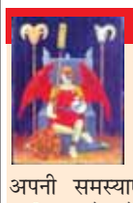

इस सप्ताह अपने व अपने करीबी जनों के स्वास्थ्य का अच्छा खयाल रखें। अपने तनाव को कम करने में सहायता हेतु अपनी समस्याएं बांटें। आपमें एक उभरता व्यक्तित्व है और इस प्रक्रिया में, संभावनाएं हैं कि आप अपनी सेहत को अनदेखा कर सकते हैं। अपने कार्य व संबंध में संतुलन लाने का प्रयास करें। करियर स्तर पर, आप दुविधा में हैं कि नौकरी करते रहें या व्यापार शुरू करें। अपनी रुचियों व संभावनाओं को तलाशें।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

अपने तन, मन व आत्मा या अपने चक्रों के संतुलन पर ध्यान दें। इन तीनों पर विशेष ध्यान दें। ध्यान, प्राणायाम व प्रकृति में विचरन अनोखे ढंग से कारगर होता है। इसके फायदे आपके किसी भी वैकल्पिक प्रयास से अधिक होते हैं। कार्य मोर्चे पर, नए लोगों से संपर्क बनाना लाभकारी होगा। नए व्यापार सौदों, नयी परियोजनाओं पर हस्ताक्षर करने का यह समय है। आपके कार्यों को पहचान व प्रशंसा प्राप्त होगी।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** शनिवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

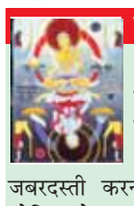

अपनी दिनचर्या से अवकाश लें। सहजता व सुकून में रहें। अपनी नसों को आराम दें क्योंकि जब आप थके हों तो खुद से जबरदस्ती करना व्यर्थ है, इससे बीमार व चोटिल हो सकते हैं। तरोताजगी के लिए ध्यान सर्वोत्तम है और इससे आपको अपनी क्षमताओं को रीचार्ज करने में सहायता मिलेगी। एक संक्षिप्त अवकाश आपकी शारीरिक व मानसिक क्षमता के लिए चमत्कार करेगा। करियर मोर्चे पर, अतीत में किए निवेश से लाभ प्राप्त होगा।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** बुधवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आपने बहुत काम किया है और पस्त हैं। स्वयं के लिए थोड़ा समय निकालें और इससे आपके स्वास्थ्य में अच्छे बदलाव होंगे। उन हालातों को देखें जो तनाव लाते हैं और भविष्य में इनसे निपटने के वैकल्पिक तरीके निकालें। पुरानी परंपराओं से सीखना आपकी आध्यात्मिक समझदारी व आचरण को गहन व संतुलन लाने में सहायता करेगा। करियर स्तर पर, वित्त पर आपका ध्यान इस सप्ताह आपको व्यस्त रखेगा।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

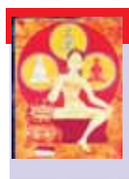

हास्यास्पद बनने से बचने हेतु अपने बचकानेपन पर नजर रखें। अपनी सेहत पर गहराई व सहानुभूति से विचार करें। ज्यादा खाना व भूखा रहना, दोनों स्वास्थ्य के लिए बुरे हैं। अपनी खानपान आदतों में संतुलन लाएं। इस सप्ताह, आप शांत, स्थिर मगर ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जो एक सफल जीवन की मूल आवश्यकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के नतीजे शायद उत्साहजनक न हों। कार्य मोर्चे पर, बहुत ऊंची महत्वाकांक्षाएं न पालें।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपने तनाव स्तरों को संभालना जरूरी है। उन सभी समस्याओं का सामना करने के लिए साहसी बनें जो आपके सामने आती हैं, उनसे बचने का प्रयास न करें। पर्याप्त आराम करने तथा शराब जैसी बुरी आदतों में संलिप्तता से बचना सुनिश्चित करें। यदि उपचार की जरूरत है तो प्रत्यक्ष व आध्यात्मिक दोनों स्तरों पर मांग करें। करियर मोर्चे पर लोग शायद आपके विचारों व प्रस्तावों का समर्थन न करें।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग :** लाल **शुभ दिन:** बुधवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

इस सप्ताह आप सकारात्मक व रचनात्मक आवेग अनुभव करेंगे। यह आपके व्यक्तित्व में भी दिखाई देगा। यह निजी विकास के मार्ग का आनंद लेने व अपने आकर्षण का इजहार करने का उत्कृष्ट समय है। पूर्णता, क्षमता की भावना, मन में शांति आपको प्रभावी बनाएगी। करियर मोर्चे पर, आप दृढ़ प्रतिज्ञ हैं व किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। निजी मोर्चे पर, मन, हृदय व भावनाएं भिन्न रास्तों पर जा रहे हैं।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग :** आसमानी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

इस सप्ताह आप किसी चीज के प्रति अपनी सोच को तेजी से बदलेंगे। सावधानी का शब्द: डाक्टर की किसी भी बात को अनदेखा न करें। बल्कि इसे गंभीरता से लें। गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को निरंतर डाक्टरों की निगरानी में रहने की जरूरत है। अपनी स्वस्थ खुराक व पर्याप्त नींद को सुनिश्चित करें। यथासंभव उकसावों से बचें। कार्य मोर्चे पर, आपको त्वरित निर्णय लेने की आवश्यकता है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

इस सप्ताह, आप स्ववैधता के लिए प्रतिबद्ध हैं व स्वयं में विश्वास करते हैं। आप एक स्वस्थ खुशहाल परिवार के लिए कार्य करेंगे। यह कल्पना करने का समय है कि चीजें कितनी भिन्न व अजूबी हो सकती हैं। करियर मोर्चे पर, आप सकारात्मक हैं व अपने काम में प्रेम व करुणा लाने का प्रयास करते हैं। यह अपने लक्ष्यों व उद्देश्यों पर ध्यान देने का समय है। दृढ़ व प्रतिबद्ध हों। व्यापारियों को वित्तीय सौदों में सापधान रहने की जरूरत है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

आपको अपना व्यक्तिगत एवं पेशेवर दायित्वों के साथ अपना स्वास्थ्य संतुलित करने की आवश्यकता है। अपने जीवन को प्राथमिकता दें और स्वउपचार के लिए आराम करें। पर्याप्त आराम व नीद को सुनिश्चित करें। करियर स्तर पर, जो नौकरी तलाश रहे हैं उन्हें प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। इस सप्ताह आप विफल हो सकते हैं। विफलताओं के बारे में सोचें व अपनी सफलताओं पर ध्यान केन्द्रित करें।

शुभ अंक : 6 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

किसी भी तनाव से परे हों क्योंकि इससे आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। न कहना सीखें। सचेत आराम आपके तन व मन के लिए महत्वपूर्ण है और यह तनाव से निपटने में आपकी सहायता करेगा। करियर मोर्चे पर, आपकी योग्यताओं की प्रशंसा की जाएगी। आपकी संवाद योग्यताएं अच्छी हैं। संपत्ति में निवेश करने का यह सही समय है। नौकरीशुदा लोगों को अपने अधिकारियों का साथ मिलने की संभावनाएं हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** मंगलवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

अपनी भावनाओं को दबाने से आपके शरीर पर बुरा असर पड़ेगा। इस बारे में सजग रहें कि आप कब, कैसे और कहा अपनी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त करते हैं। कोई भी चीज जो आपके तनाव स्तर को घटाती है अब मददगार रहेगी और यह पांच मिनट का टहलना तक हो सकता है। जीवन के प्रति एक सकारात्मक नजरिया बनाए रखें व शांत रहें। जीवन अच्छा है। करियर मोर्चे पर, तनाव की संभावना है।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** गुरुवार

काला और सफेद अमूर्त्त है, रंग नहीं। श्वेत-श्याम चित्र को देखकर, आप पहले से एक अनोखी दुनिया देख रहे होते हैं।
- जोएल स्टेर्नफेल्ड

बदलाव के उद्यमी

साक्षी शर्मा

मिर्जापुर में एक सामुदायिक कार्यक्रम ने हर उस व्यक्ति के सशक्तीकरण में स्पष्ट अंतर डाला है जिसके पास एक उद्यमी बनने का उपयोगी विचार है।

फूसदार छतों वाली बांस की झोपड़ियां, सामने चारपाइयों व पेड़ों का खुला क्षेत्र, पिछवाड़े सब्जियों का बाग, गाय के गोबर , धूल व घास के मिश्रण में लिपटी दीवारें, प्रवेशद्वार पर रंगोलियां, अपनी आंखों में चमक व जिज्ञासा लिए मेजबान लोग..... यह सब, व बहुत कुछ और भी जो निगाहों की दौड़ में गौर करने लायक है, जिसे हाल में वेब सीरीज द्वारा प्रसिद्ध बनाया गया

लेकिन हालांकि यह फिल्मी है, मगर इसमें उम्मीद, विकास व प्रगति की कहानियां हैं जो क्षेत्र में उस वास्तविकता की झलक प्रस्तुत करती हैं जिन्हें काल्पनिक, मिथ्या मानकर नजरंदाज कर दिया जाता है,

निश्चित रूप से, ग्रामीण क्षेत्र में उद्यमिता की कमी है क्योंकि अधिकांश आबादी अनपढ़ है। फिर भी, गहरे उतरने से पता चलता है कि यहां अनेकों नवोन्मेषी लोग हैं जो अजूबे कर सकते हैं यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन प्राप्त होता है। और खासकर इस तथ्य के मद्देनजर कि हर साल बेरोजगार नौजवानों की संख्या में इजाफा होता है और यदि नौकरी ढूढ़ने वाले की जगह नौकरी पैदा करने वाले नजरिए पर जोर दिया जाए तो यह क्षेत्र बदल सकता है। डेवलेपमेंट अल्टरनेटिव्स, एक सामाजिक उद्यम अपने वर्क फार प्रोग्रेस प्रोग्राम के जरिए इसी लक्ष्य के लिए काम कर रहा है, जो उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का मंच है। 2017 में इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई और तब से, इसने विभिन्न जिंदगियों को प्रभावित किया है। हम यहां उस बदलाव के साक्षी थे और सुनिश्चित करते थे कि अन्य लोग मिर्जापुर में रूपांतरण को देख सकें, जो नामचीन सीरीज द्वारा जारी बंदूक और माफिया संस्कृति से कहीं परे था।

इस यात्रा की शुरुआत कांतित ग्रामीण विलेज में एक स्कूल से हुई। दूर से, हम लड़कियों के हंसने, खिलखिलाने व आपस में तालियां बजाने की आवाज सुन सकते थे। जब हमने प्रवेश किया, तो वे इसे आगे ले जाने को लेकर इतने रोमांचित थे कि वे सभी चिल्लाते थे,''दीदी, हम पहले एक गाना गाएंगे।'' इसके बाद विस्तृत चर्चा हुई कि कैसे इस कार्यक्रम ने उन्हें सशक्त बनाया था। ममता यादव, 18 वर्षीया, ने कहा,''अब हम बच्चे का भविष्य निर्माण करती शिक्षा की भूमिका समझते हैं। इतना ही नहीं, हम बाल विवाह और बाल अधिकारों के बारे में भी जानते हैं। '' वह एक घटना को याद करती है जहां वह, लड़कियों के समूह के साथ, पड़ोस के गांव की एक नाबालिग लड़की के अधिकारों के लिए खड़ी हुई थी, जिसकी जबरन शादी की जा रही थी। जैसे ही उसने यह बात साझा की, क्लासरूम के हर कोने से तालियां गूंज उठीं। एक और लड़की, कविता पटेल, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा, ने कहा,''इस कार्यक्रम में हमें सशक्त बनाया है और हमें आज अधिक आत्मविश्वास महसूस होता है। पहले हम शब्दों के लिए अटक जाते थे, जब कि हम अपनी मूल आवश्यकताओं पर चर्चा करते थे।'' हालांकि, जब इस प्रकरण पर उनके माता पिता की राय के बारे में पूछा गया तो कक्षा के कोने से एक लड़की ने सटीक जवाब दिया, '' मेरे पाता अब मेरे दोस्त बन गए हैं।'' उसने स्पष्ट किया कि पहले उनके माता पिता ने उन्हें पढ़ने की अनुमति नहीं दी थी और चाहते थे कि वे घरेलू कार्यों में अपना समय लगाएं।

इस समस्या को हल करने के लिए, पिता-पुत्री और मां-बेटी के लिए अलग से एक समावेशी कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि माता पिता को शिक्षा की महत्ता के बारे में समझाया जा सके। यद्यपि शुरू में लगभग छह महीने से लेकर एक साल तक रोका, मगर वे अंतत: बदलते समय के अनुसार ढलने की जरूरत को समझ गए। कार्यक्रम से होने वाला बदलाव कुछ ऐसा था कि वे लड़कियां जो बिरले ही

अपने लिए बोल पाती थीं, दूसरों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने लगीं। जो चारदिवारियों में कैद कर दी गयी थीं, आज खुल कर बोलने लगी थीं कि वे आईएएस अफसर, टीचर, डाक्टर या गायिका बनना चाहती हैं। फिर हमने धूल और गोबर से भरे गांव की संकीर्ण गलियों में बंद कमरों की ओर रुख किया। यह तारा मणि और उसकी पत्नी, मालती देवी का घर था, जो घर कम दुकान जैसा अधिक था, क्योंकि इसमें एक तरफ बिस्तर था तो दूसरी ओर मशीनें थीं। उनका एक छोटा व्यापार था जहां वे सिंदूर बेचते थे। तारा ने कहा, ''पहले, मैं केवल सिंदूर डिबियां बनाती थी लेकिन इस कार्यक्रम ने हमें स्टार्ट अप विलेज इंटरप्राइजेज (एसवीईपी) के बारे में जानकारी दी, जो ग्रामीण महिलाओं को लघु स्तरीय व्यापार हेतु प्रेरित करने के लिए कर्ज प्रदान करता था।'' ऐसे मालती ने कर्ज लिया और सिंदूर बनाने के लिए भी मशीन लगाई। उन्होंने जोड़ा, '' हमारा सिंदूर और उसकी डिबिया में खास चमक है। दूर दूर से लोग इसे खरीदने आते हैं।'' जब उन्होंने यह कहा, तो उनका चेहरा आत्मविश्वास से भरा हुआ था, उनके कंधे तने हुए थे, उनके कथन में गर्व का संकेत साफ झलकता था।

एक और उद्यमी थी आशा देवी, एक दृढ़ औसत आयु की महिला, जिनकी सफलता उनके व्यक्तित्व में स्पष्ट झलकती थी। उनकी सोच फलित हो गयी थी, जिसने उनकी पारिवारिक आय में इजाफा भी किया था। मार्च 2018 में, उन्होंने वर्मीकंपोस्ट इंटरप्राइजेज स्थापित करने का फैसला किया, जो अब सफलतापूर्वक चलता है और उसे शुरुआत से कार्यक्रम का सहयोग प्राप्त था। आज, वह अपने व्यापार से लाभ कमाती है और बगैर कर्ज लिए इसे चलाती है। उन्होंने कहा, ''इस व्यापार को उस स्तर पर लाने के लिए, जहां पर यह आज है, अनेक प्रयास किए गए हैं।'' और सुनिश्चित किया कि हम उनसे इजाजत लेकर निकलते उससे पहले हमें उनकी आनलाइन उपस्थिति के बारे में बताया गया।

हालांकि कार्यक्रम से मिले सहयोग ने सहायता की, मगर लोगों में व्यापार संबंधी कमी नहीं थी। ममता देवी की धन्नापट्टी गांव की आइसक्रीम उत्पादन ईकाई का रास्ता बना बनाया नहीं था क्योंकि यह मानकर कि वहां गीली मिट्टी पर अल्पज्ञान की ईंटें थी, लोगों ने अपने जूते या पैर गंदे नहीं किए लेकिन इस दुबली पतली महिला ने सात लोगों को काम पर रखकर अपना व्यापार फैलाया। जब हम सभी ने उनकी ओर आश्चर्य से देखा तो उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें रोक नहीं रही हूं। मैं एक चिप पैकेजिंग मशीन भी लगाना चाहती हूं।''

उस दिन एक ग्रामीण उद्यमिता मेला भी था- नेशनल कान्वेंट पब्लिक स्कूल में तारागाम मेला- जहां जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों ने, अपने स्तर पर जो कुछ शुरू किया था, प्रस्तुत किया था। स्पष्टतया, विचारों पर कोई रोक नहीं है।

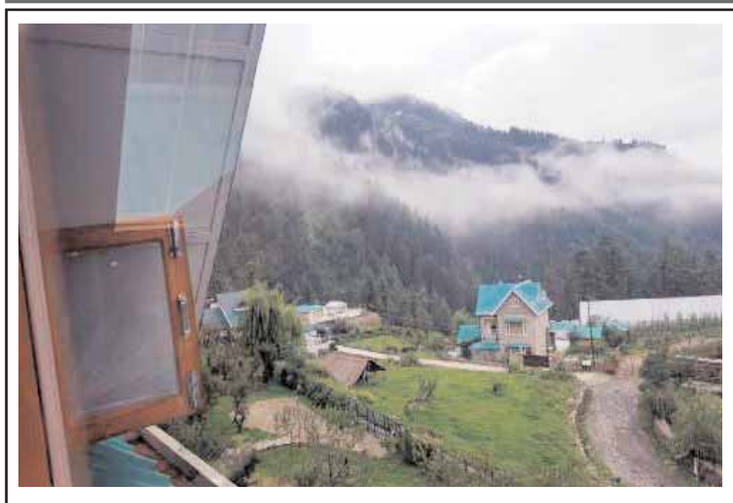

छोड़ जाएं कदमों के निशान

मशोबरा में खानाबदोश आपकी इन्द्रियों को जागृत करेगा और आपको प्रकृति की समूची सुदंरता से परिचित कराएगा

क्या आप कभी ऐसी जगह गए हैं जिन्होंने आपको महसूस कराया है कि आप वहां से संबंधित हैं? कहां आपने आसानी से सांस ली थी, आपका मन पुरसुकून में था और आपने अपने चारों ओर सुंदरता देखी थी। अर्सा पहले, एक नन्हीं लड़की कहानियां सुनती थीं- साहस और मित्रता की, प्रेम और आध्यात्म, संपदा और जादू, संघर्ष और धर्म की- और उसका मासूम मन प्राचीन

भारत की युद्धभूमियों में भटकता था इन कहानियों के जरिए, वह पूरब में शक्तिशाली नदियों के तटों पर बैठा, उत्तर में ठंडे बर्फीले पहाड़ों में घिरा, दक्षिण के शानदार मंदिरों में नृत्यरत महसूस किया करती थी। उसने उन कहानियों के जरिए बतौर घुमक्कड़, विस्मित तथा हर शाम किसी नये के साथ प्रेम में, यात्रा की। सालों बाद, वह उसी घुमक्कड़ को दुबारा बाहर लाने, नए इलाकों की यात्रा करने, विभिन्न घरों में रहने, विभिन्न स्थानों के सूर्योदयों में जगने, और वे कहानियां सुनाने के लिए व्याकुल थी। अपने सपने को साकार करने के लिए पहले कदम के रूप में, वह शहर से बाहर चली गयी और अपने शुरुआती घर के रूप में हिमाचल प्रदेश में मशोबरा को चुना। लगन थी हिमाचल के स्थानीय रंगों, खुश्बुओं, स्वादों, कहानियों व संस्कृति को आत्मसात करना और कुछ सालों में, एक नए वातावरण और एक अलग जगह के लिए आगे बढ़ जाना। और कुछ इसी प्रकार खानाबदोश, यात्रारत बिस्तर व नाश्ता साकार रूप में आया।

मशोबरा में खानाबदोश स्थानिकता एवं आत्मिक स्पर्श में लिपटा एक सुंदर, आरामदेह आधुनिक भोजनालय है। पहाड़ी हवा की जादुई विशेषता आपको मजबूर कर देती है कि आप अपने कदमों, हृदय व आत्मा की गति को धीमा कर दें। यह आपको नजारा देखने तथा पंछियों का संगीतमय कलरव सुनने या फूलों की गंध महसूस करने के लिए रोक देगी। हर चीज- बच्चों, महिलाओं, सभी उम्र के बुजुर्गों, रंगों, धर्मों, व यौन रुझानों - का यहां पर स्वागत है। कलाकार, लेखक, कवि तथा सूक्ष्म चीजों की प्रशंसा की योग्यता वाले लोग इस जगह आकर खास तौर पर आनंदित होंगे।

> *मशोबरा में खानाबदोश स्थानिकता एवं आत्मिक स्पर्श में लिपटा एक सुंदर, आरामदेह आधुनिक भोजनालय है। पहाड़ी हवा की जादुई विशेषता आपको मजबूर कर देती है कि आप अपने कदमों, हृदय व आत्मा की गति को धीमा कर दें। यह आपको नजारा देखने तथा पंछियों का संगीतमय कलरव सुनने या फूलों की गंध महसूस करने के लिए रोक देगी।*

यदि आप सुबह जल्द उठने वाले हैं, तो आप सूर्य को अपने सामने, सफेद और धुंधलके के साथ लड़ाई जीतते हुए, उगता देखेंगे। बाहर निकलेंगे तो आप नन्हें वन्य फूलों को भी खिला और अपनी खूश्बू बिखेरता पाएंगे। जब आप काफी ध्यान से देखेंगे तो आप घास में पतले मकड़जाले देखेंगे, नन्हें मकड़ों को चन्द्रधूल की तरह चमकते हुए, तितलियों को कोमल बनफशों को कर्तव्यभाव में नमस्कार कहते हुए पाएंगे जो गरिमापूर्ण ट्राफियों की तरह पानी की निर्मल बूंदें लिए होते हैं।

हवा में जादुई खुश्बे है और आप उसे सहज ही पहचान जाएंगे कि यह इसी जमीन की है। जब आप अपनी आंखें बंद करते हैं और गहरी सांस लेते हैं तो सेबों, गुलाबों, प्रेम व घास की खुश्बू की सोंधी मिलावट का अहसास करते हैं। यह एक स्वच्छ, दिव्य शुद्ध खुश्बू है। यह मशोबरा में पुरानी कोटी का एक छोटा सा गांव है जहां खानाबदोश अवस्थित है, जो शिमला की पागल बना देने वाली भीड़ से 18 किमी दूर है। यह उनके लिए एक उत्तम ठिकाना है जो शांति व सुकून तलाशते हैं। चार खूबसूरत ढंग से सजे कमरों से, यह जगह सचमुच एक निजी राहत है। सजावट विचित्र मगर उत्कृष्ट है, लकड़ी का अनोखे फर्नीचर के साथ। आलीशान कमरा, दूसरे तल पर एकमात्र, मूलत: एक परछती था और अब दो सौ साल पुराने पोस्टर बेड, विशिष्ट जामावर तथा अद्भुत कांसें की मूर्तियों से सजा है।

मालिक की मां के फ्रेमयुक्त हस्तलिखित वक्तव्य संपत्ति की दीवारों पर सजे हैं और साझा हंसी व संवादों की कहानियां सुनाते हैं। दुनिया भर से एकत्रित दुर्लभ वस्तुएं चारों तरफ रखी हैं जो इस जगह की घुमक्कड़ आत्मा की झलक देती हैं।

मेहमानों को आलीशान वस्तुओं का शानदार संग्रह में आनंद आएगा जब वे यात्रा करेंगे। खानाबदोश में , वे सचमुच परंपरा निभाते हैं और अपने ग्राहकों को कुछ अनूठा देने का प्रयास करते हैं। मेहमानों को रंगीन एवं सफेद तौलियों तथा नरम परिधानों में से चुनाव का अवसर मिलता है जिसमें व्यक्ति उसमें खो जाए। प्रत्येक कमरे में चाय और काफी केडी हैं जो ग्रीन पी फ्लावर, जास्मिन एवं माच्चा जैसे असाधारण विकल्प प्रस्तावित करता है।

बेशक, खानाबदोश का दिल है उसका घर। किचन से निकलती हुई पवित्र सुगंध। असलियत में, यदि कोई ऐसी चीज है जिसे आप भोजन के दौरान विशेष पसंद करते हैं, तो इसमें हाथ आजमा सकते हैं और इसे पकाना सीख सकते हैं। दिन भर शानदार भोजन उपलब्ध है जिसकी शुरुआत उनके खुद के बाग के फलों में ताजा सेब के जूसयुक्त गरिष्ठ नाश्ते से होती है। दोपहर की चाय, रात्रिभोज से पहले का नाश्ता, और सुरुचिपूर्ण लिविंग रूम में मेजबान द्वारा बहुत प्यार से एक शानदार डिनर परोसा जाता है।

यही काफी नहीं है। उन लोगों के लिए, जो मध्य रात्रि में भूख लगने से जग जाते हैं, एक सीक्रेट भी छुपा कर रखा जाता है। खानाबदोश में हर दिन, वे स्नेक तैयार करते हैं या कुछ कुकीज बनाते हैं और उन्हें सहज उपलब्ध स्थानों पर रख देते हैं। उसकी स्थिति प्रत्येक सूर्यास्त के साथ बदलती है।

आप बस यहां ठहर सकते थे, तनावमुक्त, नींद, ध्यान करना, खाना, पढ़ना, पेंटिंग करना, लिखना, रेखांकन करना, सपने देखना, हंसना, प्रेम करना या सरल रूप में कहें तो खुद की तलाश कर सकते हैं। संभावनाएं अपार हैं और पसंद आपकी है। एक सुंदर पगडंडी तलाशें, पंछियों को देखने या मशरूम तलाशने निकलें। वहां पर माऊंटेन बाइक्स की भी सुविधा है यदि वह आपकी पसंदीदा खोज का माध्यम है। योग द्वारा बाग में बुद्ध की भारी मूर्ति आपके तन-मन उपचार में आपकी सहायता कर सकती है। फिर शाम को आपकी आत्मा में जोश भरने के लिए आग जलाई जाती है। आप लाइब्रेरी में काऊच पर आराम फरमा सकते हैं या गर्म पहाड़ी धूप में छतरी तले बैठ सकते हैं, आपकी मर्जी है।

घर में एक विस्तारित लाइब्रेरी है, जहां हर जगह से एकत्रित व खरीदी गयी किताबें हैं। किताबों के शौकीन यहां पर चुनाव को लेकर दुविधाग्रस्त होंगे। उपन्यास या इतिहास? दर्शन या यात्रा वृत्तांत पुस्तकें। इसलिए उन्होंने मेहमानों के मनोरंजन के लिए इसे आसान बनाने का प्रयास किया है। प्रथम तल आंगन में एक टेबल पर ब्राऊन पेपर में लिपटा, पसंदीदा संचयन है, जिसमें विस्तार से बताया गया है जहां से आप ब्लाइंड डेट विद अ बुक के साथ अपना भाग्य आजमा सकते हैं, जो जानता है, आप इसके प्रेम में पड़ सकते हैं।

किसी भी संस्थान के सफल संचालन में टीमवर्क बहुत आवश्यक है और यह जगह उसका अपवाद नहीं है। मेहमान अक्सर मालिक को ही सेवा प्रदान करते हुए पाते हैं। एक शर्मीली मगर हंसमुख महिला, जो घर की देखरेखकर्ता हैं और हर रोज अपनी चूड़ियों खनकाते हुए आती हैं और अपने पहुंचने की घोषणा करती हैं। यह वो टीम है जो खानाबदोश को उत्तम ढंग से चलाती है। लेकिन असली मालिक हैं दो भारी भरकम कुत्ते, गब्बर सिंह और सुल्तान।

वे गिरे हुए सेब खाते हैं, सोते हैं, विशाल बगीचों में चौतरफा घूमते हैं और मेहमानों के साथ लगे रहते हैं। जगह की सबसे शानदार खूबसूरती यह है कि वे आपका पूंछ हिलाते तथा खुली मुस्कान के साथ स्वागत करेंगे। यदि और कुछ न भी हो तो इन दोनों से मिलने के लिए खानाबदोश की यात्रा करें और खुद को भरपूर निस्वार्थ प्रेम के महासागर में डूबने का मौका दें।

पेज एक का शेष

बेमिसाल बेटियां

बजाज कहते हैं कि यह उनके करियर का विशिष्ट हिस्सा था। देखने की बात यह थी कि यह पर्वतारोहण लड़कियों के लिए पहला अनुभव था जिन्होंने एक ही बार में इतिहास रच दिया था। बजाज कहते हैं, ''इन लड़कियों ने देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने पहाड़ों पर जिस महान साहस का प्रदर्शन किया जो प्रशंसनीय था। एक चीज जो उनसे सीखी जा सकती है, वो है उनका जोश और कभी हार न मानने वाला नजरिया। सबके लिए यह एक संदेश है जिसने अवसर दिया कि कुछ भी ऐसा नहीं है जो हमारी लड़कियां हासिल नहीं कर सकतीं। उन्हें बस प्रोत्साहन और आगे बढ़ते रहने में सहयोग देने की जरूरत है।''

एक बात जिसकी बजाज पैरवी करते हैं, वो यह कि पहाड़ों पर व्यक्ति को प्रकृति को काफी सम्मान देते हुए आगे बढ़ना होता है। उसे अत्यंत धीमा व स्थिर होना पड़ता है। पर्वतों पर जीत हासिल करने की सोच के साथ बिलकुल भी नहीं चलना है। इंसान कभी ऐसा नहीं कर सकते हैं।

न केवल बजाज बल्कि दोनों फैकल्टी सदस्य ढिल्लन व मेजर झिंगन भी उन्हीं की तरह अत्यंत सहयोगी रहे। वे भी भारत में खेल शिक्षा की जरूरत को रेखांकित करती हैं और मानती हैं कि खेलों को भी पढ़ाई लिखाई के समान महत्ता दी जानी चाहिए। यह छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

> *ये सात लड़कियां उन लोगों के लिए मिसाल हैं जो मानते हैं कि खेल उन्हें कहीं भी लेकर नहीं जाएंगे। माता पिता को इसे समझना चाहिए और उन्हें अपने बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जब युवा पीढ़ी ऐसी ऊंचाइयों को छूती है, तो यह न केवल उनके माता पिता व स्कूल के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक गौरवशाली पल होता है।*

द लारेंस स्कूल, बाह्य अभियानों व खेलों के मुखिया, एमके गुलिया, जिन्होंने लड़कियों व फैकल्टीज की टीम का चयन किया, कहते हैं कि उन्होंने लड़कियों का चयन शारीरिक क्षमता के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी इच्छाशक्ति के आधार पर किया था।

श्री गुलिया कहते हैं, '' हम शारीरिक क्षमता व फिटनेस पर काम कर सकते हैं। इन्हेंअ प्रशिक्षण द्वारा बनाया जा सकता है। मुख्य है इच्छा शक्ति, मानसिक क्षमता तथा ट्रेकिंग पर जाने का जुनून। इसी आधार पर हमने इन सात लड़कियों का चयन किया जबकि 15-20 लड़कियां थीं जिन्होंने इसके लिए अपना नाम लिखाया था।'' वह आगे कहते हैं कि उन्हें दुख महसूस हुआ जब कई लड़कियों ने अपने नाम वापस ले लिए क्योंकि उनके परिवार ने उन्हें चढ़ाई पर जाने की अनुमति नहीं दी।

वह बताते हैं कि यह महत्वपूर्ण समय है जब हम खेलों पर ध्यान देने के लिए सरकार से कहना बंद कर देते हैं। सरकार अपना काम कर रही है। यह समाज की, स्कूलों की, तथा माता पिता की जिम्मेदारी है कि वे खेलों की महत्ता को पहचानें और अपने बच्चों को वो सब करने का अवसर दें जो वे करना चाहते हैं।

वह कहते हैं, ''ये सात लड़कियां उन लोगों के लिए मिसाल हैं जो मानते हैं कि खेल उन्हें कहीं भी लेकर नहीं जाएंगे। माता पिता को इसे समझना चाहिए और उन्हें अपने बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। जब युवा पीढ़ी ऐसी ऊंचाइयों को छूती है, तो यह न केवल उनके माता पिता व स्कूल के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक गौरवशाली पल होता है। अनेक लोगों ने उनसे प्रेरणा ली है।'' श्री गुलिया जोड़ते हैं कि स्कूल ऐसे पर्वतारोहणों की निश्चित रूप से और भी योजना बनाएंगे और युवाओं को नयी बुलंदियां छूने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

एक एक्टर के रूप में मैंने कभी फिल्म निर्माता को लेकर लिंगभेद पर गौर नहीं किया। मैंने केवल अपने अभिनय पर फोकस किया
- नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बेटी सुहाना खान की बॉयफ्रेंड से जुड़ी प्रॉब्लम्स से कुछ इस तरह डील करते हैं शाहरुख खान

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान सिर्फ रोमांस के बादशाह ही नहीं बल्कि एक बहुत अच्छे पिता भी हैं। शाहरुख ने अक्सर अपने इंटरव्यूज में बताया है कि वो अपने बच्चों को कितने पोजेसिव हैं, खास करके बेटी सुहाना खान को लेकर।

एक इंटरव्यू में शाहरुख ने कहा था कि वो उस शख्स को नहीं छोड़ेंगे जो उनकी बेटी को किस करेगा। अब एक बार फिर शाहरुख खान ने सुहाना को लेकर बात करते हुए बताया कि जब भी उन्हें उनके बॉयफ्रेंड से जुड़ी किसी भी समस्या को सुलझाना होता है तो उन्हें काफी बौखलाहट महसूस होती है।

हाल ही में डेविड लैटरमैन के शो में शाहरुख ने एक बार फिर खुलकर इन सभी चीजों पर बातचीत की। शाहरुख ने कहा, मैं उनकी सारी समस्या सुलझाता हूं और जब मुझे पता चलता है कि बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड से जुड़ी समस्या है तो मुझे गुस्सा आता है। मैं तो बस उस इंसान को बाहर निकाल देना चाहता हूं लेकिन फिर मैं खुद को समझाना हूं कि जिंदगी में ऐसा होता है और रिलेशनशिप में आपको लेना-देना पड़ता ही है।

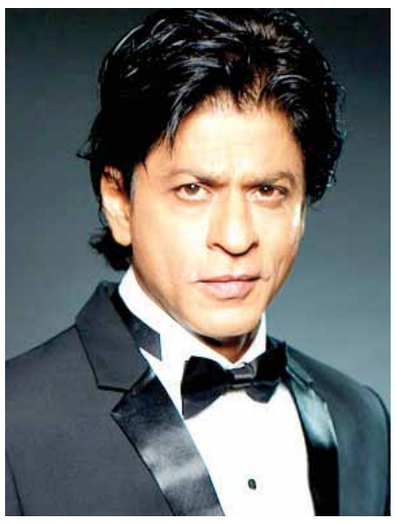

मैं उसे ये समझा नहीं सकता. मैं उसे कहना चाहता हूं कि ये लड़का तुम्हारे लिए ठीक नहीं है लेकिन कभी-कभी हमें खुद को रोकना पड़ता है। वो पूछती हैं पापा, आपको क्या लगता है, उसे क्या पसंद आएगा? मेरे मन में आता है चेहरे पर एक पंच ही दे दो। शाहरुख ने ये भी कहा कि उन्हें इस बात का मलाल रहता है कि उनके माता-पिता ने उनके साथ उतना समय नहीं बिताया। उन्होंने कहा, ये सुनने में थोड़ा गलत जरूर लगेगा लेकिन अंत में अगर किसी बात को लेकर मैं अपने माता-पिता के खिलाफ हूं तो वो ये है कि उन्होंने मेरे साथ काफी समय नहीं बिताया।

'ये शो मेरे लिए नौकरी जैसा न होकर मेरा प्रिय हैं'

आरजे नीलेश मिश्रा से उनके 92.7 बिग एफएम पर आने वाले कार्यक्रम 'यादों का इडियट बॉक्स' के नवीनतम सीज़न और अपने हाल ही में लॉन्च किये गए मीडिया प्लेट फॉर्म आदि के बारे में जाना पायनियर संवाददाता मुज़्बा हाशमी ने। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश-

■ 'यादों का इडियट बॉक्स' का ये छठा सीज़न है। आपको क्या लगता है कि दर्शकों को ये क्यों इतना प्रिय है?

हम जिस प्रकार की कहानियां लाते हैं दर्शकों को संभवत: यही पसंद आता होगा। हमारी कंटेंट सामाजिक दायित्व के निर्वाह को ध्यान में रखकर ही तय होती है। हमारा प्रयास रहता है कि हम हर उस बात या समस्या को अपने कार्यक्रम में स्थान दे पाएं जो मनोरंजन की दुनिया की नजरों से छूट जाती है। कलाकार के रूप में हमारा दायित्व है कि हम सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहें। इस सीज़न में हम दर्शकों की कहानियों और सुझावों को अपने कार्यक्रमों में समाहित कर रहे हैं और इसका पूरा श्रेय भी हम उन्हें ही देना चाहेंगे। हम अपने कार्यक्रम के आधार से भटकने से बचते हैं और उन्हीं मानदंडों के अनुसार अपनी कहानियों को तय करते हैं।

■ जब आप एक ही शो के कई सीज़न लाते हैं तो क्या आपके ऊपर किसी प्रकार का दबाव होता है?

ऐसा नहीं है। मैं ये शो केवल तब तक ही करूंगा जब तक मैं इसका आनंद लेते हुए इसे कर पाऊंगा। जिस दिन ऐसा संभव नहीं होगा मैं ये शो छोड़ दूंगा। ये मेरे लिए किसी प्रकार की नौकरी जैसा नहीं है। ये मेरे प्रिय कामों में से एक है। जब मैं इसे करता हूं, मैं उसमें डूब जाता हूं।

■ क्या आपने कभी इसमें वास्तविक जीवन की किसी घटना को शामिल किया है?

इसकी सभी कहानियों में हम वास्तविक जीवन से जुड़ी या उससे प्रेरित घटनाओं या भावनाओं को ही लेते हैं। इन कहानियों को हमारी एक दूसरी टीम लिखती है लेकिन उनमें वे अपने अनुभवों को कभी समाहित कर देते हैं। इस सीज़न में मैं भी कुछ कहानियां लिखने वाला हूं और ये भी कहीं न कहीं किसी वास्तविक घटना से ही प्रेरित हैं।

■ क्या कोई ऐसी कहानी है जिसने आपके हृदय को स्पर्श किया हो?

मैंने पिछले सीज़न्स में जो भी कहानियां लिखी हैं वे सभी मेरी प्रिय कहानियों में से ही हैं। लेकिन उनमें से दीवाली की रात कहानी दर्शकों को सर्वाधिक प्रिय है। ये इस शो की पहली कहानी थी।

■ आपने पत्रकारिता क्यों छोड़ी?

मैंने पत्रकारिता नहीं छोड़ी है मैंने तो बस रिपोर्टिंग बंद कर दी है। मैं आज भी पत्रकारिता से जुड़ा हूं। मैं रिपोर्टिंग में वापस भी जा सकता हूं।

■ आपने कई क्षेत्रों को स्वाद चखा है। आपको सबसे अधिक रुचिकर क्या लगा?

मुझे कहानियां लिखना अच्छा लगता है। लेकिन जब मैं क्षेत्र में जाकर रिपोर्टिंग करता हूं तो वो काम भी मुझे प्रिय है।

■ आपके जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण चरण कौन सा था?

रचनात्मक दृष्टिकोण से देखें तो 'यादों का इडियट बॉक्स' का पहला सीज़न ही सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण था। मैं हर रात एक कहानी लिखता था और प्रात: उठकर उसे रिकॉर्ड करता था। हर रात मुझे एक कहानी का तानाबाना और उसके चरित्रों के बारे में सोचना पड़ता था। ये काफी कठिन था।

■ क्या इससे आप किसी प्रकार से प्रभावित भी हुए थे? क्या कभी आपने इस काम को छोड़ने का भी विचार किया था?

नहीं ऐसा नहीं था। ये मेरे लिए काफी रुचिकर काम है। ये नया अनुभव था। मैं इससे पहले माइक के सामने कहानी कहने के लिए कभी नहीं आया था। ये कठिन और निचोड़ लेने वाला अनुभव था लेकिन रचनात्मक स्तर पर ये काफी संतुष्टिकारक भी था।

■ क्या आप भी किसी सफलता के सूत्र में विश्वास करते है?

संचार के क्षेत्र में आपको वास्तविक होना अच्छा रहता है। चाहे मैं कहानी लिखूं या उसे सुनाऊं, जब बात संप्रेषण की हो तो आपको वास्तविक और संवेदनशील होना पड़ता है तभी दर्शक आपसे जुड़ेंगे। वाचक का समर्पित होना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

■ भविष्य के लिए आपकी क्या योजना है?

हमनें हाल ही में माइक नाम से एक मीडिया प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। इसके माध्यम से पूरे देश के कलाकार अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकते हैं और दर्शकों तक पहुंच बना सकते हैं। ये मेरा सपना है। कहानी के मोर्चे पर मैं दूसरे जॉनर्स पर भी काम करना चाहता हूं।

■ 'माइक' नामक अपने मीडिया प्लेटफॉर्म को लाने के पीछे क्या सोच थी?

यही सोच है कि नीलेश की तरह दूसरी प्रतिभाओं को किस प्रकार से सामने लाया जा सकता है। हम सदैव स्वार्थी नहीं बने रह सकते। दूसरे कलाकारों को मंच उपलब्ध कराना भी हमारा ही कर्तव्य है।

बच्ची की क्यूटनेस के कायल हुए अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहते हैं. अपने बिजी शेड्यूल में से समय निकालकर ट्विटर पर अपने फैंस से लगातार रूबरू होते रहते हैं. दिल की कोई बात कहनी हो या फिर किसी की तारीफ करनी हो, महानायक बिना देरी किये शेयर कर देते हैं. हाल ही में अमिताभ बच्चन ने एक प्यारी सी बच्ची का वीडियो शेयर किया है जिसे देखकर आप भी इस बच्ची की क्यूटनेस के दीवाने हो जायेंगे. इस वीडियो में छोटी बच्ची हरियाणवी सॉन्ग छोटी छोटी बात पे मुंह न फुलाया कर गाने पर लिपसिंग करती दिख रही हैं.

खास बात यह है कि 30 सेकेंड के इस वीडियो में बच्ची ने इतने शानदार तरीके से एक्ट किया है कि खुद अमिताभ बच्चन भी उस बच्ची की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाये. उन्होंने कैप्शन में लिखा, वाह क्या बात है.

बता दें कि अमिताभ बच्चन जल्द ही बॉलीवुड सेलेब्स को अपने घर पर इनवाइट करनेवाले हैं. दरअसल इस दीवाली अमिताभ बच्चन अपने घर पर बॉलीवुड सितारों के साथ मिलकर दीवाली पार्टी करनेवाले हैं. मुंबई मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, अमिताभ बच्चन ने पिछले हफ्ते अपनी दीवाली पार्टी के लिए बॉलीवुड के कई सितारों को न्योता भेजा है.

वीडियो में छोटी बच्ची हरियाणवी सॉन्ग छोटी छोटी बात पे मुंह न फुलाया कर गाने पर लिपसिंग करती दिख रही हैं.

मेहमानों की लिस्ट में शाहरुख-गौरी, काजोल, अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अयान मुखर्जी, कबीर खान, संजय दत्त और करण जौहर शामिल हैं. दरअसल बीते दो साल से अमिताभ बच्चन ने धूमधाम से दीवाली नहीं मनाई है. इसकी वजह उनकी बहू ऐश्वर्या राय बच्चन के पिता का निधन और बेटी श्वेता बच्चन नंदा के ससुर का निधन होना है.

कमांडो 3 की कहानी फिल्म के एक्शन की तरह ही मजबूत है: निर्देशक

मुंबई। कमांडो श्रृंखला के निर्देशक आदित्य दत्त का कहना है कि अगली फिल्म कमांडो 3 की कहानी इसके एक्शन की तरह ही मजबूत है।

इस श्रृंखला की पहली दो फिल्में वर्ष 2013 और 2017 में आई थीं, जिनमें विद्युत जामवाल मुख्य भूमिका में थे। आदित्य ने बातचीत में कहा, मैं चाहता था कि कमांडो 3 की कहानी मजबूत और प्रासंगिक रहे। यह फिल्म लोगों की मानवीय भावनाओं को स्पर्श कर उन्हें रोमांचित कर देगी। फिल्म के ट्रेलर में विद्युत, कमांडो करणवीर सिंह डोगरा की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं।

आदित्य ने बताया कि इस फिल्म में अभिनेत्री अदा शर्मा और अंगिरा धर भी विद्युत जामवाल के साथ एक्शन करती नजर आएंगी। विपुल शाह, रिलायंस एंटरटेनमेंट और मोशन पिक्चर कैपिटल द्वारा निर्मित यह फिल्म 29 नवंबर को रिलीज़ होने वाली है।

अक्षय कुमार के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती हुई सितमगढ़ की सितमगर कॉमेडी है हाउसफुल 4

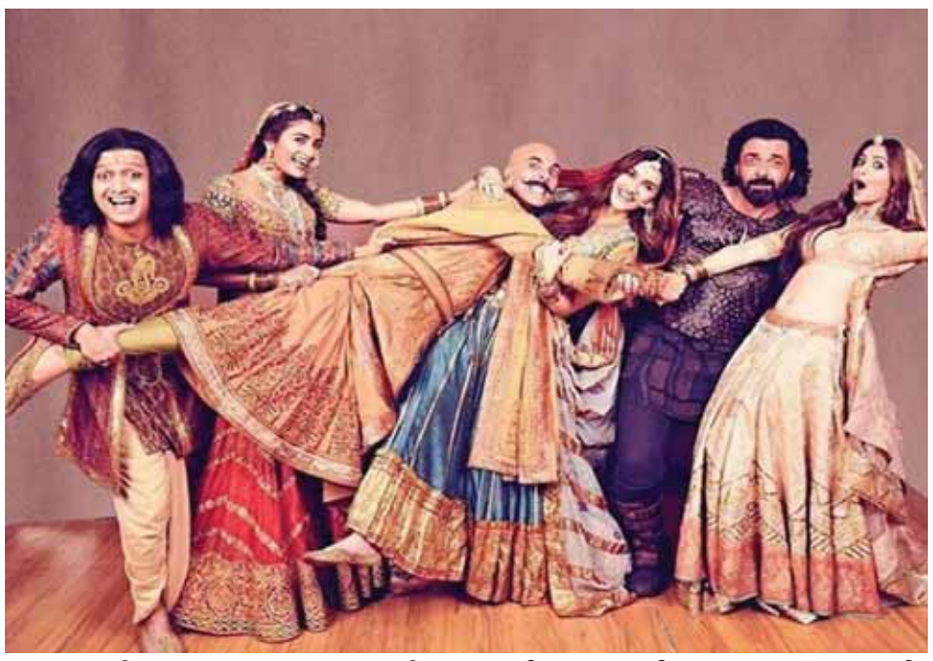

'हाउसफुल' फ्रेंचाइज फोर्स्ड यानी थोपी हुई कॉमेडी की कैटिगरी में आती है। 'गोलमाल' और 'धमाल' फ्रेंचाइज भी उसी लीग की फिल्में हैं। इस तरह की फिल्मों में ऊलजुलूल हरकतें, बेसिरपैर की कहानियां और ओवर द टॉप एक्टिंग मेथड से कलाकार हंसाने की कोशिश करते हैं। यह सब करने के लिए भी खासे एफर्ट की जरूरत पड़ती है। टोटल धमाल और गोलमाल अगेन इस लिहाज से इन फ्रेंचाइज की रोचक फिल्मों में से एक थी।

हाउसफुल 4 की बात करें तो इससे उम्मीदें ज्यादा थीं। टोटल धमाल के मुकाबले यहां वीएफएक्स पर ज्यादा खर्च था। सितमगढ़, माधवगढ़ जैसे काल्पनिक इलाकों में महल और हवेलियों के जरिए कहानियां 600 साल पहले तक जाती हैं। तब के समां को दिखाने में स्पेशल इफेक्ट्स वाली टीम की शिद्दत नजर आती है।

दिक्कत कहानी, पटकथा और संवाद के साथ हो गई है। डायरेक्टर फरहाद सामजी को रायटरों की फौज मिली है। साजिद नाडियाडवाला ने पुनर्जन्म के प्लॉट का चयन सही किया। ताशा भांब्रा, सारा बोडिनर, साजिद खान, स्पर्श क्षेत्रफाल ने उनकी मदद अतिरिक्त स्क्रीनप्ले और डायलॉग लिखने में की। उन सबसे चूक सिर्फ वनलाइनर पंचेज और संवादों पर फोकस करने के चलते हो गई है।

हीरोइनों को इंप्रेस करने के लिए सैकड़ों बार आजमाए जा चुके तरीके आजमाए गए हैं। पुनर्जन्म के प्लॉट में सिर्फ एक फ्रेश ट्विस्ट के अलावा बाकी सब कुछ स्टीरियोटाइप है। इन सब वजहों के चलते कॉमेडी ऑफ एरर ज्यादातर मौकों पर कॉमेडी ऑफ ब्लंडर हो गई है। लिहाजा सबके सम्मलित कलाकारों की मेहनत और वीएफएक्स पर पानी फेरती नजर आई है। हां फिल्म में सुदीप चैटर्जी का कैमरावर्क, स्पेशल इफेक्ट्स और हीरोइनों का प्रेजेंटेशन जरूर असरदार हैं।

हाउसफुल 4 की बात करें तो इससे उम्मीदें ज्यादा थीं। टोटल धमाल के मुकाबले यहां वीएफएक्स पर ज्यादा खर्च था। सितमगढ़, माधवगढ़ जैसे काल्पनिक इलाकों में महल और हवेलियों के जरिए कहानियां 600 साल पहले तक जाती हैं। तब के समां को दिखाने में स्पेशल इफेक्ट्स वाली टीम की शिद्दत नजर आती है।

नायक हैरी लंदन में अपने भाइयों रॉय और मैक्स के साथ रहता है। भूलने की आदत के चलते वहां के गैंगस्टर माइकल भाई का कर्जदार है। उसका वसूली भाई मनोज पाहवा है। उसे चुकाने के लिए तीनों वहां के मिलेनियर पापा रंजीत की बेटियों को पटाते हैं। उनका इरादा उनसे शादियां कर कर्ज चुकाने की है। वे सब डेस्टिनेशन वेडिंग को सितमगढ़ आते हैं। वहां आकर उनके पिछले जन्म के राज खुलते जाते हैं। उनके तार हैरी के पिछले जन्म में राजकुमार बाला की कारस्तानियों से जुड़े हुए हैं। उसके चलते पूर्व जन्म में रॉय ऊर्फ बांगडू, मैक्स यानी धर्मपुत्र का प्यार अधूरा रह जाता है।

फिल्म पूरी तरह अक्षय कुमार के किरदार हैरी और पूर्वजन्म में बाला पर बेस्ड है। उन्हें रितेश देशमुख, बॉबी देओल समेत कृति सैनन, कृति खरबंदा और पूजा हेगड़े का साथ मिला है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी कैमियो में जंचे हैं। बाकी कलाकारों ने अपने हिस्से में आए डायलॉग्स के मुताबिक अपने अपने काम को अनुशासित भाव से अंजाम दिया है। संवादों में ह्वाट्स एप जोक्स के बजाय ओरजिनल संवादों से हंसाने पर जोर दिया गया होता तो जन्म-जन्म के साथ वाली यह कहानी अलग स्केल पर पहुंचती।

रवीना टंडन को ऋषि पर था क्रश

बॉलीवुड की मस्त-मस्त गर्ल रवीना टंडन का आज जन्मदिन है. रवीना की गिनती 90 के दशक की सबसे हॉट अभिनेत्रियों में होती है. अपनी खूबसूरती और चुलबुलेपन से दर्शकों को दीवाना बनाने वाली रवीना का जन्म 26 अक्टूबर 1974 को हुआ था. रवीना ने अपने सिने करियर की शुरुआत साल 1991 में सलमान खान के साथ फिल्म पत्थर के फूल से की थी. फिल्म ज्यादा नहीं चली लेकिन इसके गाने लोगों को खूब पसंद आये थे. रवीना टंडन आज फिल्मों से दूर हैं लेकिन किसी भी मुद्दे पर अपनी राय बेबाकी से रखती हैं. रवीना ने मुंबई के जुहू स्थित जमनाबाई पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की है. इसके बाद उन्होंने मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन किया और इस दौरान ही उन्हें फिल्में ऑफर होने लगी. जिसके बाद रवीना ने सेकेंड ईयर में ही पढ़ाई छोड़कर फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया.

नाम का राज : रवीना के नाम के पीछे एक दिलचस्प राज जुड़ा है. उनका नाम उनके पिता रवि और मां वीना को मिलाकर रखा गया है. उनका निकनेम मुनमुन है जो उन्हें उनके मामा एक्टर मैकमोहन ने दिया था. रवीना टंडन को बॉलीवुड में मस्त- मस्त गर्ल नाम से भी जाना जाता है. फिल्म मोहरा में अक्षय कुमार और उनपर फिल्माया गाना तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त सुपरहिट हुआ था. जिसके बाद रवीना बॉलीवुड की मस्त-मस्त गर्ल बन गईं. रवीना टंडन की अफेयर की चर्चा भले ही अक्षय कुमार से रही हो लेकिन उन्हें ऋषि कपूर पर ऋश था. रवीना ने ये बात फिल्म बॉम्बे वेलवेट के प्रमोशन के दौरान कही थी. इस फिल्म में ऋषि कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने काम किया था. अभिनेत्री के मुताबिक, रणबीर को देखते ही उन्हें रणबीर की याद आ जाती है.

अक्षय कुमार से था अफेयर : फिल्म मोहरा के बाद अक्षय कुमार और रवीना टंडन की लव अफेयर की चर्चाओं ने जोर पकड़ा था. इनकी प्रेमकहानी की खबरें सुर्खियों में थी. खबरों के मुताबिक, साल 2009 में रवीना टंडन ने एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार के साथ सगाई की खबर भी बताई थी. हालांकि दोनों का ब्रेकअप हो गया. उस दौरान एक इंटरव्यू में रवीना टंडन ने यह भी कहा था कि अक्षय कुमार एकसाथ 3-3 लड़कियों को डेट कर रहे हैं. पिछले दिनों एक इंटरव्यू में रवीना ने अक्षय को अपना अच्छा दोस्त बताया था.

अनिल थडानी से की है शादी : रवीना ने 22 फरवरी 2004 को फिल्ममेकर अनिल थंडानी से शादी कर ली थी. रवीना की पहली लेकिन अनिल की यह दूसरी शादी थी. दोनों के दो बच्चे हैं बेटी राशा और बेटा रणबीर. इसके अलावा शादी से पहले ही उन्होंने दो बेटियों को गोद भी लिया था. इस तरह रवीना इस समय चार बच्चों का मां है.

चर्चित फिल्में : रवीना ने दिलवाले, मोहरा, पत्थर के फूल, सत्ता, लाडला, जिद्दी, अंदाज अपना अपना, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, दूल्हे राजा, परदेसी बाबू जैसी कई हिट फिल्मों में अभिनय करके वाहवाही बटोरी. रवीना की जोड़ी अजय देवगन, अक्षय कुमार, सनी देओल और गोविंदा के साथ पर्दे पर खूब सराही गई.

नो टाइम टू डाई की शूटिंग खत्म

लॉस एंजिलिस। जेम्स बांड श्रृंखला की नई फिल्म नो टाइम टू डाई की शूटिंग पूरी हो गई है।

जासूसी फिल्म के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह घोषणा की गई।

इंस्टाग्राम पर डेनियल क्रेग और निर्देशक कैरी जोजी फुकुनागा की तस्वीर के साथ लिखा था, इसी के साथ नो टाइम टू डाई की शूटिंग खत्म हो गई। आप सभी से अप्रैल 2020 में सिनेमाघरों में मुलाकात होगी।

फिल्म में यह दिखाया गया है कि बांड अब सक्रिय सेवा में नहीं है और जमैका में शांतिपूर्ण जीवन का आनंद उठा रहे हैं।

51 वर्षीय क्रेग सबसे पहले 2006 में बांड श्रृंखला की फिल्म कसिनो रॉयल में दिखे थे और इसके बाद 2008 में क्वांटम ऑफ सोलेस , 2012 में स्काईफॉल और 2015 में स्पेक्ट्र में दिखे थे।

नो टाइम टू डाई में ली सिडॉक्स भी होंगी जो स्पेक्ट्र में मनोवैज्ञानिक डॉ. मेडेलीन स्वान की भूमिका निभा चुकी हैं। जेफ्री राइट सीआईए अधिकारी फलिक्स लेटर, रोरी किनियर टेनर के किरदार में और नाओमी हैरिस मनीपेन्नी की भूमिका में दिखेंगे।

इस फिल्म में बेन विशॉ क्यू और राफ फिएन्स एम की भूमिका में वापसी करेंगे।

रामी मलिक फिल्म में मुख्य खलनायक के किरदार में दिखेंगे। फिल्म आठ अप्रैल, 2020 को रिलीज होने वाली है।